सच, सिर्फ सच **

वॉयस ऑफ लखनऊ

शनिवार, 19 सितम्बर , 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 71, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

निफ्टी 76 अंक चढ़ा, सेंसेक्स टूटा

शेयरों में कमजोर रुख के कारण मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 76 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। } 10

पंजाब के हर कोने तक पहुंचे नशारोधी मुहिम

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि पंजाब को नशे के अभिशाप से मुक्त करना होगा और नशा विरोधी अभियान को राज्य के हर कोने तक पहुंचाया जाना चाहिए। } 12

और मजबूत होंगे भारत-यूएई के रिश्ते

राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने पीएम मोदी से फोन पर की वार्ता

एजेंसी

नयी दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों और द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी और यूएई के राष्ट्रपति नाहयान ने क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के प्रयासों में लगातार सहयोग और समन्वय बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के नये उपायों पर भी चर्चा की, जिसमें ऊर्जा, रक्षा, प्रौद्योगिकी, निवेश और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र शामिल हैं। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा मुझे फोन करने और जन्म दिन की शुभकामनाएं देने के लिए, मैं अपने भाई, यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का आभारी हूं। हमने द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की तथा क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के प्रयासों पर विचारों ...शेष पृष्ठ 10 पर

युद्ध की बदलती प्रकृति को देखते हुए स्वदेशी टेक्नोलॉजी आवश्यक : राजनाथ

एचएएल ने एलसीए तेजस प्रशिक्षक विमान, एचटीटी-40 और ध्रुव एनजी हेलीकॉप्टर सौंपे

एजेंसी

बेंगलुरु। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि देश में ऐसा तंत्र विकसित किया जाना चाहिए, जो असैन्य और सैन्य विमानन दोनों क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा कर सके।

उन्होंने कहा कि युद्ध की बदलती प्रकृति को देखते हुए स्वदेश में विकसित प्रौद्योगिकियां आवश्यक हैं। सिंह रक्षा क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान एयरॉनोटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के कार्यक्रम में वायुसेना को हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस- दो-सीट वाले प्रशिक्षु और एचटीटी-40 बेसिक प्रशिक्षु विमान तथा पवन हंस लिमिटेड को अगली पीढ़ी के ध्रुव हेलीकॉप्टर सौंपे जाने के मौके पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा हमें ऐसा तंत्र विकसित करने की जरूरत है, जो असैन्य और सैन्य विमानन दोनों क्षेत्रों की जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा कर सके। रक्षा मंत्री ने कहा कि युद्ध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, ऐसे में भारत के लिए स्वदेशी रूप से प्रौद्योगिकियों को विकसित करना समय की जरूरत है। सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक संगठनों के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों को प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं देखना चाहिए। अत्याधुनिक नवाचार की आवश्यकता पर जोर देते हुए सिंह ने वैज्ञानिकों और अभियंताओं से भविष्य की रक्षा जरूरतों को पूरा करने वाली प्रौद्योगिकियां विकसित करने का आग्रह किया। सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने शुक्रवार को भारतीय वायुसेना को दो सीट वाला एलसीए तेजस एफओसी प्रशिक्षक विमान और एचटीटी-40 बुनियादी प्रशिक्षण विमान तथा पवन हंस को ध्रुव नेक्स्ट जेनरेशन हेलीकॉप्टर सौंपे। एचएएल द्वारा इन विमानों ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

निठारी कांड में आरोपी रहे सुरेंद्र कोली का मिला शव

हरिद्वार। हरिद्वार के सप्त सरोवर क्षेत्र में स्थित चाय की एक दुकान से शुक्रवार को निठारी नरकंकाल बरामदगी मामले में मुख्य आरोपी रहे सुरेंद्र कोली का शव बरामद हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच के दौरान ऐसा प्रतीत हुआ है कि कोली ने अपनी दुकान में कथित रूप से फंदा लगाकर आत्महत्या की। हरिद्वार के पुलिस नगर उपाधीक्षक शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया कि सप्तऋषि इलाके में स्थित दुकान में एक व्यक्ति का शव पड़ा होने की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को कोली के गले में रस्सी का फंदा बंधा हुआ मिला जबकि छत पर लगे पंखे से भी रस्सी का एक टुकड़ा बंधा हुआ था।

मराठी फिल्म गोंधल ऑस्कर के लिए नामित

मुंबई। मराठी फिल्म गोंधल को ऑस्कर पुरस्कार 2027 के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के तौर पर चुना गया है। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) ने शुक्रवार को यह घोषणा की। संतोष डावखर द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म ग्रामीण महाराष्ट्र की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसकी कहानी एक नवविवाहित जोड़े से जुड़ी पारंपरिक रस्म वाली एक रात के इर्द-गिर्द घूमती है। चयन समिति के अध्यक्ष पी. शेषाद्रि ने कहा कि 33 फिल्मों की सूची में से इस फिल्म को 99वें एकेडमी पुरस्कारों की सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना गया है।

एनसीआर की हवा शुद्ध बनाने के लिए यूपी का बड़ा प्लान

मुख्यमंत्री योगी के साथ बैठक में शामिल हुए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें उत्तर प्रदेश के एनसीआर से जुड़े नोएडा, हापुड़, गाजियाबाद, मेरठ, बुलंदशहर समेत आठ जिलों में वायु प्रदूषण की रोकथाम के उपायों और कार्ययोजना की समीक्षा की गई। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि वाहन प्रदूषण के तहत पुराने वाहनों, नई ईवी नीति, इलेक्ट्रिक बसों, प्रदूषण प्रमाणपत्र की अनिवार्यता और एग्रीगेटर वाहनों से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। औद्योगिक प्रदूषण की समीक्षा में करीब 80 प्रतिशत उद्योगों में ओसीईएमएस (ऑनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली) और एयर पॉल्यूशन डिवाइस लगाए जाने की जानकारी दी गई। शेष उद्योगों में भी इन्हें लागू करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि बैठक में धूल प्रदूषण पर मैकेनाइज्ड और डीप क्लीनिंग की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट तथा कंस्ट्रक्शन एंड डेमोलिशन वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विभिन्न विभागों और हितधारकों के साथ कंसल्टेशन कार्यक्रम चलाने पर भी सहमति बनी है। एनसीएपी के तहत देश के 130 शहरों के स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में लखनऊ ने प्रथम स्थान हासिल किया है। आगरा समेत प्रदेश के अन्य शहरों का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा है। केंद्रीय मंत्री ने ह्यएक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लक्ष्य से अधिक पौधरोपण के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बैठक हुई है। अब राजस्थान और पंजाब के ...शेष पृष्ठ 10 पर

भूजल स्रोतों की जांच में यूपी अव्वल

उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय औसत से 44 प्रतिशत आगे

विशेष संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेशवासियों के लिए जल संरक्षण, भूजल स्तर में सुधार और हर घर तक स्वच्छ व सुरक्षित जल पहुंचाने में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में भूजल स्रोतों की गुणवत्ता और स्थिति की निगरानी को लेकर किए जा रहे परीक्षण कार्य में प्रदेश ने देश में पहला स्थान हासिल किया है। जांच के अंतर्गत राज्य व जिले स्तर की प्रयोगशालाओं से प्रदेशभर में भूजल स्रोत, भूमिगत व ओवरहेड टंकी समेत पानी के अन्य स्रोतों की पड़ताल की गई है।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जलशक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में 48,055 भूजल स्रोतों के परीक्षण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके मुकाबले 45,361 स्रोतों की जांच पूरी कर ली गई है। यह कुल लक्ष्य का 94.39 प्रतिशत है। 15 सितंबर 2026 तक के आंकड़ों के आधार पर उत्तर ...शेष पृष्ठ 10 पर

साइबर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 23 लोग गिरफ्तार

नयी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों के नागरिकों से तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के नाम पर ठगी करने वाले एक संगठित साइबर अपराध गिरोह का भंडाफोड़ कर 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पश्चिम दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) हरेश्वर वी. स्वामी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बृहस्पतिवार रात साइबर पुलिस और विशेष स्टाफ ने तीन स्थानों पर छापेमारी की और हरि नगर तथा कीर्ति नगर में तीन कॉल सेंटरों का भंडाफोड़ किया। उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान परिसर में अवैध अंतरराष्ट्रीय कॉल-सेंटर संचालित होते मिले, जहां आरोपी ऐप्पल, आईओएस और माइक्रोसॉफ्ट के तकनीकी-सहायता व ग्राहक सेवा कर्मी बनकर इंटरनेट-आधारित कॉलिंग एप्लिकेशन के माध्यम से विदेशी नागरिकों से संपर्क करते थे। स्वामी ने बताया कि पुलिस ने कॉल सेंटर के कथित मालिकों, प्रबंधकों, बैंकरों और ...शेष पृष्ठ 10 पर

पाक की मस्जिद में आत्मघाती विस्फोट, 16 लोगों की मौत

एजेंसी

पेशावर। पाकिस्तान के कोहाट जिले में पुलिस लाइन के निकट स्थित एक मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान शुक्रवार को हुए आत्मघाती विस्फोट में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट खैबर पख्तूनख्वा की राजधानी पेशावर से लगभग 60 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में कोहाट जिले में स्थित पुरानी पुलिस लाइन के निकट बनी मस्जिद में हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक हमलावर ...शेष पृष्ठ 10 पर

युवा शक्ति में है प्रतिभा व ऊर्जा : धामी

चयनित 140 छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री से साझा किया विकास का विजन

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड की युवा शक्ति में प्रतिभा, ऊर्जा और नवाचार की क्षमता है। सही अवसर और दिशा मिलने पर युवा राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उक्त उद्गार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन अभियान के तहत चयनित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। बता दें कि प्रदेश के 2 लाख 67 हजार 744 विद्यार्थियों ने अपने विचार और सुझाव साझा किये। इनमें से चयनित 140 छात्र-छात्राओं ने मुख्य सेवक सदन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ सीधे संवाद कर अपने विजन को सामने रखा। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों की बात सुनी और राज्य के भविष्य को लेकर उनकी प्राथमिकताओं को समझा। उन्होंने कहा कि युवाओं के सुझावों को महज किसी प्रतियोगिता का हिस्सा मानकर समाप्त नहीं किया जाएगा। उपयोगी और व्यावहारिक विचारों को योजनाओं एवं नीति-निर्धारण की प्रक्रिया से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। मंथन के दौरान विद्यार्थियों ने राज्य की वर्तमान चुनौतियों के साथ उनके समाधान को लेकर भी विचार रखे। शिक्षा एवं रोजगार, कौशल विकास, पलायन, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरण और वन संरक्षण, आपदा प्रबंधन, सड़क एवं संपर्क व्यवस्था, तकनीक, सुशासन, ...शेष पृष्ठ 10 पर

भारत में धर्म की अवधारणा पश्चिमी रिलिजन से अलग : मोहन भागवत

एजेंसी

उज्जैन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत में धर्म की अवधारणा पश्चिमी देशों में प्रचलित रिलिजन की धारणा से अलग है और देश ने विभिन्न मत-पंथों के बीच कभी भेदभाव नहीं किया। भागवत यहां करीब 1,700 जेन जी प्रतिभागियों को युवा धर्म संसद में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि ऐसे समय में युवा धर्म पर चर्चा कर रहे हैं, जब कुछ लोग इसे बुजुर्गों का विषय मानते हैं। भागवत ने कहा कि धर्म त्याग और दान से फलता-फूलता है। उन्होंने भौतिक तथा आध्यात्मिक जीवन में संतुष्टि के लिए त्याग के महत्व को रेखांकित किया। भागवत ने कहा कि धन कमाने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन व्यक्ति को अपने लिए उतना ही रखना चाहिए जितनी आवश्यकता है और बाकी दूसरों के साथ साझा करना चाहिए। उन्होंने कहा आपका जीवन इस तरह आगे बढ़ना चाहिए कि दूसरों का जीवन भी ...शेष पृष्ठ 10 पर

विशेष खबर बीबीडी परिसर से जयकारों के बीच निकली भगवान गणेश की भव्य विसर्जन यात्रा, झूलेलाल पार्क स्थित गोमती नदी में हुआ गणेश प्रतिमा का विसर्जन

गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ...

फोटो : समीर भटनागर

अनिल कुमार सिंह

लखनऊ। बीबीडी कैम्पस में हो रहे चार दिवसीय गणेश महोत्सव 2026 के समापन समारोह के बाद हजारों की उपस्थिति में शुक्रवार को झूलेलाल पार्क स्थित गोमती तट पर गणेश प्रतिमा का विसर्जन हुआ। सुबह श्री सिद्धि गणेश मंदिर के पंडाल में विराजमान भगवान गणपति की पूजा-अर्चना वाराणसी के प्रख्यात आचार्य राजीव नयन उपाध्याय ने की। इसके बाद गणपति की भव्य प्रतिमा को वाहन पर सवार कर विसर्जन के लिए हजारों लोगों ने गाड़ियों के काफिले के साथ यात्रा शुरू की। पूरे रास्ते गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाते हुए, अबीर, गुलाल से सराबोर लोग विघ्नहर्ता की भक्ति में डूबे हुए थे। रास्ते में सभी बाजारों व चौराहों पर लोगों ने गणपति के दर्शन किये और खील एवं लड्डू का प्रसाद ग्रहण किये। यह शोभा यात्रा बीबीडी कैम्पस से शुरू होकर मटियारी चौराहा, चिनहट तिराहा, पॉलीटेक्निक चौराहा, निशातगंज, हनुमान सेतु होते हुए झूलेलाल पार्क स्थित गोमती नदी में प्रतिमा का विसर्जन किया। इस गणेश विसर्जन में बीबीडीयू की चांसलर श्रीमती अलका दास गुप्ता, प्रो चांसलर विराज सागर दास, वाइस प्रेसिडेंट श्रीमती देवांशी दास एवं सुश्री सोनाक्षी दास, बीबीडी एजुकेशनल ग्रुप के मुख्य अधिशाषी निदेशक आरके अग्रवाल सहित शहर के तमाम गणमान्य लोग सम्मिलित रहे।

सीएम आज 818 अभ्यर्थियों को देंगे नौकरी की सौगात

एक्सरे-टेक्नीशियन के 357 और होम्योपैथिक समेत विभिन्न पदों पर 404 अभ्यर्थियों को मिलेगा नियुक्ति पत्र

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार और सरकारी सेवाओं से जोड़ने की दिशा में शनिवार को एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शानिवार को लोकभवन सभागार में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों में चयनित 21 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे जबकि शेष 797 अभ्यर्थियों को विभाग द्वारा नियुक्ति पत्र दिया जाएगा, कुल 818 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा।

19 सितंबर को आयोजित होने वाले नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश उद्योग निदेशालय, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं एवं आयुष विभाग से जुड़े विभागों के अभ्यर्थी शामिल होंगे।

नियुक्ति पत्र पाने वाले अभ्यर्थियों में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के तहत विभिन्न ट्रेडों के अनुदेशक भी शामिल हैं। इस श्रेणी में कुल 48 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इनमें मैकेनिक (ट्रैक्टर), पेंटर (सामान्य), सर्वेयर, मैकेनिकल मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, लेदर गुड्स मेकर, वायरमैन और प्लंबर जैसे पद शामिल हैं। प्लंबर के पद पर चयनित अभ्यर्थियों की संख्या 31 है, जबकि मैकेनिक (ट्रैक्टर) के छह, वायरमैन के चार और पेंटर (सामान्य) के चार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। इसके अलावा सर्वेयर, मैकेनिकल मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, लेदर गुड्स मेकर के एक-एक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। इन नियुक्तियों से विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों में तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण से जुड़ी गतिविधियों को मजबूती मिलेगी।

वहीं अलग-अलग ट्रेडों में अनुदेशकों की नियुक्ति से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को संबंधित क्षेत्रों में बेहतर मार्गदर्शन मिलेगा।

कार्यक्रम में उद्योग विभाग के भी चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश उद्योग निदेशालय, कानपुर के तहत सहायक सांख्यिकीय अधिकारी के नौ पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इन सहायक सांख्यिकीय अधिकारियों की नियुक्ति से विभागीय स्तर पर आंकड़ों के संकलन, विश्लेषण और विभिन्न औद्योगिक गतिविधियों से संबंधित सांख्यिकीय कार्यों को गति मिलेगी। इसके साथ ही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के 357 एक्सरे-टेक्नीशियन के पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। इसके अलावा आयुष विभाग में होम्योपैथिक फार्मासिस्ट के 361, होम्योपैथिक प्रोफेसर के चार, आयुर्वेद प्रोफेसर के पांच, आयुर्वेद रीडर के 22, यूनानी प्रोफेसर के एक, यूनानी रीडर के एक और यूनानी लेक्चरर के 10 पदों पर चयनित कुल 404 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

दिव्यांगजनों को घर के नजदीक मिलेंगी सुविधाएं

- 10 अक्टूबर तक शिविर पूरा करने का लक्ष्य

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सहायक उपकरण योजना के तहत पात्र दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग और आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में दिव्यांग कल्याण शिविर लगाए जाएंगे, जिन्हें 10 अक्टूबर 2026 तक पूरा कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

योगी सरकार की इस पहल का उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिव्यांगजनों तक उनके निकटतम क्षेत्र में पहुंचाना है, ताकि उन्हें आवश्यक सुविधाओं के लिए सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। शिविरों के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को एक ही स्थान पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी, आवेदन, पात्रता सत्यापन और लाभ उपलब्ध कराने की सुविधा मिलेगी। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से आयोजित होने वाले इन शिविरों में पात्र दिव्यांगजनों का चिन्हांकन और पंजीकरण किया जाएगा। सहायक उपकरणों के लिए आवेदन लेने के साथ आवश्यक अभिलेखों एवं पात्रता का सत्यापन भी होगा। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पात्र लाभार्थियों को कृत्रिम अंग और उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा विभिन्न विभागों की दिव्यांगजन हितैषी योजनाओं की जानकारी भी एक ही स्थान पर दी जाएगी। जरूरत के अनुसार लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के साथ आवेदन प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। शासनादेश के अनुसार शिविरों के प्रभावी आयोजन के लिए जिला स्तर पर जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जाएगा। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से अधिकारियों को अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक शिविरों की सूचना पहुंचाने और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। लाभार्थियों को उनके नजदीकी क्षेत्र में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने से सरकारी योजनाओं तक उनकी पहुंच आसान होगी। यह अभियान ह्यसरकार की योजनाओं का लाभ लाभार्थी के द्वार तकह्ल पहुंचाने के संकल्प को आगे बढ़ाने के साथ दिव्यांगजनों के सम्मानजनक और सुगम जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

भारतीय राष्ट्रीय लोकतांत्रिक जनता पार्टी ने घोषित की प्रदेश कमेटी

विशेष संवाददाता (vol)

- आदित्य विक्रम सिंह ने प्रदेश कार्यकारिणी में 51 पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी
- राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय से विचार-विमर्श के बाद जारी हुई कमेटी

लखनऊ। भारतीय राष्ट्रीय लोकतांत्रिक जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य विक्रम सिंह ने अपनी प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय से विचार-विमर्श के बाद जारी प्रदेश कमेटी में कुल 51 पदाधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जारी कमेटी में जितेंद्र राय, रजनीश चौहान, राज प्रताप त्रिपाठी, रवि कांत मिश्रा, सुनील त्यागी, एहसान सिद्दीकी, अल्पना देवी, राजकुमार उपाध्याय और संजय मौर्य को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, प्रदेश संगठन को मजबूती देने के लिए राम रतन सिंह बौद्ध, अयूब, अनिल त्रिपाठी, सुरेश प्रसाद शाही, मो. मैनुद्दीन, सत्यव्रत शुक्ला, सुरेंद्र सिंह, आशीष चतुर्वेदी, देवेंद्र नाथ राय, राजेश गोयल, निवास राय, लक्ष्मीनायक, पूनम तोमर, सुनील शुक्ला, विनोद यादव और अनुज त्यागी को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। प्रदेश कार्यकारिणी में विभिन्न नेताओं को प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। इसके साथ ही जयप्रकाश जयसवाल को कोषाध्यक्ष, राज कुमार शुक्ला को मीडिया प्रभारी तथा किशन राय को आईटी सेल की जिम्मेदारी दी गई है।

पार्टी के विभिन्न मोर्चों में रोशन सिंह तोमर को युवा जनता मोर्चा, डॉ. गरम मिश्रा को महिला जनता मोर्चा, कन्हैया लाल गौतम को अनुसूचित जनता मोर्चा, मो. हसीब अहमद निजामी को अल्पसंख्यक जनता मोर्चा तथा करुणेश राय को किसान जनता मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य विक्रम सिंह की ओर से जारी इस प्रदेश कार्यकारिणी में कुल 51 पदाधिकारियों को संगठनात्मक जिम्मेदारियां दी गई हैं। पार्टी ने हाल में उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार और मंडल स्तर पर कार्यकर्ता सम्मेलनों की योजना की बात भी सार्वजनिक रूप से कही है।

26 लाख बेटियों को एचपीवी टीकाकरण का शत प्रतिशत लक्ष्य पूरा

सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में ऐतिहासिक पहल

विशेष संवाददाता (vol)

- बेटियों के स्वस्थ भविष्य के लिए प्रदेश सरकार का संकल्प

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने अपनी बेटियों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। ह्यूमन पैपिलोमावायरस टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 26 लाख से अधिक बालिकाओं को सुरक्षा कवच प्रदान करते हुए शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया है। यह उपलब्धि प्रदेश में किशोरियों के सुरक्षित कल स्वास्थ्य संरक्षण और सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत 14 वर्ष की पात्र बालिकाओं को माता-पिता की सहमति से राजकीय स्वास्थ्य केंद्रों पर निःशुल्क एकल-खुराक एचपीवी वैक्सीन उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अंतर्गत प्रत्येक उस बालिका को यह जीवनरक्षक वैक्सीन निःशुल्क लगाई जा रही है, जिसका 14वाँ जन्मदिन पूर्ण हो चुका है] परन्तु 15वाँ जन्मदिन अभी नहीं आया है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार यह आयु वर्ग वैक्सीन के प्रभाव की दृष्टि से सर्वाधिक उपयुक्त माना जाता है, जिससे भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, डा. पिंकी जोवल ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपने चिन्हित लक्षित समूह में 100 प्रतिशत कवरेज प्राप्त करने वाले राज्यों में शामिल है। 26 लाख से अधिक बेटियों को एचपीवी टीके का सुरक्षा कवच मिलना हमारे लिए केवल एक उपलब्धि या आंकड़ा नहीं है, बल्कि लाखों परिवारों की उम्मीदों और हमारी बेटियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा भावनात्मक क्षण है। एक बेटी के स्वस्थ रहने का अर्थ केवल एक परिवार का स्वस्थ रहना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का मजबूत और सुरक्षित होना है। हम चाहते हैं कि हमारी हर बेटी अपने सपनों को पूरा करने के लिए पूरी तरह स्वस्थ और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े। सर्वाइकल कैंसर जैसी बीमारी से बचाव के लिए समय पर किया गया। एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है। किशोरावस्था में एचपीवी टीकाकरण भविष्य में एचपीवी संक्रमण तथा उससे संबंधित कैंसर के जोखिम को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण निवारक उपाय है।

फास्ट फूड की रसोई में फंगस, चूहे और एक्सपायर्ड नॉनवेज!

लखनऊ, नोएडा और गोरखपुर में 233 प्रतिष्ठानों की जांच, 163 सुधार नोटिस जारी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार की प्राथमिकता के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने फास्ट फूड चेन, रेस्टोरेंट और खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ व्यापक निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्रवाई की। लखनऊ, नोएडा और गोरखपुर में कुल 152 टीमों ने 233 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सामने आई कमियों पर 163 सुधार नोटिस जारी किए गए, जबकि गंभीर अनियमितताओं वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ लाइसेंस निलंबित करते हुए खाद्य प्रतिष्ठान को बंद कराया गया।

लखनऊ में 78 फूड कोर्ट व फास्ट फूड प्रतिष्ठानों की जांच

लखनऊ में 52 टीमों ने 78 फूड कोर्ट और फास्ट फूड प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। यहां 42 सुधार नोटिस जारी किए गए। विभागीय जांच में कई स्थानों पर खाद्य पदार्थों के रखरखाव, स्वच्छता, कच्चे और पके भोजन के अलग-अलग भंडारण तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन में कमियां सामने आईं। निरीक्षण के दौरान सबवे, शालीमार गेटवे, आलमबाग में पर्याप्त ड्रेनेज व्यवस्था और हाइजीन/सैनेटरी कंडीशंस संतोषजनक नहीं पाई गईं। परिसर में दूषित तथा खाद्य पदार्थों के की स्थिति सामने आने पर प्रतिष्ठान का खाद्य कारोबार बंद कराया गया। गोली वड़ा पाव, आर्क बलेनो में रोजेट की उपस्थिति, अस्वच्छ परिस्थितियां तथा दीवारों और खाद्य पदार्थों में फंगस पाए जाने पर प्रतिष्ठान को बंद कराए जाने की संस्तुति की गई। वहीं बीकानेरवाला, फन मॉल में खाद्य पदार्थों में फंगस, परिसर में रोजेट, दुर्गंध, ग्रेवी कॉन्टेमिनेशन और वाटर लॉगिंग जैसी गंभीर कमियां मिलीं। इसके चलते प्रतिष्ठान बंद कराया गया तथा उसकी अनुज्ञप्ति निलंबित की गई।

नोएडा में रसोई की बदहाली उजागर, 71 प्रतिष्ठानों की हुई जांच

नोएडा में 57 टीमों ने 71 प्रतिष्ठानों की जांच की और 42 सुधार नोटिस जारी किए। कई प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा से जुड़ी गंभीर कमियां पाई गईं। विभाग के अनुसार, कुछ रसोइयों में फंगस, चूहों की मौजूदगी, गंदगी, एक्सपायर्ड नॉनवेज और अस्वच्छ परिस्थितियां सामने आईं। जांच में मोती महल डिलक्स, निहाऊ, पंजाबी ढाबा-61, कैसल बारबेक्यू, रोड हाउस, पैडी हॉस्पिटैलिटी/रोलिंग फ्रेश, द येलो चिली, मिनिस्ट्री ऑफ दारू, टेस्ट ऑफ दिल्ली एवं जायका, ईट क्लब, एब्सोल्यूट बारबेक्यूज, कार्निवल फूड डिलाइट तथा येलो चिली रेस्टोरेंट समेत 13 प्रतिष्ठानों के खिलाफ लाइसेंस निलंबन की प्रक्रिया शुरू की गई है। इन प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों के गलत तापमान पर रखे जाने, कच्चे और पके भोजन के साथ-साथ रखे जाने, गंदे बर्तन, अस्वच्छ रसोई, कीट नियंत्रण की कमी, एक्सपायर्ड सामग्री और खाद्य पदार्थों के अनुचित भंडारण जैसी कमियां दर्ज की गईं।

गोरखपुर में 84 प्रतिष्ठानों पर जांच

गोरखपुर में 43 टीमों ने 84 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। यहां 79 सुधार नोटिस जारी किए गए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों को सुधार के लिए समय दिया जाएगा। निर्धारित अवधि में कमियां दूर नहीं होने पर लाइसेंस निलंबन, निरस्तीकरण और अन्य विधिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने सभी खाद्य कारोबारियों को साफ-सफाई, सुरक्षित भंडारण, वैध लाइसेंस, गुणवत्तापूर्ण कच्चे माल और निर्धारित तापमान पर खाद्य पदार्थों के रखरखाव के निर्देश दिए हैं। विभाग ने कहा है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर यूपी में सेवा का महाअभियान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर के अवसर पर उत्तर प्रदेश में सेवा दिवस के तहत प्रदेशव्यापी कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदेश के सभी 75 जिलों में रक्तदान शिविर, अस्पतालों में मरीजों को फल वितरण और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को टूल किट वितरण किया गया। वहीं आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के तहत प्रदेशभर में 5.90 करोड़ दीप प्रज्ज्वलित किए गए।

प्रदेश में आयोजित 354 रक्तदान शिविरों में 8,323 लोगों ने रक्तदान किया। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 12,271 लाभार्थियों को टूल किट वितरित की गईं, जबकि विभिन्न जिलों के अस्पतालों में भर्ती 73,959 मरीजों को फल बांटे गए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग इन कार्यक्रमों के नोडल विभाग रहे ह्यआशीर्वाद का दीयाह्ल कार्यक्रम के तहत सभी 75 जिलों में कुल 5 करोड़ 90 लाख दीप जलाए गए। लखनऊ में 21,23,900, सीतापुर में 21,43,140, आजमगढ़ में 15,70,120, गोरखपुर में 14,21,112, आगरा में 13,32,200, झांसी में 11,21,410, कानपुर देहात में 11,28,038 और रामपुर में 10,94,354 दीप प्रज्ज्वलित किए गए। गाजियाबाद में 39 रक्तदान शिविरों में 1,572 लोगों ने रक्तदान किया। गौतमबुद्ध नगर में 21 शिविरों में 246, कानपुर शहर में 23 शिविरों में 452, वाराणसी में 20 शिविरों में 510, लखनऊ में 20 शिविरों में 263 और जौनपुर में 13 शिविरों में 299 लोगों ने रक्तदान किया। फल वितरण में बहराइच में 4,740 मरीजों, बस्ती में 3,681, मीरजापुर में 3,273, आगरा में 3,198, फिरोजाबाद में 2,706, सुल्तानपुर में 2,593, गोंडा में 2,163 और कानपुर शहर में 2,286 मरीजों को फल वितरित किए गए। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत संतकबीरनगर में 725, अंबेडकरनगर में 725, मेरठ में 575, मैनपुरी में 550, फिरोजाबाद में 525, मुरादाबाद में 400, हमीरपुर में 400 और उन्नाव में 400 लाभार्थियों को टूल किट वितरित की गईं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से रक्तदान, मरीजों की सेवा और पारंपरिक कारीगरों को सहायता उपलब्ध कराने के साथ सेवा दिवस मनाया गया।

सारथी दीदी से महिलाओं का सफर होगा सुरक्षित

विशेष संवाददाता (vol)

- शहरों से गांवों तक पहुंचेगी कैब सेवा
- ई-रिक्शा, दोपहिया और कैब चलाने का प्रशिक्षण पाएंगी महिलाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में महिलाओं के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन व्यवस्था विकसित करने की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रस्तावित सारथी दीदी सेवा के तहत महिला यात्रियों को महिला चालकों का विकल्प देने के साथ यात्रा के दौरान सुरक्षा की निगरानी का तंत्र विकसित किया जाएगा। व्यवस्था में आपात स्थिति के लिए एसओएस सुविधा, 24 घंटे मॉनिटरिंग और पुलिस के साथ समन्वय का प्रावधान किए जाने की तैयारी है।

प्रस्तावित व्यवस्था को भारत टैक्सी मॉडल के माध्यम से शहरों से ग्रामीण क्षेत्रों तक विस्तार देने की योजना है। इसके लिए प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को जोड़कर ग्रामीण स्तर पर राइड-हेलिंग और डिलीवरी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा।

सारथी दीदी सेवा में महिला यात्रियों की सुरक्षा को प्रमुखता दी जाएगी। यात्रा के दौरान आपात स्थिति में एसओएस बटन के माध्यम से सहायता लेने की सुविधा प्रस्तावित है। इसके साथ लाइव लोकेशन ट्रैकिंग, 24७७ मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम और पुलिस सहायता के लिए समन्वय तंत्र विकसित किया जाएगा। इस व्यवस्था से खासतौर पर उन महिलाओं और छात्राओं को सुविधा मिलने की उम्मीद है, जिन्हें पढ़ाई, नौकरी या अन्य आवश्यकताओं के लिए नियमित रूप से अकेले यात्रा करनी पड़ती है। योजना का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष महिलाओं को परिवहन क्षेत्र में रोजगार से जोड़ना है। इसके तहत महिलाओं को ई-रिक्शा, दोपहिया और कैब चलाने का विशेष प्रशिक्षण दिए जाने की तैयारी है। प्रशिक्षण के बाद महिलाएं परिवहन सेवा में चालक के रूप में अपनी सेवाएं दे सकेंगी। इससे महिला यात्रियों को महिला चालक का विकल्प उपलब्ध कराने के साथ महिलाओं के लिए आय और रोजगार का नया क्षेत्र विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। भारत टैक्सी मॉडल को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए पैक्स नेटवर्क का इस्तेमाल करने की योजना है। इसके तहत गांवों में राइड-हेलिंग और डिलीवरी सेवाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। डिजिटल माध्यम से स्थानीय स्तर पर वाहन बुकिंग की सुविधा विकसित होने पर ग्रामीण क्षेत्रों से बाजार, अस्पताल, बस अड्डे, रेलवे स्टेशन और नजदीकी शहरों तक आवागमन आसान हो सकता है। पैक्स का उपयोग अब तक मुख्य रूप से ग्रामीण ऋण और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में होता रहा है। राइड-हेलिंग और डिलीवरी सेवाओं से इन्हें जोड़ने की योजना के तहत सहकारी ढांचे का इस्तेमाल ग्रामीण परिवहन और डिजिटल सेवाओं के लिए भी किया जा सकेगा। सारथी दीदी के प्रस्तावित मॉडल में महिला यात्री और महिला चालक दोनों को केंद्र में रखा गया है। एक ओर महिला यात्रियों को महिला चालक और आपातकालीन सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी है, वहीं दूसरी ओर प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को परिवहन क्षेत्र में रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य है। इसके साथ ही पैक्स के नेटवर्क के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन और डिलीवरी सेवाओं के विस्तार की योजना है।

कई जिलों के नेताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के समक्ष विभिन्न जिलों के दर्जनों लोगों ने अपने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उप्र कांग्रेस कमेटी के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा ने सदस्यता ग्रहण करने वालों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलायी। कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वालों में मुख्य रूप से हरदोई के गुड्डू, भदोही के शमसुददुआ, बहराइच के शेरे रजा एवं इमरान, बरेली के शोएब रजा, युसुफ, जालौन के शावान, नईम एडवोकेट, तौसीफ खां ने अपने समर्थकों सहित पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आज देश और प्रदेश में भाजपा की जनविरोधी नीतियों से हर वर्ग परेशान है। उन्होने कहा कि योगी सरकार जनविरोधी सरकार है इनका जन सरोकारों से कोई मतलब नहीं है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

रालोद के संगठन को सशक्त बनाने के लिए नयी जिम्मेदारियां

लखनऊ। रालोद संगठन को अधिक सशक्त, व्यापक और सक्रिय बनाने के क्रम में पार्टी द्वारा विभिन्न पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस क्रम में सैयद नासिर शाह को उत्तराखंड अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष, डॉ. नवीन बालियान को हस्तिनापुर क्षेत्र का क्षेत्रीय सचिव तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सीबी गुप्ता के पौत्र रचित गुप्ता को प्रोफेशनल मंच की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य मनोनीत किया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी, प्रोफेशनल मंच के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. भीष्म सिंह, प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर युद्धवीर सिंह एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष एडवोकेट अरुण कुमार दहिया सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई जिम्मेदारियों के माध्यम से संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

मानस में पूरा इकोसिस्टम बचाने की मुहिम

टाइगर रिजर्व में दिखा वन्यजीव संरक्षण का जमीनी मॉडल

दुर्लभ बंगाल फ्लोरिकन से घासभूमि तक संरक्षण पर जोर

बक्सा से आशीष मौर्य

बक्सा (असम)। कल्पना कीजिए एक ऐसे जंगल की, जहां करीब दो हजार हाथी विचरण करते हों, 40-50 गैंडे खुले प्राकृतिक आवास में हों और 63 बाघों की मौजूदगी जंगल की जैव विविधता की कहानी कहती हो। लेकिन मानस राष्ट्रीय उद्यान की असली कहानी सिर्फ इन आंकड़ों में नहीं है। यहां वन्यजीवों को बचाने के साथ उस पूरे प्राकृतिक संसार को सुरक्षित रखने की कोशिश हो रही है, जिस पर इनकी जिंदगी निर्भर है। हाथी और गैंडे हों या दुर्लभ बंगाल फ्लोरिकन, इनके लिए जंगल, घासभूमि, पानी और भोजन—सबका संतुलन बनाए रखना संरक्षण का अहम हिस्सा है। इसी सोच के साथ मानस में घासभूमि को पुनर्जीवित करने, आक्रामक वनस्पतियों को हटाने और अलग-अलग प्रजातियों के प्राकृतिक आवास को मजबूत करने पर काम हो रहा है। पीआईबी, लखनऊ के नेतृत्व में असम के दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने मानस राष्ट्रीय उद्यान में संरक्षण की इन गतिविधियों को करीब से देखा। वन अधिकारियों ने बताया कि यहां संरक्षण का फोकस किसी एक प्रजाति तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर है।

जंगल की थाली बचाने के लिए 16 प्रजातियों की घास

मानस में 16 प्रजातियों की विशेष घास की नर्सरी तैयार की जा रही है। नर्सरी में अलग-अलग प्रजातियों के लिए प्लॉट बनाए गए हैं। तैयार होने के बाद इन घासों को पार्क के उन हिस्सों में लगाया जाता है, जहां घासभूमि के पुनर्जीवन की जरूरत होती है। इन घासों का सीधा संबंध हाथी, गैंडे और दूसरे शाकाहारी वन्यजीवों के भोजन से है। यानी जंगल में वन्यजीवों की संख्या के साथ उनकी थाली बचाने की भी तैयारी चल रही है। वन अधिकारियों के मुताबिक मानस में घासभूमि का क्षेत्र हर साल करीब 6.5 वर्ग किलोमीटर की दर से घट रहा है। आक्रामक वनस्पति प्रजातियों का फैलाव भी घास के मैदानों के लिए चुनौती बना हुआ है। इन्हें हटाने के लिए यांत्रिक तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं कैंपा योजनाओं के तहत घासभूमि के पुनर्जीवन का काम भी किया जा रहा है।

यूपी के दुधवा में बंगाल फ्लोरिकन को बसाने की मुहिम

मानस की जैव विविधता सिर्फ बड़े वन्यजीवों तक सीमित नहीं है। दुर्लभ बंगाल फ्लोरिकन भी यहां के महत्वपूर्ण वन्यजीवों में शामिल है। वन अधिकारियों के मुताबिक इसके संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बंगाल फ्लोरिकन के संरक्षण के लिए मानस से उत्तर प्रदेश के दुधवा नेशनल पार्क में इसे बसाने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। इससे संरक्षण की उस सोच का पता चलता है, जिसमें बड़े वन्यजीवों के साथ छोटी और दुर्लभ प्रजातियों के आवास को भी महत्व दिया जा रहा है।

मानस नदी से लेकर भूटान तक फैला प्राकृतिक संसार

मानस राष्ट्रीय उद्यान का नाम इसके बीच से बहने वाली मानस नदी के नाम पर पड़ा है। बेकी और हकुआ यहां की अन्य महत्वपूर्ण नदियां हैं। नदियां, जंगल और घासभूमि मिलकर मानस के समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं। पार्क की भौगोलिक स्थिति भी इसे खास बनाती है। मानस भूटान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है और भूटान के रॉयल मानस नेशनल पार्क से सटा हुआ है। सीमा के दोनों ओर फैला प्राकृतिक वातावरण वन्यजीवों के लिए एक बड़े साझा पारिस्थितिकी क्षेत्र की तस्वीर पेश करता है। मानस नाम को लेकर मान्यता है कि इसका संबंध हिंदू नाग देवी मनसा से है। प्राकृतिक संपदा और सांस्कृतिक मान्यताओं का यह मेल भी मानस को विशिष्ट पहचान देता है।

संरक्षण की कमान में महिला वनकर्मी भी

मानस के भ्रमण के दौरान असम फॉरेस्ट प्रोटेक्शन फोर्स की महिला सिपाहियों की सक्रिय भूमिका भी देखने को मिली। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधिमंडल को घास की नर्सरी में तैयार किए गए अलग-अलग प्लॉट, उनकी देखरेख और जंगल में उनके इस्तेमाल की प्रक्रिया समझाई। नर्सरी से लेकर घासभूमि पुनर्जीवन और दुर्लभ प्रजातियों के संरक्षण तक की गतिविधियां एक ही बात की ओर इशारा करती हैं वन्यजीवों को बचाने के लिए सिर्फ जानवरों की निगरानी काफी नहीं। उनके भोजन, पानी, आवास और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को बचाना भी उतना ही जरूरी है।

छह जिलों के 13 गांव चकबंदी प्रक्रिया से किया गया अलग

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में लंबित चकबंदी प्रक्रिया को जल्द पूरा कराने की कार्रवाई तेज कर दी गई है। इसका उद्देश्य किसानों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ उनकी जमीन से जुड़े मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना है। चकबंदी आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद के निर्देश पर छह जिलों के 13 गांवों को जोत चकबंदी अधिनियम की धारा-6(1) के तहत चकबंदी प्रक्रिया से अलग किया गया है। इनमें मैनपुरी का भांती गांव 35 वर्षों से चकबंदी प्रक्रिया में था। बदायूं का सिरतौल गांव 14 वर्ष, उन्नाव के दरौली, पीखी, सर्लीद और निहालपुर व लखनऊ के शिवपुरी गांव 12 वर्ष से प्रक्रिया में थे। बरेली का कादरगंज 10 वर्ष से चकबंदी प्रक्रिया में लंबित था। इसके अलावा बिजनौर के हसनअलीपुर व बैबलवाला और बदायूं के बक्सेना व इमलिया गांवों को भी प्रक्रिया से अलग किया गया है। इन गांवों में चकबंदी प्रक्रिया आगे बढ़ने में विभिन्न कारणों से दिक्कत आ रही थी। इनमें गांवों का विकास योजना में आना, नदी के कटान से प्रभावित होना, चकबंदी योग्य क्षेत्रफल 40 प्रतिशत से कम होना, औद्योगिक विकास क्षेत्र में शामिल होना जैसे अन्य कारण शामिल हैं। वहीं, मुजफ्फरनगर के पीपलशाह गांव में 16 वर्षों से लंबित चकबंदी प्रक्रिया को काफी प्रयासों के बाद जोत चकबंदी अधिनियम की धारा-52(1) के तहत पूरा कर लिया गया है। इससे लंबे समय से लंबित मामलों के निस्तारण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

भरवारा आरओबी परियोजना की हाईकोर्ट करेगा निगरानी

विधि संवाददाता

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित भरवारा रेलवे क्रासिंग-186 पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण की प्रगति पर अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ नजर रखेगी। कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को परियोजना के लिए चल रही भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया की स्थिति और प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

मामले की अगली सुनवाई नवंबर 2026 के दूसरे सप्ताह में होगी। न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की पीठ ने स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका इन रि: कंस्ट्रक्शन ऑफ रेलवे ओवर ब्रिज भरवारा क्रासिंग 186 बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य में यह आदेश दिया। कोर्ट ने सभी संबंधित विभागों को भूमि अधिग्रहण की मौजूदा स्थिति, अब तक हुई कार्रवाई और आगे की प्रगति का विस्तृत ब्योरा रिपोर्ट के माध्यम से पेश करने को कहा है। मामले में लंबे समय से चल रही न्यायिक कार्यवाही के दौरान भूमि अधिग्रहण, मुआवजे और आरओबी के निर्माण स्थल को लेकर विवाद सामने

• भूमि अधिग्रहण पर मांगी रिपोर्ट

आया था। संबंधित याचिकाओं का निस्तारण करते हुए हाईकोर्ट ने अधिकारियों को कानून के अनुसार छह महीने के भीतर भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही हर हाल में पूरी करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने पूर्व में यह भी स्पष्ट किया था कि अधिग्रहण से प्रभावित मकान और दुकानों के मालिकों को उचित मुआवजा तथा भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत उपलब्ध सभी वैधानिक सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। आरओबी के लिए प्रस्तावित वैकल्पिक स्थल को लेकर उठाई गई आपत्तियों पर भी कोर्ट ने विचार किया था। कोर्ट ने कहा था कि सामाजिक प्रभाव आकलन (सोशल इंपैक्ट असेसमेंट) रिपोर्ट में सुझाए गए वैकल्पिक स्थल पर सक्षम अधिकारियों द्वारा पहले ही विचार किया जा चुका है। इसके बाद 2013 के अधिनियम की धारा 8(2) के तहत प्रस्तावित स्थल पर आरओबी बनाने का निर्णय लिया गया था। स्वतः संज्ञान वाली जनहित याचिका में रेल मंत्रालय, प्रदेश के लोक निर्माण विभाग और राजस्व विभाग, लखनऊ जिला प्रशासन, पुलिस कमिश्नरेट, यूपी स्टेट ब्रिज कारपोरेशन, लखनऊ विकास प्राधिकरण और नगर निगम लखनऊ को पक्षकार बनाया गया है।

आरओबी परियोजना पिछले कई वर्षों से न्यायिक प्रक्रिया में उलझी हुई है। पूर्व की सुनवाई में अधिकारियों ने कोर्ट को बताया था कि भूमि के सर्वेक्षण में आ रही दिक्कतों के कारण परियोजना क्षेत्र में आने वाले मकानों और दुकानों के लिए देय मुआवजे का निर्धारण नहीं हो पा रहा था। अब हाईकोर्ट की निगरानी में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी और अगली सुनवाई में संबंधित विभागों को इसकी प्रगति से कोर्ट को अवगत कराना होगा।

पार्किंग शुल्क में भारी अंतर पर हाईकोर्ट ने एलडीए से मांगा जवाब

लखनऊ। राजधानी में दोपहिया वाहनों की पार्किंग के लिए अलग-अलग स्थानों पर तय शुल्क में भारी अंतर को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एलडीए से जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि पार्किंग शुल्क, खासकर मासिक शुल्क तय करने का एलडीए का क्या मानदंड है। न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए एलडीए को प्रति शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिका में कहा गया है कि मेट्रो स्टेशन के पास एलडीए की ओर से उपलब्ध कराई गई पार्किंग में दोपहिया वाहन के लिए मासिक शुल्क 250 रुपये लिया जा रहा है। वहीं फीनिक्स मॉल में समान पार्किंग के लिए यह शुल्क 300 रुपये प्रतिमाह है। इसके विपरीत याचिका में संबंधित पार्किंग स्थल का मासिक शुल्क 1200 रुपये निर्धारित किए जाने को अत्यधिक बताया गया है। याची की ओर से इस अंतर पर सवाल उठाते हुए कहा गया कि लखनऊ शहर के भीतर समान प्रकार की पार्किंग के लिए शुल्क में इतना बड़ा अंतर रखने का कोई तर्कसंगत आधार नहीं है। पीठ ने एलडीए से यह स्पष्ट करने को कहा है कि पार्किंग की दर निर्धारित करते समय किन मानकों और आधारों को अपनाया जाता है। कोर्ट ने विशेष रूप से मासिक पार्किंग शुल्क तय करने की प्रक्रिया और उसके औचित्य पर जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 26 अक्टूबर को होगी।

गैंग चार्ट पर एसपी-डीएम के विवेक न लगाने पर हाईकोर्ट नाराज

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर फिर से गंभीर टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि यह दुखद स्थिति है कि एसपी और जिलाधिकारी स्तर के उच्च अधिकारी संवैधानिक न्यायालयों के बार-बार दिए गए फैसलों में कही गई विवेक के इस्तेमाल और निष्पक्षता की बात से अनभिज्ञ हैं। कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को संवैधानिक न्यायालयों के निर्णयों का पालन करने और राज्य की कार्रवाई में निष्पक्षता बरतने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति मनीष माथुर ने यह टिप्पणी बब्बू शाह की ओर से दाखिल एक याचिका पर की। याचिका में बब्बू शाह के खिलाफ बहराइच के पयागपुर थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे की कार्यवाही को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने पाया कि गैंग चार्ट को मंजूरी देते समय न तो पुलिस अधीक्षक और न ही जिलाधिकारी ने याची के आपराधिक इतिहास पर विचार करने, कारण दर्ज करने या आपस में विचार-विमर्श करने का कोई उल्लेख किया। एसपी ने 11 नवंबर 2021 और जिलाधिकारी ने 15 नवंबर 2021 को अलग-अलग गैंग चार्ट को मंजूरी दी थी। कोर्ट ने कहा कि इस बात का स्पष्ट संकेत है कि दोनों अधिकारियों के बीच आवश्यक विचार-विमर्श नहीं हुआ। कोर्ट ने कहा कि गैंग चार्ट तैयार करना महज औपचारिक प्रक्रिया नहीं है। आपराधिक परिणामों को देखते हुए आरोपी के आपराधिक इतिहास का समुचित परीक्षण और जिलाधिकारी के साथ विचार-विमर्श आवश्यक है।

हाईकोर्ट ने एफआईआर में हस्तक्षेप से किया इनकार

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट की अयोध्या स्थित जमीनों के संबंध में की गई कथित धोखाधड़ी मामले में दर्ज एफआईआर में हस्तक्षेप से इंकार कर दिया है। मामले में 42 वर्ष पूर्व स्वयं को एकमात्र वारिस बताकर मुख्तार नामा करने वाले गोपाल मिश्रा पर कूटरचना के आरोप हैं जबकि अयोध्या के पूर्व मेयर ऋषिकेश उपाध्याय पर भी मिलीभगत कर दान विलेख के जरिए संपत्ति प्राप्त करने का आरोप है। न्यायालय ने मामले में एफआईआर को चुनौती देने वाली याचिका को प्रारम्भिक स्तर पर ही निस्तारित कर दिया तथा कहा कि याची चाहे तो अग्रिम जमानत के लिए आवेदन कर सकता है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान व न्यायमूर्ति आरएमएन मिश्रा की पीठ ने गोपाल मिश्रा की याचिका पर पारित किया। याचिका में संबंधित विवाद को मात्र सिविल विवाद मानते हुए, गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की गई थी। वहीं याचिका का विरोध करते हुए, ट्रस्ट के अधिवक्ता चन्दन श्रीवास्तव ने दलील दी कि वर्तमान विवाद के तथ्यों के तहत सिविल के साथ-साथ आपराधिक मामला भी बनता है। अयोध्या कोतवाली में 5 अगस्त को ट्रस्ट के प्रतिनिधि द्वारा दर्ज करायी गई एफआईआर के अनुसार मौझा बरहटा स्थित जमीन का बैनामा याची ने वर्ष 1984 के मुख्तारनामा के जरिए स्वयं को अपने पिता का एकमात्र वारिस बताकर किया था लेकिन अब उसी जमीन पर मंगला मिश्रा नाम के व्यक्ति ने भी स्वयं को याची का सगा भाई बताते हुए, आधे हिस्से पर दावा किया है तथा अब याची ने उक्त मंगला मिश्रा के दावे का समर्थन शपथ पत्र के जरिए किया है।

गमगीन माहौल में प्रो. देवेंद्र प्रताप सिंह को अंतिम विदाई

संघ सरसंघचालक मोहन भागवत ने शोक संदेश में जताया शोक

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय और राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के पूर्व क्षेत्र संघचालक प्रो. देवेंद्र प्रताप सिंह का 17 सितंबर की शाम को निधन हो गया। शुक्रवार को भैंसाकुंड स्थित मोक्षधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। गमगीन माहौल में परिजनों, शिक्षाविदों, जनप्रतिनिधियों, संघ पदाधिकारियों और शुभचिंतकों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। उनके पुत्र एवं डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने मुखाग्नि दी। उनकी पुत्री डॉ. मांडवी सिंह भी मौजूद रहीं।

प्रो. देवेंद्र प्रताप सिंह के निधन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, दत्तात्रेय समेत कई प्रमुख लोगों ने शोक जताया। ब्रह्म दत्त शर्मा, विद्या भारती से

यतीन्द्र ने भी घर पहुंच कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, अंडमान-निकोबार के उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा और विधायक राजेश्वर सिंह समेत कई लोगों ने प्रो. सिंह के निधन पर संवेदना व्यक्त की।

अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने वालों में क्षेत्र प्रचारक अनिल, मनोजकांत, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, सहकारिता राज्यमंत्री जेपीएस राठौर, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह, बीबीएयू के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी और कल्याण सिंह कैंसर संस्थान के निदेशक प्रो. एमएलबी भट्ट समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रो. देवेंद्र प्रताप सिंह ने लखनऊ विश्वविद्यालय, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय और राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। इससे पहले वह काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी संस्थान के माइनिंग विभाग में प्रोफेसर रहे।

शिक्षा और संघ के क्षेत्र में लंबे समय तक सक्रिय रहे प्रो. सिंह के निधन को शिक्षा जगत और संघ परिवार के लिए बड़ी क्षति बताया गया। संघ सरसंघचालक मोहन भागवत ने शोक संदेश में कहा कि प्रो. देवेंद्र प्रताप सिंह के निधन का समाचार मन में दुःख भर देने वाला है। उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रसंघचालक के रूप में लंबे समय तक उन्हें संघ का दायित्व निभाते हुए देखने का अवसर मिला।

संकुल संयोजक बने ओपी, सोशल मीडिया प्रभारी सुभाष यदुवंश

भाजपा प्रकोष्ठ संकुल संयोजक समेत 13 पदों पर नयी नियुक्ति

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने प्रदेश संगठन में प्रकोष्ठ, सोशल मीडिया से जुड़े पदों की घोषणा की है। संगठन की ओर से शुक्रवार को जारी सूची में कुल 13 पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। घोषणा के अनुसार ओम प्रकाश श्रीवास्तव को प्रकोष्ठ संकुल संयोजक बनाया है। वहीं संतराम यादव, डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी को प्रकोष्ठ संकुल सह-संयोजक बनाया गया है।

सुभाष यदुवंश को सोशल मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं गौरव वार्ष्णेय, विनीत मालवीय, अनुज चौधरी, मनोज मौर्य, निखिल सिन्हा और विवेक लवानिया को सोशल मीडिया सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। इसके अलावा जयंत शिवाच, वाईके शर्मा और अभिमन्यु सिंह को सोशल मीडिया सदस्य बनाया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के हस्ताक्षर से जारी

पदाधिकारी घोषणा में सभी नियुक्तियों का उल्लेख किया गया है।

बता दें कि इससे पहले प्रदेश चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने अपनी प्रदेश संगठन की नई टीम घोषित की थी। जिसमें 19 उपाध्यक्ष और 8 महामंत्री बनाए गए थे। संगठन में बड़े चेहरों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह, विधायक पूजा पाल, सुरेश राणा को प्रदेश उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई। यूपी भाजपा की 64 सदस्यीय सूची में 52 नेताओं को प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल किया गया है।

नई टीम में 19 प्रदेश उपाध्यक्ष, 19 प्रदेश मंत्री, 8 प्रदेश महामंत्री और 6 मोर्चा अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा 6 क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, 3 कार्यालय मंत्री और 3 अन्य पदाधिकारियों को भी जिम्मेदारी दी गई है।

संगठन में ओबीसी की संख्या बढ़ी : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह को मिलाकर अब 54 लोगों की टीम हो गई है। टीम में 13 महिलाएं हैं। ओबीसी की संख्या 16 से बढ़कर 25 हो गई है।

सामान्य वर्ग के 21 चेहरों को प्रदेश टीम में जगह मिली। ठाकुरों की संख्या सात से घटकर छह और ब्राह्मणों की संख्या आठ से घटकर सात हो गई है। इसके अलावा चार भूमिहार, तीन वैश्य और एक कायस्थ को जगह मिली है। अनुसूचित जाति (एससी) की बात करें तो सात लोगों को जगह दी गई है। वहीं, अनुसूचित जनजाति (एसटी) में सिर्फ इंजीनियर विद्याभूषण गोंड को जगह दी गयी है। और अब सोशल मीडिया और प्रकोष्ठ संकुल संयोजक और सह-संयोजक के पदों पर नयी तैनाती हुई है।

निःशुल्क बीएमडी जांच शिविर शुरू

लखनऊ। ग्लोबल पेन अवेयरनेस माह पर डा. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के पेन मेडिसिन ओपीडी में निःशुल्क बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) जांच शिविर का शुभारंभ निदेशक प्रो. सीएम सिंह ने किया। इस पहल का उद्देश्य क्रॉनिक पेन और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी उपेक्षित समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समय पर पहचान व उपचार को प्रोत्साहित करना है। भारतीय अध्ययनों में रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस का प्रसार लगभग 29% पाया गया है। पेन मेडिसिन यूनिट की इंचार्ज प्रो. शिवानी रस्तोगी ने कहा कि दर्द को उम्र बढ़ने का हिस्सा मानकर सहना उचित नहीं है। ऑस्टियोपोरोसिस चुपचाप बढ़ता है जब तक फ्रैक्चर न हो जाए। यह शिविर हड्डियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए है। इंडियन सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ पेन के मानद सचिव डा. अनुराग अग्रवाल ने कहा कि क्रॉनिक पेन एक बड़ा लेकिन अदृश्य स्वास्थ्य बोझ है। लाखों लोग दर्द सहते हैं जबकि विशेषज्ञ चिकित्सा उपलब्ध है।

न्यू जलपाईगुड़ी-गोमतीनगर के बीच चलेगी विशेष ट्रेन, 9-9 फेरे लगायेगी

लखनऊ। फेस्टिवल सीजन में उत्तर रेलवे न्यू जलपाईगुड़ी-गोमती नगर के बीच पूजा विशेष चलाएगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक समर्थ गुप्ता के अनुसार गाड़ी संख्या 05742 न्यू जलपाईगुड़ी-गोमती नगर चार अक्टूबर से 29 नवम्बर तक प्रत्येक रविवार को न्यू जलपाईगुड़ी से सुबह 08:30 बजे प्रस्थान कर सिलीगुड़ी, अररिया, कटिहार, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, छपरा, गोरखपुर, बस्ती होते हुए अयोध्या धाम जं. पर अगले दिन 05:30/05:35, बाराबंकी 08:05/08:10 तथा गोमतीनगर 09:10 बजे पहुंचेगी। वापसी में 05741 गोमतीनगर-न्यू जलपाईगुड़ी पांच अक्टूबर से 30 नवम्बर तक प्रत्येक सोमवार को गोमतीनगर से 12:20 बजे, बाराबंकी 13:20/13:25, अयोध्या धाम 17:35/17:40 होते हुए न्यू जलपाईगुड़ी जाएगी। दोनों तरफ 9-9 फेरे और 22 कोच होंगे।

राजभाषा सप्ताह के तहत 'पिया परदेशी' का मंचन

लखनऊ। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के निर्देशन में पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल पर शुक्रवार को राजभाषा सप्ताह का शुभारंभ हुआ। मंडल कार्यालय के बहुउद्देशीय हॉल में आयोजित कार्यक्रम 25 सितंबर तक चलेगा। कार्यक्रम में मंडल के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। अंत में रेल कर्मियों द्वारा 'पिया परदेशी' नाटक की प्रस्तुति की गई, जिसका निर्देशन पिया पुरवार ने किया। कलाकारों को पुरस्कृत भी किया गया। संचालन वरिष्ठ अनुवादक चंद्रशेखर ने और धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर मनीष गंगवार ने किया। अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) नीतू, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) भुवनेश सिंह ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्रीमती नीतू ने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी अपना कामकाज सतत रूप से हिंदी में करें। सप्ताह के दौरान हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, राजभाषा सामान्य ज्ञान, हिंदी निबंध और हिंदी वॉक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

केशव मौर्य ने कलराज मिश्र की धर्मपत्नी के निधन पर अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ/गौतम बुद्ध नगर। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को गौतम बुद्ध नगर में भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की धर्मपत्नी सत्यवती मिश्र के निधन के बाद उनके आवास पर पहुंचकर दिवंगत पुण्यात्मा के स्मृति-चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। इस दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

विवेकानन्द पालीक्लीनिक में 6 वर्षीय बालक की जटिल हृदय सर्जरी सफल

लखनऊ। विवेकानन्द पॉलीक्लिनिक एवं आयुर्विज्ञान संस्थान में छह वर्षीय बालक अर्श अली की जटिल हृदय शल्य चिकित्सा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बालक क्रॉनिक कंस्ट्रिक्टिव पेरिकार्डाइटिस से पीड़ित था। उसे पेट में पानी भरना, सांस लेने में कठिनाई, कमजोरी एवं अत्यधिक थकान की शिकायत थी। सीटी स्कैन में पेरिकार्डियम की अत्यधिक मोटाई पायी गयी। यह जानकारी शुक्रवार को संस्थान के सचिव स्वामी मुक्तिनाथानंद जी महाराज ने प्रेस वार्ता में साझा की।

उन्होंने बताया कि बालक आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से था तथा उसके पास आयुष्मान कार्ड था। शासन से आयुष्मान कार्ड की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद उसे संस्थान के कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी (सीवीटीएस) वार्ड में भर्ती किया गया। शल्य चिकित्सा से पूर्व बालक को चार दिनों तक चिकित्सकीय निगरानी में रखकर शरीर में जमा अतिरिक्त द्रव को

कम करने के लिए उपचार दिया गया। इसके पश्चात 16 सितम्बर को उसकी शल्य चिकित्सा की गयी। लगभग तीन घंटे तक चली इस जटिल शल्य चिकित्सा में सबटोटल पेरिकार्डिएक्टॉमी सफलतापूर्वक की गयी। यह सर्जरी शल्य चिकित्सा डॉ. अरविन्द कुमार वर्मा, डॉ. राजीव कुमार गुप्ता के सहयोग से सम्पन्न की गई। शल्य चिकित्सा के बाद निर्धारित वीनिंग प्रोटोकॉल के अनुसार बालक को तुरंत वेंटिलेटर से हटा दिया गया तथा उसकी स्थिति स्थिर रही। वर्तमान में बालक की स्थिति स्थिर है और वह चिकित्सकों की निगरानी में स्वस्थ हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस जटिल हृदय रोग का सफलतापूर्वक उपचार संस्थान में उपलब्ध विशेषज्ञ हृदय शल्य चिकित्सा सेवाओं को दर्शाता है।

आज से छात्र-छात्राओं के लिए खुलेगा टैगोर पुस्तकालय का वाचनालय कक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय के वाचनालय कक्ष को छात्र-छात्राओं एवं शोधार्थियों की सुविधा के लिए 19 सितम्बर से पुनः खोल दिया जायेगा। पीएम ऊषा के अंतर्गत चल रहे नवीनीकरण एवं अनुरक्षण कार्य के कारण वाचनालय कक्ष पिछले कई माह से बंद था, जिसके चलते विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को अध्ययन एवं पठन-पाठन में असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक आवश्यकताओं एवं उनकी सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने वाचनालय कक्ष के नवीनीकरण के कार्य को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कुलपति के निर्देशों के क्रम में कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाते हुए वाचनालय कक्ष को पुनः विद्यार्थियों के उपयोग के लिए तैयार किया गया है। नवीनीकरण एवं अनुरक्षण कार्य के अन्तर्गत टैगोर पुस्तकालय के वाचनालय कक्ष की दीवारों की सीलन को दूर करने के लिए वॉल टाइल्स एवं क्षतिग्रस्त फर्श के स्थान पर टाइल्स को लगाया गया है, खराब एवं बंद पड़ी मेजों की लाइटों तथा पंखों को दुरुस्त कराने के साथ-साथ आवश्यक रंगरोगन एवं अन्य कार्य कराये गये हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने से वाचनालय कक्ष अब विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए अधिक स्वच्छ, सुव्यवस्थित, सुविधाजनक एवं अध्ययन के अनुकूल वातावरण में उपलब्ध होगा। इस कार्य को निर्धारित समय से पूर्व, पूर्ण कराने में अवैतनिक पुस्तकालयाध्यक्ष, प्रो. रोली मिश्रा की निरंतर निगरानी एवं सक्रिय प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रो. रोली मिश्रा द्वारा अवकाश के दिनों में भी पुस्तकालय खुलवाकर नवीनीकरण एवं आवश्यक अनुरक्षण कार्यों को गति प्रदान की गयी, ताकि वाचनालय कक्ष को विद्यार्थियों के लिए यथाशीघ्र उपलब्ध कराया जा सके।

अखिलेश से मिले लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लोकदल अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने शुक्रवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान 2027 के विधानसभा चुनाव, किसान, गरीब, महंगाई, रोजगार और प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह ने बताया कि अखिलेश यादव ने उन्हें आश्वासन दिया कि लोकदल का पूरा सम्मान किया जाएगा और उसके हितों का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकदल किसानों और ग्रामीणों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाता रहा है और आगे भी किसानों के हितों की आवाज मजबूती से उठाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि 2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि देश की दिशा तय करने वाला चुनाव होगा। किसानों, गरीबों, युवाओं और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए विपक्षी दलों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सपा और लोकदल इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं और लोकतांत्रिक ताकतों को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश से भाजपा सरकार को हटाना और

• कहा, 2027 में अखिलेश यादव को बनाना है मुख्यमंत्री

जनता के मुद्दों को केंद्र में लाना जरूरी है।

लोकदल अध्यक्ष ने कहा कि सीटों के बंटवारे और लोकदल की 35 सीटों की मांग सहित अन्य राजनीतिक विषयों पर भी बातचीत आगे जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि गठबंधन में सम्मानजनक भागीदारी और किसानों तथा आम जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देना लोकदल की प्रमुख अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि 2027 में अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाना है, ताकि प्रदेश में किसानों, गरीबों, युवाओं और आम जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाया जा सके।

साहित्य और देशभक्ति के रंगों से सजा गोमती पुस्तक महोत्सव

गोमती संरक्षण, फौजी जीवन और स्वतंत्रता संग्राम पर हुए संवाद; बच्चों की रचनात्मक गतिविधियों ने भी बांधा समां

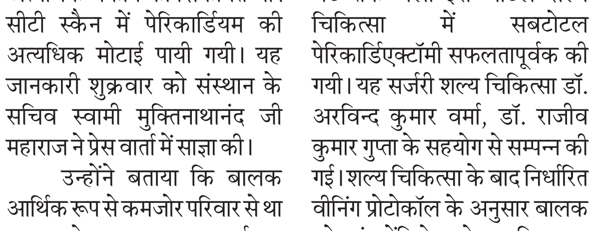

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। पांचवें गोमती पुस्तक महोत्सव के सातवें दिन साहित्य, पर्यावरण, इतिहास, अनुवाद, सैन्य जीवन और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। लखनऊ विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स ग्राउंड में हुए महोत्सव में मैं तुम्हारी गोमती हूँ, अनुवाद: संस्कृति के सेतु, कल्हण कृत राजतरंगिणी पर आधारित किशोर उपन्यास श्रृंखला जैसे सत्रों में विचार-विमर्श हुआ। वहीं, भारतेन्दु नाट्य अकादमी के कलाकारों ने काकोरी एक्शन नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के एक महत्वपूर्ण अध्याय को मंच पर जीवंत किया। चिल्ड्रन्स कॉर्नर में विभिन्न स्कूलों के करीब 1,000 विद्यार्थियों ने कहानी, कैलीग्राफी, कैरिकेचर और आर्ट एंड क्राफ्ट गतिविधियों में भाग लिया।

कहानी से कैरिकेचर तक, बच्चों ने दिखाई रचनात्मकता : दिन की शुरुआत बाल लेखिका एवं पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. अनीता भटनागर जैन के स्टोरीटेलिंग सत्र से हुई। कहानी के माध्यम से बच्चों को पर्यावरण और बढ़ते प्रदूषण के प्रति जागरूक किया गया। इसके बाद कहानी आधारित क्विज हुआ, जिसमें विजेताओं को किताबें दी गईं। कैलीग्राफी आर्टिस्ट आयशा इमरान ने बच्चों को सुंदर अक्षर लिखने की बुनियादी तकनीकें सिखाईं। कलाकार शुभम विश्वकर्मा ने कैरिकेचर वर्कशॉप में चेहरे की विशेषताओं को उभारकर चित्र बनाने का तरीका बताया, जिसमें बच्चों ने अपने दोस्तों के कैरिकेचर बनाए।

गोमती को बचाने के लिए नदी को जगह देना जरूरी : प्रो. वेंकटेश दत्ता

दोपहर के सत्र में ब्लू फाउंडेशन, लखनऊ की ओर से मैं तुम्हारी गोमती हूँ विषय पर संवाद हुआ। इसमें गोमती और उसकी सहायक नदियों के इतिहास, पर्यावरणीय महत्व और मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा की गई। ब्लू फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. मीनू खरे ने गोमती और उसकी सहायक नदियों की जानकारी साझा की और कविता के माध्यम से नदी से जुड़े भावनात्मक रिश्ते को सामने रखा।

अनुवाद भाषाओं के साथ संस्कृतियों को भी जोड़ता है

संस्कृति के सेतु विषय पर आयोजित संवाद का समन्वय पल्लवी विनोद ने किया। इसमें सूर्यकांत शर्मा, प्रितपाल कौर और स्मिता सिन्हा ने अनुवाद की भूमिका और चुनौतियों पर विचार साझा किए। पल्लवी विनोद ने कहा कि अनुवाद भाषाओं के साथ अलग-अलग संस्कृतियों और क्षेत्रों के लोगों को जोड़ता है और विश्व साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियों को व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंचाने में मदद करता है। सूर्यकांत शर्मा ने अनुवाद की तुलना नदी पर बने पुल से करते हुए कहा कि मुहावरों, लोकोक्तियों और सांस्कृतिक संदर्भों का सही रूपांतरण भाषा और समाज की समझ को समृद्ध करता है।

राजतरंगिणी से किशोरों को इतिहास और लोककल्याण की सीख

महोत्सव में कल्हण कृत राजतरंगिणी पर आधारित किशोर उपन्यास श्रृंखला पर विशेष संवाद हुआ। सत्र का समन्वय प्रसिद्ध लेखिका चंद्रकांता ने किया। उन्होंने बताया कि यह श्रृंखला राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की वृहत योजना का हिस्सा है और किशोरों को ध्यान में रखकर इतिहास को रोचक साहित्यिक रूप में प्रस्तुत करती है। सुधाकर अदीब ने कहा कि इतिहास केवल घटनाओं का क्रम नहीं, बल्कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए सीख का माध्यम है। मलिक राजकुमार ने कहा कि राजतरंगिणी कश्मीर के लंबे ऐतिहासिक कालखंड का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है। किशोरों के लिए ऐतिहासिक साहित्य तैयार करते समय उनकी बदलती मानसिकता, तकनीकी दुनिया और रुचियों को ध्यान में रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि लोक साहित्य को सही संदर्भ में प्रस्तुत करने के लिए उसके व्यापक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कालखंड को समझना आवश्यक है।

काकोरी एक्शन ने स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को मंच पर किया जीवंत : शाम को भारतेन्दु नाट्य अकादमी के कलाकारों ने काकोरी एक्शन नाट्य प्रस्तुति दी। स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक काकोरी घटना पर आधारित इस नाटक में देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले क्रांतिकारियों के साहस, संघर्ष और बलिदान को रंगमंच के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति के जरिए काकोरी कांड से जुड़े ऐतिहासिक प्रसंगों और स्वतंत्रता आंदोलन में इसके महत्व को दर्शकों के सामने प्रभावी ढंग से रखा गया। कलाकारों के सशक्त अभिनय और प्रभावी मंचन ने दर्शकों की सराहना बटोरी और प्रस्तुति का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ।

52 एक्टिव केस आठ मरीजों में पुष्टि

लखनऊ। राजधानी में अब तक इन्फ्लूएंजा-ए एच1एन1 के 32 रोगी अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं, जिनमें से 31 स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। शुक्रवार को आठ नये मरीजों में संक्रमण की पुष्टि की गयी, जो सभी होम आइसोलेशन में हैं। जिले में एक्टिव केसों की संख्या 52 है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एनबी सिंह ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य महानिदेशालय की गाइडलाइन के अनुसार तेज बुखार के साथ सीने में दर्द, बेहोशी, रक्तचाप कम होना, सांस फूलना, नाखूनों का नीला पड़ना या बलगम में खून जैसे गंभीर लक्षणों पर रियल टाइम आरटीपीसीआर जांच और तत्काल अस्पताल में भर्ती जरूरी है। उन्होंने बताया कि जिन मरीजों की पुरानी बीमारी बिगड़ने लगे, उन्हें भी गंभीर श्रेणी में रखा जाएगा।

कार्यालय अयोध्या विकास प्राधिकरण, अयोध्या

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित विभिन्न योजनाओं में आवासीय/व्यवसायिक रिक्त सम्पत्तियों का पंजीकरण दिनांक 15.06.2026 से 31.07.2026 तक आफलाइ एवं आनलाइन आवेदन आमन्त्रित किये गये थे उक्त अवधि में पंजीकृत आवेदकों के मध्य रिक्त सम्पत्तियों का आवंटन नीलामी के माध्यम से दिनांक 25.09.2026 को अयोध्या विकास प्राधिकरण के सभागार में प्रातः 11.30 बजे किया जायेगा।

अतः समस्त पंजीकृत आवेदकों से अनुरोध है कि निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर नीलामी में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करें। नीलामी में केवल पंजीकृत आवेदकों को सम्मिलित होने की अनुमति होगी अन्य किसी व्यक्ति को सम्मिलित नहीं किया जायेगा।

सचिव

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

बुजुर्ग महिला की चाकू से गोदकर हत्या

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के खुर्रमपुर गांव में घर में अकेली रह रही 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला छिदाना की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार सुबह दूध देने पहुंची पड़ोसी महिला ने काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर गेट से अंदर झांका तो बरामदे में छिदाना का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। घर में सारा सामान बिखरा था और जेवर व नकदी गायब थी, जिससे लगता है कि हत्या के बाद बदमाश ने घर में लूटपट की है।

बंथरा के प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश सिंह के मुताबिक थाना क्षेत्र खुर्रमपुर गांव में रहने वाली छिदाना गौतम (65) के पति रामशंकर गौतम की छह वर्ष पहले मौत हो चुकी थी और दोनों बेटियों राम जानकी व अर्चना की शादी हो चुकी है, जिसके चलते वह अकेले ही घर पर रहती थी। बताया जाता है कि गुरुवार की देर शाम करीब शुक्रवार की सुबह सात बजे गांव में रहने वाली आशा छिदाना को दूध देने गई थी। उसने कई बार आवाज दिया, लेकिन कोई उत्तर नहीं मिला, आशा ने गेट से झांककर देखा तो छिदाना खून से लथपथ चारपाई पर पड़ी थी। आशा ने लोगों को घटना की जानकारी दी, जिसपर लोग इकठ्ठा हो गये।

पुलिस के मुताबिक मृतक का गला चाकू से रेता हुआ था, जबकि उसके बाए हाथ पर भी चाकू के हमले से हुए घाव थे। महिला के मुंह और नाक पर भी खून लगा हुआ था। शव से करीब पांच फीट दूर जमीन पर सब्जी काटने वाला चाकू पड़ा मिला। वहीं दूसरा चाकू चारपाई पर तकिए के नीचे मिला। दोनों चाकू पुलिस ने कब्जे में ले लिए हैं। फोरेंसिक टीम ने मौके से अन्य साक्ष्य भी जुटाए हैं।

छत के रास्ते आया था हत्यारा : पुलिस के मुताबिक छिदाना के घर में दाखिल होने के लिए दो गेट लगे है। घटना स्थल का मुआयना करने पहुंची पुलिस को यह दोनों गेट बंद मिले, जबकि छत की सीढ़ियों पर लगा दरवाजा खुला था। पुलिस को आशंका है कि हत्यारा छत के रास्ते ही आया और वारदात को अंजाम देकर उसी रास्ते वापस लौट गया।

हत्या के बाद लूट का शक, चेन-झुमकी-पायल गायब : मृतका की बड़ी बेटी रामजानकी ने पुलिस को बताया कि उनकी मां छेदना गौतम रोजाना गले में सोने की चेन, कानों में झुमकी और पैरों में पायल पहनती थीं। शुक्रवार सुबह हत्या की सूचना मिलने के बाद जब वह घर पहुंचीं तो मां के शरीर पर इनमें से कोई भी गहना नहीं था। घर में भी काफी तलाश करने के बावजूद गहनों का पता नहीं चला। हत्या के बाद एक साथ चेन, झुमकी और पायल गायब मिलने से परिवार ने लूटपाट के बाद हत्या किए जाने की आशंका जताई है। परिजनों के मुताबिक छेदना घर में अकेली रहती थीं और इस बात की जानकारी गांव के लोगों को थी। पुलिस अब हत्या के कारणों के साथ गहने गायब होने के बिंदु की भी गंभीरता से पड़ताल कर रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि घटना से पहले या बाद में घर के आसपास कौन-कौन आया था।

अस्त-व्यस्त थे कपड़े : घटनास्थल देखकर ऐसा लग रहा था कि हत्या से पहले छिदाना व हत्यारे के बीच खूब हाथापाई हुई होगी। छिदाना के विस्तर व उनके शरीर के कपड़े अस्त-व्यस्त थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि हत्या से पहले छिदाना ने हत्यारे से बचने के लिए संघर्ष किया है।

फालोअप अवैध संबंधों के चलते पत्नी ने करायी थी हत्या

- बक्से में मिला था रामकिशोर का शव

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने बक्से में मिली युवक की लाश की शिनाख्त करा ली है। मृतक की शिनाख्त रामकिशोर वाल्मीकि के रूप में हुई है। पुलिस ने तीन शातिर अभियुक्तों गिरफ्तार कर एक बाल अपचारी को संरक्षण में लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से आलाकत्ल व घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा भी बरामद किया है। हत्या पत्नी के अवैध संबंधों के चलते की गयी थी। विदित हो कि 16 सितम्बर को मदारी खेड़ा मोड़, ग्राम भावाखेड़ा थाना मोहनलालगंज में पुलिया के नीचे बक्से में व्यक्ति का शव मिला था। पुलिस द्वारा शव की शिनाख्त कराई गई, जिसके आधार पर मृतक की पहचान रामकिशोर वाल्मीकि (45) पुत्र श्याम वाल्मीकि निवासी छंदोइया खेड़ा, थाना दुबग्गा के रूप में हुई।

मोहनलालगंज प्रभारी निरीक्षक यशवंत सिंह ने बताया कि 17 सितम्बर को कविता देवी पत्नी रामकिशोर बालमिकी निवासी छन्दोइयाखेड़ा, निकट हरि मस्जिद थाना दुबग्गा ने पति रामकिशोर वाल्मिकी की विपक्षी सोफिया बानो व अन्य द्वारा हत्या कर देने व शव को छिपाने के सम्बन्ध में परिजनों के साथ थाने जाकर तहरीर दी थी। पुलिस ने मामला दर्ज घटना के सफल अनावरण के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी द्वारा चार पुलिस टीमों का गठन किया। पुलिस टीम ने घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा की पहचान करते हुए 18 सितम्बर को अभियुक्त मुन्ना, सूफिया बानो व मो. इकबाल को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया और एक अन्य बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्ता सूफिया बानो तथा साथी गणों ने बताया कि मृतक रामकिशोर वाल्मीकि से चार वर्षों से प्रेम संबंध थे वदो वर्ष पूर्व दोनों ने निकाह कर लिया था और मृतक उसके साथ रहने लगा था। इसी दौरान प्रेमी मुन्ना उर्फ मुच्छड़ से अवैध संबंध होने की जानकारी हो गयी व आये दिन होने वाले विवाद के कारण मैने अपने प्रेमी मुन्ना उर्फ मुच्छड़ एवं उसके साथी मो० इकबाल उर्फ बसीर अहमद (40) के साथ मिलकर रामकिशोर की हत्या कर दी। 15/16 सितम्बर की रात में चारों ने शव को ई-रिक्शा में रखकर कनकहा के पास भावाखेड़ा नहर पुलिया के नीचे सबूत मिटाने के उद्देश्य से फेंक दिया था।

महिला की गला काटकर हत्या का 24 घंटे में खुलासा

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र के गोहरामऊ गांव के बाहर दुपुला नहर पुलिया की पटरी पर महिला की निर्मम हत्या कर शव फेंके जाने के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने मृतका के पूर्व पति राजू यादव को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसके नाबालिग बेटे को निगरानी में लिया गया है। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त बांका भी बरामद किया गया है।

गुरुवार सुबह आम के बाग के पास दुपुला नहर पुलिया पटरी पर प्रेमा देवी का खून से लथपथ शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसीपी काकोरी शकील अहमद और एडीसीपी पश्चिमी धनंजय कुशवाहा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, प्रेमा देवी की करीब 18 वर्ष पहले सेमरामऊ निवासी राजू यादव से शादी हुई थी। दोनों से एक पुत्र है। करीब आठ माह पहले प्रेमा देवी ने गोहरामऊ निवासी प्रदीप यादव से कोर्ट मैरिज कर ली थी। इसी बात को लेकर राजू उससे रंजिश मानता था। मृतका के पति प्रदीप यादव ने थाने में तहरीर देकर राजू और उसके बेटे पर हत्या का आरोप लगाया था।

महिला बंदी ने कचहरी में बच्चे को जन्म दिया

लखनऊ। कैसरबाग थाना स्थित कचहरी में शुक्रवार को सुनवाई के लिए कारागार से लाई गई गर्भवती महिला बंदी को प्रसव पीड़ा उठी। अस्पताल ले जाने की तैयारी चल ही रही थी कि कोर्ट के लॉकअप में ही उसने बेटे को जन्म दे दिया। कुछ देर बाद एम्बुलेंस बुलाकर महिला और नवजात को डफरिन अस्पताल पहुंचाया गया, जहां जच्चा व बच्चा दोनों डॉक्टरों की निगरानी में है और स्वस्थ बताये जारहे हैं।

जेलर जिला कारागार लखनऊ ऋत्विक प्रियदर्शी ने बताया कि कुशीनगर के रामकोला निवासी तारा को 27 अगस्त को जिला जेल भेजा था। जेल आने के समय मेडिकल रिपोर्ट में वह गर्भवती थी। 15 सितंबर को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए उसे डफरिन अस्पताल भेजा गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद प्रसव की तारीख 08 अक्तूबर दी थी। जेलर के मुताबिक बंदी तारा को शुक्रवार सुबह दूसरे मामले की सुनवाई के लिए कचहरी भेजा गया था। दोपहर करीब 02 बजे सुनवायी होने से ही पहले तारा को तेज प्रसव पीड़ा हुई। दूसरे बंदियों ने लॉकअप की सुरक्षा में तैनात महिला पुलिस को सूचना दी। एम्बुलेंस बुलायी गई, लेकिन लॉकअप में ही प्रसव हो गया। जेलर के अनुसार महिला बंदी व नवजात दोनों स्वस्थ हैं।

फर्जी कॉल सेंटर से चार महिलाओं समेत 16 गिरफ्तार

- अमेरिकी नागरिकों को फंसाते थे जाल में गुजरात का रहने वाला है संचालक

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। अलीगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह गश्त के दौरान रिध्या प्लाजा में साइबर फ्रॉड करने वाला कॉल सेंटर पकड़ा। इस कॉल सेंटर में अमेरिकी नागरिकों को जांल में फंसाकर ठगने काधंधा चल रहा था। इसका संचालक गुजरात का बताया जा रहा है। पुलिस ने सेंटर से चार महिला समेत 16 को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार सुबह अलीगंज पुलिस मॉर्निंग गश्त पर थी, तभी कॉल सेंटर चलने की जानकारी मिली। रिध्या प्लाजा के आसपास के लोगों ने बताया कि कॉल सेंटर के कर्मचारियों की गतिविधियां संदिग्ध हैं। इनके पास कोई आई-कार्ड भी नहीं रहता। पुलिस ने सेंटर के अंदर जाकर जांच की तो खुलासा हुआ।

डीसीपी नॉर्थ अमित कुमार आनंद ने बताया कि पुलिस की मॉर्निंग गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति दिखा। उससे पूछताछ के आधार पर अलीगंज थाना क्षेत्र के कपूरथला स्थित नॉवेल्टी सिनेमा के पास रिध्या प्लाजा बिल्डिंग में छापेमारी की गई। शुरूआती जांच में सामने आया है कि यह गिरोह अमेरिका के लोगों को निशाना बनाता था। जब अमेरिकी नागरिकों को कंप्यूटर चलाने या सॉफ्टवेयर से जुड़ी कोई समस्या आती थी, तो वहां से हेल्पलाइन नंबर के जरिये कॉल कनेक्ट होती थी।

इस सेंटर के कर्मी कॉल अटेंड करते थे और समस्या हल करने का झांसा देकर उनकी निजी और फाइनेंशियल डिटेल्स हासिल कर लेते थे। इसके बाद उनके साथ साइबर फ्रॉड और फाइनेंशियल क्राइम अंजाम दिया जाता था। पुलिस को जांच में पता चला है कि जिस भवन में यह कॉल सेंटर चलाया जा रहा था, उसे लगभग चार महीने पहले किराये पर लिया गया था। यहां काम करने वाले अधिकतर कर्मचारी 1 से 3 महीने पहले ही जुड़े थे। फिलहाल, पुलिस हिरासत में लिए गए सभी 16 लोगों से पूछताछ कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। मामले में जांच जारी है और जो भी नए तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। पुलिस ने सुबह 7 बजे फर्जी कॉल सेंटर पर छापा मारा था। इसके अंदर काम कर रहे सभी लोगों को वहीं पर रोक दिया गया। उनसे पूछताछ शुरू हुई।

इस दौरान सेंटर के बाहर सिपाहियों की तैनाती रही। बाहर से कोई अंदर नहीं आ सकता था। पुलिस ने पूछताछ कर जब कई सबूत इकट्ठा कर लिए तब सभी कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। सेंटर को पूरी तरह से खाली करा लिया गया। शाम 4 बजे सभी कर्मचारियों को मास्क लगाकर बाहर निकाला गया। गाड़ियों में बैठा-बैठाकर उन्हें हिरासत में ले जाया गया। डीसीपी नॉर्थ ने बताया है कि इनके सेंटर को संचालित करने वालों और कैसे अमेरिकी नागरिकों के कॉल कैसे इनके पास अटेंड होते थे, इसकी जानकारी हासिल की जा रही है।

वाहन चेकिंग में सफारी गाड़ी से 12.750 किलो गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

लखनऊ। नगराम पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 किलो 750 ग्राम गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गांजे के अलावा तीन मोबाइल फोन, 3100 रुपये नकद और पीली धातु की एक चेन बरामद की है। तस्करी में इस्तेमाल काली टाटा सफारी भी जब्त की गई है। पुलिस के मुताबिक बरामद गांजा, वाहन और अन्य सामान की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में लखनऊ और आसपास के जिलों में सक्रिय अंतरजनपदीय तस्करी गैंग का खुलासा हुआ है।

डीसीपी दक्षिणी मोहम्मद मुस्ताक के मुताबिक गुरुवार को थानाध्यक्ष नगराम अंजनी कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम नगराम-गंगागंज मार्ग स्थित शिवपुरा मोड़ पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान यूपी 32 ईएल 8000 नंबर की काली टाटा सफारी को रोककर तलाशी ली गई। गाड़ी में एक बोरी के अंदर छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ। तौल कराने पर गांजे की मात्रा 12 किलो 750 ग्राम निकली। मौके से पुलिस ने सफारी सवार सचिन सिंह (32) निवासी रामबक्श खेड़ा, थाना गोसाईंगंज, और सत्यम सिंह (20) निवासी तमोरिया, थाना नगराम को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनका गैंग लखनऊ और आसपास के जिलों में गांजे की सप्लाई करता है। गैंग के सदस्य गोंडा के जरवल और आसपास के क्षेत्रों से गांजे की खेप खरीदकर सफारी के जरिए लखनऊ लाते थे। यहां गांजे को गैंग के सदस्यों में बांटकर छोटी-छोटी पुड़ियों में आसपास के इलाकों में बेचा जाता था।

पुलिस के मुताबिक तस्करी से होने वाले मुनाफे को गैंग के सदस्य आपस में बांट लेते थे। इसी कमाई से महंगे मोबाइल और अन्य सामान खरीदे गए। आरोपी सचिन ने पुलिस को बताया कि बरामद चेन, मोबाइल फोन और सफारी भी उसने गांजा तस्करी से हुई कमाई से खरीदी थी।

थानाध्यक्ष नगराम अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र में बुद्धेश्वर चौराहे के पास 15 सितंबर को ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, बीकेटी थाना क्षेत्र के ग्राम अस्तल, रैथा निवासी नागेश्वर का बेटा दीपक वर्मा अपने गांव के साथी अभिषेक कुमार कश्यप के साथ हीरो स्प्लेंडर बाइक से बंथरा से घर लौट रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दीपक और अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गए। दीपक की हालत गंभीर होने पर परिजन उसे दूसरे निजी अस्पताल ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। वहीं अभिषेक का ट्रॉमा सेंटर के इमरजेंसी वार्ड में इलाज चल रहा है।

न्यूड फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र में युवती के न्यूड फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगा युवती ने चचेरी बहन और उसके बॉयफ्रेंड के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आशियाना थाना क्षेत्र मे रहने वाली युवती के अनुसार उसकी चचेरी बहन प्रिया अवस्थी जुलाई 2026 से उसके घर में रह कर कंप्यूटर की कोचिंग कर रही थी। आरोप है कि प्रिया ने उसकी न्यूड फोटो और वीडियो चोरी-छिपे बनाकर अपने कथित बॉयफ्रेंड शिवम सिंह को भेज दिया। जानकारी होने पर पूछताछ में प्रिया ने बताया कि शिवम उसे ब्लैकमेल कर रहा है और धमकी दे रहा है कि उसकी बहन के न्यूड फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। जानकारी होने पर उसने बाराबंकी निवासी चचेरी बहन प्रिया अवस्थी पुत्री फूलचंद अवस्थी व उसके ब्वॉय फ्रेंड शिवम सिंह पुत्र स्व सुनील सिंह निवासी बाराबंकी के खिलाफ लिखित शिकायत की है।

दबंगों ने ई-रिक्शा चालक को पीटा

लखनऊ। कृष्णानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत विजय नगर में दबंग युवकों ने ई-रिक्शा चालक को लात-घूंसों व लाठी-डंडों से पीटा, जिससे उसे गंभीर चोट आई। पीड़ित ई रिक्शा चालक ने मामले की लिखित तहरीर स्थानीय थाने में दी। कृष्णानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत आशुतोष नगर निवासी मुन्ना साहू ई-रिक्शा चला रहा था कि सड़क पर युवक को बचाने के चक्कर में उसका रिक्शा पलट गया। आरोप है कि केसरी खेड़ा फाटक के निकट विजय नगर सब्जी मंडी के पास रहने वाले 5 अज्ञात लोगों ने उसे लात-घूंसों और लाठी-डंडों से जमकर पीटा जिससे वह घायल हो गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ घायल

लखनऊ। गोसाईगंज कस्बे में सड़क हादसा हो गया। मॉडल शराब शॉप के सामने सड़क पार कर रहे एक अधेड़ को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया जहां डक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को कस्बे में स्थित शराब की दुकान के सामने एक्सीडेंट हो गया था। जहां मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा की गई जांच पड़ताल में मृतक की पहचान गोविंद गौतम निवासी ग्राम बहरौली के रूप में हुई है।

दहेज उत्पीड़न के आरोप में पति समेत छह पर मुकदमा

लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र के बुद्धेश्वर बिहार मे रहने वाली महिला ने पति समेत ससुराल पक्ष के छह लोगों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने मारपीट करने और जेवर हड़पने का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पारा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मूसाहिबगंज चुंगी ठाकुरगंज निवासी नेहा कश्यप ने बताया की उसकी शादी 15 मई 2025 को बुद्धेश्वर बिहार, बादलखेड़ा निवासी मनोज निषाद से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति मनोज निषाद, सास मन्नी निषाद, ससुर राम सागर निषाद, देवर विकास निषाद और ननद पूजा व प्रीति निषाद कम दहेज लाने का ताना देकर उसका उत्पीड़न करते थे।

पीड़िता का आरोप है पति और ससुराल वालों ने एकराय होकर उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि 15 अगस्त 2026 को मायके आने के दौरान उसके पति ने अलमारी के लॉकर से मंगलसूत्र और सोने की चेन निकाल ली। नेहा के मुताबिक, 23 अगस्त को उसने पति से अपने जेवर वापस मांगे। इस पर पति ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की। किसी तरह जान बचाकर वह वहां से निकली और रिपोर्ट दर्ज करायी।

हैकथान में छात्रों ने किया आइडिया से समस्याओं का समाधान

- एकेटीय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग एवं लिनोवो कंपनी ने आयोजित किया लिनोवो लीप हैकथॉन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग एवं लिनोवो कंपनी की ओर से शुक्रवार को लिनोवो लीप हैकथॉन का आयोजन किया गया। कुलपति प्रोफेसर जेपी पांडे के निर्देशन में आयोजित हैकथॉन में विश्वविद्यालय परिसर के बीटेक, डिप्लोमा के 100 छात्रों ने 49 टीम के रूप में विभिन्न समस्याओं के समाधान का आइडिया प्रस्तुत किया। टीमों ने छह क्षेत्रों जिसमें एआई इन एजुकेशन एंड स्किल, सस्टेनेबल लीविंग एंड एनवारमेंट, स्मार्ट एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट, स्मार्ट सिटी एंड पब्लिक सर्विस, हेल्थकेयर एंड वेलनेस टेक एवं डिजिटल इन्क्लुशन एंड पब्लिक एक्सेस संबंधी क्षेत्रों का अपने आइडिया से समाधान प्रस्तुत किया। डीन ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रोफेसर अरुणिमा वर्मा ने कहा की ऐसे हैकथन से छात्रों को नवाचार करने में मदद मिलेगी। इस मौके पर उप परीक्षा नियंत्रक नेहा श्रीवास्तव, प्रतिभा शुक्ला सहित लेनोवो से प्रतिमा सहित लेनोवो अधिकारी मौजूद रहे।

जूरी ने किया मूल्यांकन : वन चैनल के डायरेक्टर अरविंद छाबड़ा ने आइडिया का मूल्यांकन करते हुए कहा कि जब छात्र किसी समस्या को अपना मानकर समाधान खोजेंगे तो ज्यादा प्रभावित आइडिया होगा। छात्रों के बनाए समाधान का जूरी ने मूल्यांकन किया। जूरी ने विभिन्न कसौटियों पर आइडिया को परखा। सबसे सटीक एवं व्यवहारिक आइडिया को चयनित किया गया।

एकेटीयू में चला सफाई अभियान

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में शुक्रवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत परिसर में साफ-सफाई की गयी। कुलपति प्रो. जेपी पांडेय के निर्देशन में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। परिसर स्थित खेल मैदान के आसपास सफाई की गयी। कूड़ा इकट्ठा करके डस्टबिन में डाला गया। साथ ही लोगों से अपील की गयी कि परिसर को स्वच्छ रखने में सहयोग प्रदान करें। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी सिंह, उपकुलसचिव डॉ. डीपी सिंह, उपकुलसचिव डॉ. आयुष श्रीवास्तव, सहा. कुलसचिव रंजीत सिंह, सहा. कुलसचिव शिवम गुप्ता स्टाफ आफिसर अमित मलिक, व्यवस्थाधिकारी प्रवीण कुमार सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी शिक्षक आदि लोग मौजूद रहे।

लविवि : प्रस्तावित एमओयू को लेकर पोस्टर जारी

लखनऊ। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक कल्याण और समग्र व्यक्तित्व विकास को संस्थागत रूप से मजबूत करने की दिशा में लखनऊ विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण पहल करने जा रहा है। इसी क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय, मानसिक शक्ति फाउंडेशन तथा फ्रीडम फ्रॉम पावर्टी ट्रस्ट (एफएफपीसी) के बीच प्रस्तावित समझौता ज्ञापन (एमओयू) को लेकर रिलीफः सपोर्ट हेल थ्रीव नामक एप का पोस्टर जारी किया गया।

प्रस्तावित एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, मनोवैज्ञानिक स्क्रीनिंग एवं आकलन, तनाव तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ सहायता तक पहुंच के लिए व्यवस्थित तंत्र विकसित करना है। लविवि कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा विद्यार्थियों की मानसिक एवं शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास का हिस्सा है।

अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज में हुआ नवगठित छात्र परिषद का शपथ ग्रहण व अलंकरण समारोह

लखनऊ। अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज में नवगठित छात्र परिषद का अलंकरण एवं शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डीन ऑफ स्टडीज प्रो. उपमा चतुर्वेदी द्वारा ईश्वर वंदना से हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. बीना राय ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का स्वागत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि अरविंद कुमार मिश्रा, अपर निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, विशिष्ट अतिथि प्रो. निशी पांडे, प्रबंध सचिव, प्रबंध समिति का विशेष रूप से अभिनंदन किया। प्राचार्या प्रो. बीना राय ने नवगठित छात्र परिषद के सदस्यों को पद एवं दायित्व की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि अरविंद कुमार मिश्रा ने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में टीमवर्क, कठिन परिश्रम और निरंतर प्रयास के महत्व पर प्रकाश डाला। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रसिद्ध कविता वेयर द माइड इज विथआउट फेयर का भावपूर्ण पाठ किया गया, जिसने कार्यक्रम में विचारशीलता और प्रेरणा का विशेष आयाम जोड़ा। डीन ऑफ स्टूडेंट्स प्रो. रंजना कृष्णा ने नवगठित छात्र परिषद के सदस्यों को बधाई देते हुए उन्हें अपने पद की गरिमा का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में को-डीन ऑफ स्टूडेंट्स डॉ. मौलिश्री शुक्ला ने आभार ज्ञापित किया।

50 हजार का इनामी जालसाज मुम्बई से गिरफ्तार

लखनऊ। निगोहां पुलिस व एसटीएफ टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए 50 हजार रुपए के इनामिया अभियुक्त को ठाणे मुम्बई (महाराष्ट्र) से गिरफ्तार किय है। उसके खिलाफ कम्पनी बनाकर जमीन के मामलों में धोखाधड़ी करने के 32 आपराधिक मामले कई थानों में दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि 19 नवम्बर 2025 को थाना निगोहा पर धर्मेन्द्र यादव निवासी जनपद बलिया द्वारा प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया गया कि अभियुक्त राहुल श्रीवास्तव ने कंपनी के माध्यम से 1000 वर्गफुट प्लॉट की रजिस्ट्री कराकर विभिन्न माध्यमों से 3.50 लाख प्राप्त किए, लेकिन कब्जा दिलाने पर पता चला कि संबंधित भूमि किसी अन्य व्यक्ति के नाम दर्ज है। ना तो प्लॉट का कब्जा दिया गया और न ही धनराशि वापस की गई। तहरीर के आधार पर थाना निगोहां पर अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय से गैर-जमानती वारंट प्राप्त किया गया तथा पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में पुलिस टीमों का गठन किया गया।

16 सितम्बर को निगोहां पुलिस व एसटीएफ लखनऊ टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को ठाणे मुंबई (महाराष्ट्र) से गिरफ्तार किया। ट्रांजिट रिमांड प्राप्त कर अभियुक्त को थाना निगोहां लाया गया। वैधानिक कार्रवाई पूर्ण कर अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इससे पूर्व गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि मैं पहले राज हाईटेक नामक कम्पनी में ब्रोकर का काम करता था, उसके बाद बनारस में स्पीक ऐशिया कम्पनी में एजेण्ट का काम किया। फिर मै लखनऊ आ गया और स्टैलियन विजन इन्फ्रावेटर प्रा. लि. एवं एक्मे इन्फ्रावेंचर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी खोली जिसका मैं डायरेक्टर था। कम्पनी के द्वारा मैं विभिन्न व्यक्तियों को प्लॉट उपलब्ध कराने का भरोसा देकर उनसे अलग-अलग माध्यमों से धनराशि प्राप्त करता था।

सूचना

मैंने अपना नाम खुशीर्दा से बदलकर सभी प्रपत्रों में खुशीर्दा बानो कर लिया है। अब मुझे खुशीर्दा बनो के नाम से जाना जाए। सूचना कर्ता खुशीर्दा पत्नी मोहम्मद अनीस रजा, 163, मोहला सिकटिहा, साईं बाबा मंदिर के पीछे, लखीमपुर खीरी।

नीलामी सूचना

अधिशासी अभियन्ता महोदय राष्ट्रीय जल प्रबन्ध योजना शारदा नहर खण्ड शाहजहांपुर के आदेशानुसार गाटा सं. 210 ग्राम सिद्यापुर फसल धान लगभग 0.110 हे. की नीलामी दिनांक 21.09.2026 को की जायेगी।

जिलेदार प्रथम शाहजहांपुर

सरोजनीनगर को सुरक्षित, ऊर्जा-कुशल व पर्यावरण-अनुकूल विकास का मॉडल बनाने का लक्ष्य : डॉ. राजेश्वर

- 60 मेगावाट से अधिक सौर ऊर्जा क्षमता और 3,000+ स्ट्रीट-सोलर लाइटों के साथ नेट जीरो की दिशा में बड़ा कदम

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र को सुरक्षित, प्रकाशमान, ऊर्जा-कुशल और पर्यावरण-अनुकूल बनाने के संकल्प के साथ नेट जीरो सरोजनीनगर की परिकल्पना को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके तहत स्वच्छएवं अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, कार्बन उत्सर्जन में कमी, जल संरक्षण, हरित क्षेत्र और जनभागीदारी को जोड़कर सतत विकास की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा, नेट जीरो सरोजनीनगर केवल एक पर्यावरणीय अभियान नहीं, बल्कि भविष्य के लिए दीर्घकालिक विकास दृष्टि है। हमारा लक्ष्य है कि विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को समान प्राथमिकता मिले और स्वच्छ ऊर्जा स्थानीय विकास का अभिन्न हिस्सा बने। डॉ. सिंह ने कहा, जहाँ अंधेरा है, वहाँ प्रकाश पहुँचे, जहाँ बिजली पर निर्भरता है, वहाँ सौर ऊर्जा विकल्प बने - यही सुरक्षित, सुगम और नेट जीरो सरोजनीनगर की दिशा में हमारा प्रयास है।

सरोजनीनगर में 60 मेगावाट से अधिक सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता विकसित की जा चुकी है। इसके साथ रु.1.64 करोड़ की लागत से 8 RWA में सामुदायिक सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। वहीं रु. 25.18 लाख की लागत से जोनल पार्क में सोलर पावर प्लांट स्थापित किया गया है। क्षेत्र में 3,000 से अधिक सौर स्ट्रीट लाइट और 200 से अधिक सौर स्ट्रीट मास्ट भी लगाए गए हैं। इन लाइटों के माध्यम से गलियों, संपर्क मार्गों, ग्रामीण क्षेत्रों और अन्य आवश्यक सार्वजनिक स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है।

इसके साथ ही 5 सोलर ट्री और 7 EV चार्जिंग स्टेशन की स्थापना के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा तथा पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था से पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम करने, ऊर्जा की बचत और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में मदद मिल रही है।

जल संरक्षण व हरित विकास पर भी जोर : क्षेत्र में नेट जीरो के तहत 9 करोड़ की लागत से 3 तालाबों के विकास के माध्यम से जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए 1,400 पौधों का वितरण भी किया गया। डॉ. सिंह ने कहा कि नेट जीरो का अर्थ केवल अधिक से अधिक पेड़ लगाना नहीं है, बल्कि ऊर्जा के उपयोग से होने वाले उत्सर्जन को कम करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और विकास को पर्यावरण के अनुकूल बनाना भी है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि भारत ने वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। हमारा प्रयास है कि नेट जीरो सरोजनीनगर विकास, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के संतुलन का प्रेरक मॉडल बने।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि0
अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मण्डल अयोध्या।

ई-निविदा सूचना, वि.आ.सं. 14215 एवं दिनांक 16.09.2026

निविदा सं. एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

1. 62/EDC(Ayodhya)/ 2026-27: अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड-मिल्कीपुर, अयोध्या के अन्तर्गत उपखण्ड-कुमारगंज के अधीन आकस्मिक दुर्घटनाओं में क्षतिग्रस्त होन वाली विद्युत लाइनों के मरम्मत का कार्य। ई-निविदा प्रपत्र शुल्क रू. 1180.00 तथा धरोहर राशि रू. 8400.00।
2. 63/EDC(Ayodhya)/2026-27: अधिशासी अभियन्ता, 11 केवी एण्ड एल.टी. वर्टिकल, अयोध्या धाम, अयोध्या के अन्तर्गत 14 अदद मोबाइल ट्राली के टायर ट्यूव व स्ट्रेक्चर (छत / जाली / गेट / रिम आदि) की मरम्मत का कार्य ई-निविदा प्रपत्र शुल्क रू. 1180.00 तथा धरोहर राशि रू. 7230.00।

ई-निविदा की अंतिम तिथि: 05 अक्टूबर 2026, 17.00 बजे ।

विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं। अग्रेतर समस्त सूचनाएं वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जाएंगी।

गणेश उत्सव में नृत्य नाटिका प्रस्तुत करते कलाकार

भजन प्रस्तुत करतीं महिलाएं

बप्पा की मूर्ति का विसर्जन करने जाते भक्तगण

फोटो–अमित वर्मा

बप्पा के दरबार में भक्तों का हुजूम, 108 नामों से हुआ दुर्वाभिषेक

गणेश उत्सव के पांचवें दिन पूजा पंडालों में रही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम, भगवान गणेश को आज लगेगा छप्पन भोग

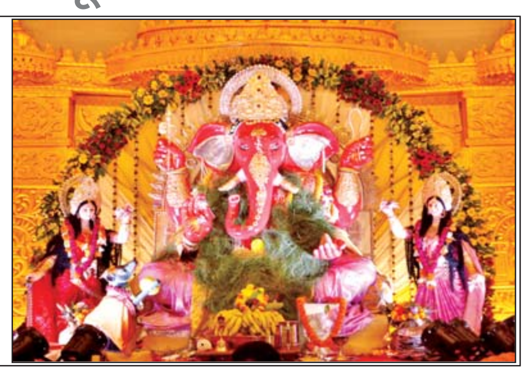

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। गणेश उत्सव पूजा पंडालों में शुक्रवार को भक्तों का तांता लगा रहा। सुबह आरती हुई। शाम को पूजा पंडालों में भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। गीत, संगीत, नृत्य और नृत्य नाटिकाओं का सुंदर मंचन हुआ। कहीं बच्चों के लिए बाल मेला लगाया गया। भजन-कीर्तन के बीच भक्तों ने विघ्नहर्ता का पूजन, वंदन और आरती की। श्री गणेश प्राकट्य कमेटी की ओर से झूलेलाल वाटिका में चल रहे श्री गणेश महोत्सव के पांचवे दिन शुक्रवार को आचार्यों द्वारा मंत्रों के साथ मंगलमूर्ति की पूजा अर्चना की गई। बाद मे दूर्वाभिषेक का कार्यक्रम हुआ। इसमें भगवान गणेश के 108 नामों के साथ दुर्वा चढ़ाई गई। आचार्यों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ गजानन के नाम लेते हुए दुर्वा चढाई।

झूलेलाल घाट पर चल रहे मनौतियों के राजा गणेश उत्सव में भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बप्पा के दर्शन किए और भजन संध्या व नृत्य-नाटिका का आनंद लिया। सुबह दुर्वाभिषेक का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें आचार्यों ने मंत्रोच्चारण के साथ भगवान गणेश के 108 नामों के साथ दुर्वा अर्पित की। इस मौके पर संरक्षक भारत भूषण गुप्ता, अध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल, पार्षद रंजीत सिंह, जय करन सिंह, अखिलेश बंसल, संजय सिंह गांधी, गोपाल अग्रवाल, सुधांशु बाथम तथा महिलाओं में संध्या बंसल, उषा अग्रवाल, रुक्मणी अग्रवाल, अंशु बंसल, विमी बंसल, नेहा बंसल, नीरजा सिंह, अंजू गुप्ता, अनुराधा गोयल, कविता अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मौजूद रहे।

शाम को कोलकाता से आए भजन गायकों ने भजनों और नृत्य-नाटिका से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भजन संध्या की शुरूआत कोलकाता के संजय शर्मा के निर्देशन में झारखंड के गिरिडीह से आए आकाश परिचय दाधीच के भजनों से हुई। भजन संध्या के बाद संजय शर्मा के निर्देशन में तीन मनमोहक नृत्य-नाटिकाओं का मंचन किया गया। इसमें 'कर्मा बाई' की प्रस्तुति विशेष रूप से सराहनीय रही, जिसमें एक भक्त द्वारा अपने हाथों से भगवान के लिए भोग तैयार करने और उसकी अटूट भक्ति को भावपूर्ण ढंग से दिखाया गया। इसके अलावा मां दुर्गा के नौ रूपों और नारी शक्ति व भक्ति पर आधारित प्रस्तुतियों ने भी भक्तों का मन मोह लिया।

श्री गणेश महोत्सव के दरबार में बहीं भक्तिमय भजनों की रसधारा: मां आंचल सेवा समिति की ओर से श्री गणेश महोत्सव केजीएमयू के गेट नंबर 2 के बगल में, मेडिकल कॉलेज चौराहा लखनऊ में धूमधाम से मनाया जा रहा है। श्री गणेश महोत्सव की पांचवे दिन शुक्रवार को भजन संध्या, छप्पन भोग एवं महाआरती का आयोजन किया गया। भजन संध्या की शुरूआत प्रथम पूज्य गणेश वंदना से हुई। मां आंचल समिति की ओर से सुमन, नीतू, सभ्यता, संगीता एवं महिला मंडली ने देवा देवा गणपति देवा तुमसे बढ़कर कौन..., मेरे सिर पे सदा तेरा हाथ रहा..., आओ आओ पधारो गणराज जी गणपति को प्रथम मनाना है..., मेरे लाडले गणेश प्यारे प्यारे..., गणपति बप्पा मोरया मंगल मूर्ति मोरया... जैसे भक्तिमय भजनों की संगीतमय प्रस्तुति दी। जिस पर उपस्थित जनसमूह भावविभोर हो गया। प्रथम पूज्य गणेश जी को मोदक एवं 56 भोग प्रसाद लगाया गया था। कार्यक्रम के अंत में महाआरती के पश्चात छप्पन भोग का प्रसाद भक्तों को वितरित किया गया। इस अवसर पर अनूप कनौजिया, अजय कनौजिया, कल्लू कनौजिया, संजय कनौजिया, संदेश कन्नौजिया, पार्षदों में अनुराग मिश्रा, राहुल मिश्रा, संतोष राय एवं बादशाह सोनकर, सौरभ मिश्रा, धर्मेंद्र प्रधान समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रसाद रूप में मोदक ग्रहण कर धन्य हुए भक्त: ऑस्कर योग साई कृपा सेवा संस्थान के तत्वाधान में चल रहे श्री श्री गणेश महोत्सव में संध्या कालीन महा आरती में भक्तों की संख्या उमड़ रही है। शिवा जी मार्ग के राजा गणपति महाराज का दर्शन करने के साथ ही प्रसाद चढ़ाने और प्रसाद ग्रहण करने के लिए भी इंतजार करते हैं। महोत्सव आयोजन गणेश शंकर पवार ने बताया शुक्रवार को गणेश महोत्सव में गणपति महाराज का दूर्वाभिषेक किया गया। यह अभिषेक सुमन पवार, श्वेता पवार, राहुल जैन, हर्ष अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, अवयान, आदिश्री, जय राम, शोभा शुक्ला ने संयुक्त रूप से किया।

आए हैं गौरी गणेश आज मोरे अंगना में...: पल्टन छावनी सेक्टर - ए सीतापुर रोड योजना कालोनी में सात दिवसीय श्रीगणेश उत्सव धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ मनाया जा रहा है। उत्सव के पांचवें दिन शुक्रवार को रिद्धि सिद्धि के दाता तुम हो गणपति..., तुमको मैं कैसे मनाऊं गजानन..., घर में पधारो गजानन जी, मेरे घर में पधारो..., लडुआ सा गोल मटोल, हमारे गौरा का लाला... जैसे भजनों से बप्पा का दरबार गूंज उठा। महिलाओं ने मेरा विघ्न हरो गणपति..., आए हैं गौरी गणेश आज मोरे अंगना में..., आओ आओ पधारो गणराज जी..., जय हो गजानन तुम्हारी, करते हो मूषक की सवारी..., आओ गौरी के लाल मेरे गरीबखाने में... सहित अन्य भजनों को प्रस्तुत कर माहौल भक्तिमय कर दिया। इस मौके पर कृष्णावती, गीता कुशवाहा, कीर्ति कुशवाहा, किरण पाल, सपना शुक्ला, रश्मि श्रीवास्तव, आराधना, सोना, सुंदरी, शिखा, शालू पाल, सुनीता, कंचन, सुधा, पूजा, संध्या सहित काफी संख्या में भक्त मौजूद थे।

भूतनाथ में बप्पा की आराधना: भूतनाथ मन्दिर इन्दिरा नगर लखनऊ के सभागार में लोक कल्याणार्थ एवम शान्ति समृद्धि के लिए श्री गणेश चतुर्थी पूजा का आयोजन किया गया। प्रातः 11 बजे सामूहिक रूप से भगवान श्री गणेश पूजा पूरे विधि-विधान से मनाई गई उसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। भक्तों ने भगवान श्री गणेश की पूजा.अर्चना कर प्रसाद के रूप में आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

भक्तों ने गाजे-बाजे के साथ बप्पा को किया विदा, लगे जयकारे

लखनऊ। गणेश चतुर्थी के पांचवे दिन शुक्रवार को श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में भक्तों के बीच विराजमान रहने के पश्चात विघ्नहर्ता गणेश अपने धाम को वापस लौटने के लिए चल पड़े।

गणेश प्रतिमा विसर्जन से पूर्व पंडित जी ने मंगलमूर्ति की वैदिक मंत्रोच्चार से हवन एवं पूजन कर भक्तों के हाथों में रक्षासूत्र बांध यजमान जनों ने प्रसाद वितरित किया। इस धार्मिक अनुष्ठान के बाद विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया जिसमें चावल छोले का वितरण किया गया। सर्वप्रथम पं. ललित मिश्रा ने मंगलमूर्ति की वैदिक मंत्रोच्चार पूजन अर्चन का कार्य संपन्न कराया। पूजाअर्चना के बाद पंडित जी के निर्देशन में स्वाहा मंत्रोच्चार पर यजमान जनों तथा सभी भक्तों गणों ने पांच-पांच आहूति हवन कुंड में डालकर सभी के लिए मंगल कामना करते हुए दुःख दरिद्रता दूर एवं स्वथ्य रहने की भगवान से प्रार्थना की। यजमान व भक्तों गणों के हाथों में पुरोहित ने रक्षासूत्र बांधकर खुशहाल रहने का आशीर्वाद प्रदान किया। धार्मिक अनुष्ठान के बाद समिति की ओर से विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया जिसमें बप्पा का भोग लगा हुआ चावल छोला एवं हलवा चना का प्रसाद वितरित किया गया हजारों की संख्या भक्तगणों प्रसाद ग्रहण किया। अगले चरण में श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में भक्तों के बीच विराजमान रहने के बाद बप्पा अपने धाम को रथ पर सवार होकर चल पड़े। गणेश प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा में मनौतियों के राजा गणपति महाराज को फूलों की मालाओं एवं सिंदूर से श्रृंगार करके वाहन पर रखा गया। ढोल-नगाड़े की धुनों एवं गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आना, एक दो तीन चार बप्पाजी जय जयकार के जयघोष के बीच इको फ्रेंडली मनौतियों के राजा को रंग-गुलाल, फूलों की वर्षा करते हुए विसर्जन स्थल के लिए झूमते-नाचते भक्तों का जनसमुदाय ऐशबाग जलकल कालोनी से कुड़िया घाट के लिए निकल पड़े। श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ पूजे गए गणपति बप्पा की प्रतिमा का विसर्जन का किया गया।

गणपति बप्पा मोरया के जयघोष के साथ अलीगंज के राजा का विसर्जन: नेहरू बाल वाटिका के पास गुलाब वाटिका अपार्टमेंट परिसर, अलीगंज में चल रहे पांच दिवसीय गणेश उत्सव का शुक्रवार को विसर्जन के साथ समापन हो गया। गणपति बप्पा मोरया के जयघोष के साथ विर्सजन शोभायात्रा निकाली गई। सबसे पीछे रथ के रूप में सजे डाले पर भगवान गणेश की प्रतिमा रखी गई। यात्रा में शोभायात्रा मे भांगड़ा की धुनों पर महिला पुरुष व बच्चों ने खूब नृत्य किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, संरक्षक महेश अग्रवाल, संरक्षक डॉ. संदीप अग्रवाल, मनीष गुप्ता, पुजारी बाबा, शरद तिवारी, मनोज मिश्रा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

छल-कपट का त्याग ही आर्जव धर्म है : सागर जी महाराज

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। दशलक्षण महापर्व का तीसरा धर्म उत्तम आर्जव धर्म शुक्रवार को भाद्रपद शुक्ल सप्तमी पर मनाया गया। राजधानी सहित पूरे देश में दशलक्षण पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। आचार्य सुबल सागर जी महाराज ने प्रवचन में कहा कि आर्जव का अर्थ है सरलता और सीधापन, जिसका उल्टा है मायाचार और छल-कपट। मन, वचन और काय से छल-कपट का त्याग ही आर्जव धर्म है। जो दूसरों के साथ छल करता है, वह स्वयं को धोखा देता है। शास्त्रों में कहा गया है कि हृदय को मायाचारी से बचाकर सरल बनाना ही उत्तम आर्जव धर्म है। उन्होंने कहा कि जीवन की अधिकांश उलझनें दिखावे और आडंबर की देन हैं। भीतर कुछ और बाहर कुछ दिखाना ही दुख का मूल है। जैन दर्शन में क्रोध, मान, माया, लोभ ये चार कषाय हैं, आर्जव धर्म माया कषाय को जीतने का उपाय है। भीतर-बाहर एक होने की परिणति ही उत्तम आर्जव धर्म है। आज प्रातः इंदिरा नगर जैन मंदिर में भगवान का स्वर्ण कलशों से अभिषेक और शांतिधारा का आयोजन हुआ। अरुण जैन परिवार तथा

मनोज जैन, कमल जैन परिवार को शांतिधारा का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में श्रीमती शिक्षा जैन के निर्देशन में बच्चों ने सुख की खोज नाटिका का मंचन किया, जिसमें संदेश दिया गया कि चारों गतियों में मनुष्य गति सर्वश्रेष्ठ है और हमें प्राणी मात्र पर करुणा भाव रखना चाहिए।

याहियागंज मंदिर मैं हुई पद्मावती माताजी की विशेष पूजा अर्चना: जैन धर्म के विशेष महापर्व दशलक्षण महापर्व के अंतर्गत शुक्रवार को तीसरे धर्म उत्तम आर्जव धर्म की श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ आराधना की गई। लखनऊ के विभिन्न जैन मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पीले वस्त्र धारण कर अष्ट द्रव्यों से भगवान की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा उत्तम आर्जव धर्म के गुणों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। इस अवसर पर याहियागंज दिगंबर जैन मंदिर में समीर जैन एवं गुड्डू जैन के सान्निध्य में माता पद्मावती की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भक्तिभाव से धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए। वहीं आशियाना जैन मंदिर में चल रहे चातुर्मास के अंतर्गत मुनि उपाध्याय श्री 108 विहसंत सागर जी महाराज के सान्निध्य में उत्तम आर्जव धर्म पर विशेष प्रवचन हुआ। महाराज श्री ने कहा कि उत्तम आर्जव का अर्थ है—मन, वचन और काया में एकरूपता रखना तथा जीवन से छल-कपट और मायाचार को दूर करना। उन्होंने प्रवचन के दौरान कहा मन में होय सो वचन उचरिये, वचन होय सो तनसों करिये...देख निरमल आरसी ॥ उन्होंने इन पंक्तियों का भावार्थ बताते हुए कहा कि मन में जो विचार हों, वही वचन में प्रकट होने चाहिए और जो वचन से कहा जाए, उसी के अनुरूप आचरण होना चाहिए। जैसे स्वच्छ दर्पण में चेहरा वैसा ही दिखाई देता है जैसा वह वास्तव में है, उसी प्रकार निष्कपट और सरल व्यक्ति का जीवन भी निर्मल एवं पारदर्शी होता है।

डॉ. जीवन शुक्ल को 'डॉ. लक्ष्मीशंकर मिश्र 'निशंक' साहित्य सम्मान

शीला शर्मा को 'विद्या मिश्र लोक संस्कृति सम्मान'

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। 'डॉ. लक्ष्मीशंकर मिश्र 'निशंक' साहित्य सम्मान-2026 से सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. जीवन शुक्ल, कन्नौज को तथा 'विद्या मिश्र लोक संस्कृति सम्मान-2026' से सुश्री शीला शर्मा, लखनऊ को सम्मानित किये जाने का निर्णय डॉ. लक्ष्मीशंकर मिश्र 'निशंक' अध्ययन संस्थान, लखनऊ द्वारा लिया गया है। यह सम्मान आगामी 21 अक्टूबर, 2026 (बुधवार) को श्री उदय प्रताप सिंह एवं प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित जी की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ के निराला सभागार में अपराह्न 3.30 बजे डॉ. लक्ष्मीशंकर

मिश्र 'निशंक' की 108 वीं जयन्ती के अवसर पर आयोजित समारोह में दिया जायेगा। सम्मान स्वरूप सम्मानित साहित्यकारों को ग्यारह ग्यारह हजार रुपये की धनराशि, अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न व प्रशस्ति पत्र भेंट किया जायेगा। पुरस्कार दिये जाने का निर्णय संस्थान की निर्णायक समिति द्वारा सर्वसम्मति से लिया गया, जिसमें डॉ. कमला शंकर त्रिपाठी, प्रो. उषा सिन्हा, श्री योगीन्द्र द्विवेदी व डॉ. आलोक मिश्र आदि सम्मिलित थे। डॉ. लक्ष्मीशंकर मिश्र 'निशंक' साहित्य सम्मान से सम्मानित डॉ. जीवन शुक्ल का जन्म 03 अप्रैल, 1932 को फतेहपुर (उ०प्र०) में हुआ था। पी.एस.एम. डिग्री कालेज, कन्नौज में कई दशकों तक अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष रहे और दूसरी ओर हिन्दी साहित्य की श्रीवृद्धि में भी असाधारण योगदान दिया। 1961 में निराला जी को समर्पित उनका पहला काव्य संकलन 'वंशी तुम धर दो' प्रकाशित हुआ और हिन्दी साहित्य सम्मेलन में सुमित्रा नन्दन पंत के कर कमलों द्वारा इसका लोकार्पण हुआ। डॉ. जीवन शुक्ल का वीर काव्य 'सिंह द्वार' को मद्रास विश्वविद्यालय ने अपने पाठ्य क्रम में स्थान दिया। डॉ. शुक्ल की प्रमुख प्रकाशित पुस्तकों में वंशी तुम धर दो (1961), अजगव (1971), झाऊ की ओट में गुलाब (1996), तराशी आत्मा (2005), तुम न होगे तो (2011), दर्द साक्षर हो गया (2015), सूरज के बाद भी (2016), तोड़ता है कमरे का शीशा (2016), हुस्नेययाँ (2018), कलम अभी ज़िन्दा है (2022), सिंह द्वार (1968) आदि। इसके अतिरिक्त एक उपन्यास, तीन कृतियों का अनुवाद भी किया है। वर्तमान में डॉ. शुक्ल कन्नौज में रहकर हिन्दी साहित्य की सेवा कर रहे हैं।

राधा अष्टमी आज, घरों व मंदिरों में होगी विशेष पूजा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भगवान श्रीकृष्ण की प्रिय राधा रानी के जन्मोत्सव का पर्व राधा अष्टमी हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। साल 2026 में राधा अष्टमी शनिवार, 19 सितंबर को मनाई जाएगी। यह पर्व कृष्ण जन्माष्टमी के ठीक 15 दिन बाद आता है। राधा अष्टमी पर बरसाना, वृंदावन, मथुरा और नंदगांव के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना होती है। राधा रानी का पंचामृत से अभिषेक, श्रृंगार, भोग, आरती और संकीर्तन किया जाता है।

घरों में भी राधा-कृष्ण की पूजा करके भक्त व्रत रखते हैं। साल 2026 में राधा अष्टमी 19 सितंबर, शनिवार को है। अष्टमी तिथि का प्रारंभ 18 सितंबर को दोपहर 1:00 बजे होगा और इसका समापन 19 सितंबर को दोपहर 3:26 बजे होगा। राधा रानी की पूजा के लिए मध्याह्न का समय सबसे खास माना जाता है। 19 सितंबर को मध्याह्न पूजा मुहूर्त सुबह 11:01 बजे से दोपहर 1:28 बजे तक रहेगा। यही वह समय है जब राधा रानी की विशेष पूजा, अभिषेक और आरती की जा सकती है। राधा अष्टमी राधा रानी के प्राकट्य

दिवस के रूप में मनाई जाती है। यह पर्व राधा-कृष्ण भक्ति का प्रमुख उत्सव है। भाद्रपद शुक्ल अष्टमी को राधा रानी की पूजा करने के साथ व्रत रखा जाता है और राधा-कृष्ण के नाम का संकीर्तन किया जाता है। ब्रज क्षेत्र में इस दिन का महत्व सबसे अधिक दिखाई देता है। बरसाना को राधा रानी की नगरी के रूप में विशेष स्थान प्राप्त है। वृंदावन, मथुरा और नंदगांव के मंदिरों में भी राधा अष्टमी पर विशेष उत्सव आयोजित होते हैं।

राधा अष्टमी पर क्या करें: राधा अष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। घर के पूजा स्थान की सफाई करके राधा-कृष्ण की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। इसके बाद व्रत का संकल्प लें। पूजा के दौरान राधा रानी और श्रीकृष्ण का पंचामृत से अभिषेक करें। इसके बाद साफ वस्त्र और आभूषणों से श्रृंगार करें। राधा रानी को फूल, फल, मिठाई और पंजीरी का भोग लगाएं। मध्याह्न पूजा के समय राधा रानी की आरती करें। राधा-कृष्ण मंत्रों का जाप, भजन और कीर्तन करें। दिनभर भगवान का स्मरण करते हुए व्रत रखें।

राधा अष्टमी की पूजा विधि: राधा अष्टमी की पूजा घर पर भी विधि-विधान से की जा सकती है। सबसे पहले पूजा स्थान को साफ करें और वहां चौकी पर साफ कपड़ा बिछाएं। इसके बाद राधा-कृष्ण की प्रतिमा स्थापित करें। गंगाजल से शुद्धिकरण के बाद पंचामृत से अभिषेक करें। अभिषेक के बाद भगवान को नए वस्त्र पहनाएं और फूलों से श्रृंगार करें। राधा रानी को फूलों की माला अर्पित करें। फल, मिठाई और पंजीरी का भोग लगाएं। इसके बाद राधा रानी और श्रीकृष्ण की पूजा करें। राधा अष्टमी की कथा पढ़ें या सुनें। अंत में घी के दीपक से आरती करें और प्रसाद बांटें।

राधा अष्टमी पर राधा रानी को क्या चढ़ाएं: राधा अष्टमी पर राधा रानी को ताजे फूल, फूलों की माला, फल, मिठाई और पंजीरी का भोग लगाया जाता है। पूजा में पंचामृत से अभिषेक करने के बाद वस्त्र और आभूषण अर्पित किए जाते हैं। राधा रानी को अरबी की सब्जी बहुत अधिक पसंद है। राधा रानी को गुलाब और अन्य सुगंधित फूल विशेष रूप से अर्पित किए जा सकते हैं। पूजा के अंत में भोग लगाकर आरती करें और प्रसाद वितरित करें।

...अभी तो शोर जमाने का सुन रहे हैं हम

मुशायरे में झूमे श्रोता, पुस्तक मेरे अब्बू का विमोचन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के प्रतिष्ठित होटल में लेखिका सबीहा अहमद द्वारा लिखित पुस्तक मेरे अब्बू का गरिमामयी विमोचन संपन्न हुआ। पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि, धर्मगुरु क'री हबीब और पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं वर्तमान विधायक आदरणीय श्री अबू आसिम आजमी के कर-कमलों द्वारा किया गया। यह पुस्तक एक बेटी का अपने पिता के प्रति गहरे प्रेम और उनके जीवन से मिली सीखों का एक जीवंत दस्तावेज है। विमोचन के इस खास मौके पर एक शानदार अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का भी आयोजन किया गया। इसमें देश-दुनिया के मशहूर शायरो व कवियों ने अपनी रचनाएं पढ़ी। अयोजित मुशायरे

में डॉ. मालविका हरिओम ने कभी हवाओं में अपनी भी सदा गूँजेगी, अभी तो शोर जमाने का सुन रहे हैं हम , शबीना अदीब तुम जहाँ हो मैं वहीं हूँ तुम समझते क्यों नहीं, तुम फलक हो मैं जमीं हूँ तुम समझते क्यों नहीं

हिमांशी बाबरा ने दिल ऐसे मुब्तिला हुआ उसके मलाल में, जुल्फें सफेद हो गयीं उन्नीस साल में, अजहर इकबाल ये पहला इश्क है तुम्हारा सोच लो ,मेरे लिये ये रास्ता नया नहीं है अभिश्रेष्ठ तिवारी कहा था तुमने के रिश्ता है भाई भाई का हिसाब रक्खा है तुमने तो पाई पाई का, अजय सहाब सूरज जो एक रोज जरा देर से उगा, जुगनू ने आसमान को अपना समझ लिया। शाहबाज तालिब सहित अन्य ने भी अपने शेर पेश किए। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में दर्शक मंत्रमुग्ध होकर झूमते रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मुख्य भूमिका निभाने वाले वसीम अहमद, मोहम्मद उमर और मोहम्मद उस्मान ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, हम अपनी फाउंडेशन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे राज्यों में लगातार ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते आ रहे हैं। हमारा उद्देश्य इन आयोजनों के जरिए अपनी पारंपरिक गंगा-जमुनी तहजीब और साझी विरासत को हर हाल में प्रोत्साहित और जिंदा रखना है।

संक्षेप

वृद्ध की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

जौनपुर। केराकत थाना क्षेत्र के बेहड़ा गांव में वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। 70 वर्षीय विनोद सिंह कई दिनों से लापता बताए जा रहे थे। गुरुवार को घर पहुंचे उनके बेटे को गेस्ट रूम से तेज दुर्गंध आने पर संदेह हुआ।बताया गया कि गेस्ट रूम की सफाई के दौरान वृद्ध का सड़ा-गला शव मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। वृद्ध के बेटे ने आरोप लगाया कि घर में चोरी के दौरान उनके पिता के साथ मारपीट की गई और उनकी हत्या कर दी गई। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह और परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी। पुलिस द्वारा आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

ताला तोड़कर चार लाख की चोरी

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर गांव में गुरुवार की रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह होने पर परिवार में हड़कंप मच गया।बताया जा रहा है कि चोर पीछे के रास्ते से घर में दाखिल हुए और छत पर रखे लोहे के बक्से को ले जाकर उसका ताला तोड़ दिया। बक्से में रखे करीब चार लाख रुपये कीमत के आभूषण लेकर चोर फरार हो गए। सुबह परिवार के लोगों ने बक्सा टूटा हुआ देखा तो उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

विवाहिता व मासूम की संदिग्ध हालत में मौत, हत्या का आरोप

जौनपुर। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के रजमलपुर गांव में गुरुवार की रात विवाहिता और उसके दो वर्षीय मासूम बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। मायके पक्ष ने ससुरालियों पर प्रताड़ना और हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि करीब 28 वर्षीया शशिकला पत्नी रवि कुमार ने कथित रूप से पहले अपने दो वर्षीय बेटे को कीटनाशक खिला दिया। बच्चे की मौत के बाद विवाहिता द्वारा भी कीटनाशक का सेवन किए जाने की बात सामने आई है। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल ले गए। परिजनों के अनुसार, पहले मड़ियाहूं अस्पताल, फिर निजी चिकित्सक और जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसे बीएचयू वाराणसी रेफर किया। हालांकि, परिजन उसे वाराणसी न ले जाकर मड़ियाहूं स्थित निजी चिकित्सक के यहां ले गए, जहां उपचार के दौरान विवाहिता की भी मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मां-बेटे के शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। वहीं, मायके पक्ष ने ससुरालियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए मामले में कार्रवाई की मांग की है।

पोखरी में नहाते समय डूबने से छात्र की मौत

आजमगढ़। जनपद के जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के अजमतगढ़ कस्बे में स्थित गोगा साव-भीखी साव पोखरी में गुरुवार की शाम नहाते समय 13 वर्षीय छात्र की डूबने से मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार अजमतगढ़ कस्बे के गुरु गोविंद नगर निवासी कृपा यादव का 13 वर्षीय पुत्र अंश यादव जीयनपुर स्थित सेंट जेवियर्स विद्यालय में कक्षा सात का छात्र था। गुरुवार की शाम करीब पांच बजे वह अपने चार दोस्तों के साथ अजमतगढ़ कस्बे में स्थित गोगा साव-भीखी साव पोखरी में नहाने गया था। नहाते समय अंश गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसके साथ मौजूद अन्य बच्चों ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों ने काफी प्रयास के बाद अंश को पोखरी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। अजमतगढ़ चौकी प्रभारी विनय यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। अंश अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसके पिता कृपा शंकर यादव जीविकोपार्जन के लिए विदेश में रहकर नौकरी करते हैं।

बैंक आधारित स्वरोजगार योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण करायें निस्तारण

मीरजापुर। मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल राजेश प्रकाश ने आज आयुक्त कार्यालय सभागार से मण्डलीय उद्योग बंधु की बैठक जूम माध्यम से करते हुए उनकी समस्याओं को सुना तथा सम्बन्धित अधिकारियों को संतुष्टिपूर्ण निस्तारण का निर्देश दिया।

बैठक में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना एवं एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण योजना की समीक्षा के दौरान मण्डलायुक्त ने तीनों जनपदों के लीड बैंक के प्रबंधकों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने-अपने स्तर से भी बैंकों की समीक्षा करते हुए बैंक पर आधारित स्वरोजगार योजनाओं के तहत प्राप्त आवेदनों का संतुष्टिपूर्ण व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें तथा उद्यमियों के द्वारा बैंक ऋण के लिए भरे जाने वाले आवेदन को सही भरवाने में सहयोग भी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि बैंकों द्वारा जिस प्रार्थना पत्र को निरस्त किया जाए उसके कारण सहित सम्बन्धित को जानकारी देते हुए संयुक्त निदेशक उद्योग को भी अवगत कराएं। निवेश मित्र पोर्टल की समीक्षा के दौरान पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष विभाग स्तर पर समयान्तर्गत एवं विभाग स्तर पर समय के उपरान्त लम्बित प्रार्थना पत्रों की समीक्षा करते हुए श्रम विभाग के तीन आवेदन समय के उपरान्त लम्बित होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा सहायक श्रमायुक्त सोनभद्र को तत्काल निस्तारण का निर्देश दिया। बैठक में बीएस रोड लोहरा नहर से वियर निर्माण इकाई तक मार्ग के चौड़ीकरण के सम्बंध में अधिशासी अभियंता सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त मार्ग पर दो किलोमीटर तक सड़क पूर्ण करा ली गई, शेष कार्य प्रगति पर है, शेष कार्य समय रहते पूर्ण करा लिया जाएगा। इसी प्रकार मुकेश साहू अध्यक्ष पूर्वांचल व्यापार मण्डल ने कहा कि भरूहना चौकी से सटी भूमि पर बने पार्क का रखरखाव उद्यान विभाग को हस्तांतरित करने की मांग तथा शास्त्री ब्रिज पर लाइटों को ठीक कराने के सम्बंध में नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि लाइटों को ठीक कराया गया था, पुनः प्राधिकरण द्वारा लाइटों को ठीक कराने के लिए निविदा कराई गई, नवरात्रि से पूर्व ठीक करा लिया जाएगा। बैठक में मीरजापुर सोनभद्र में नए औद्योगिक क्षेत्र की मांग के सम्बंध में बताया गया कि संयुक्त आयुक्त उद्योग के द्वारा नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए पत्र बनाकर शासन को भेजा गया है। बैठक में सीएम डैशबोर्ड, ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माण, टटहाई रोड पर स्थित यूको बैंक आदि के सम्बंध में चर्चा की गई, जिस पर मण्डलायुक्त ने समय रहते कार्यवाही करने का निर्देश दिया। बैठक में संयुक्त आयुक्त उद्योग विरेन्द्र कुमार के अलावा जूम माध्यम से नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह एवं जनपद सोनभद्र, भदोही एवं मीरजापुर के उद्यमी व अधिकारी जूम माध्यम से जुड़े रहे।

हिंदी केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं: प्रो.राजदेव

जौनपुर। टी.डी.पी.जी. कॉलेज, के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताह के अंतर्गत हिंदी दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष प्रो. राजदेव दुबे एवं विभाग के अन्य प्राध्यापकों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। विभागाध्यक्ष ने कहा कि हिंदी केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, संवेदना और जीवन-दृष्टि की सशक्त अभिव्यक्ति है। हिंदी को समृद्ध बनाने के लिए हमें इसके अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ दैनिक जीवन में भी इसके अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे हिंदी को केवल एक विषय के रूप में न लें, बल्कि ज्ञान-विज्ञान और रोजगार की भाषा के रूप में भी इसकी संभावनाओं को पहचानें। प्रो. सुषमा सिंह ने कहा कि हिंदी की शक्ति उसकी व्यापक स्वीकार्यता और लोकजीवन से गहरे जुड़ाव में निहित है। उन्होंने कहा कि भाषा तभी जीवंत रहती है, जब नई पीढ़ी उसे अपने विचारों, सपनों और सृजनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम बनाती है। विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के व्यापक अध्ययन के साथ भाषा की शुद्धता, सरलता और प्रभावशीलता पर भी ध्यान देना चाहिए। डॉ. महेंद्र कुमार त्रिपाठी ने कहा कि हिंदी भारतीय समाज की विविधता को एक सूत्र में जोड़ने वाली महत्वपूर्ण भाषाओं में से एक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे हिंदी में चिंतन, लेखन और शोध की नई संभावनाओं का अन्वेषण करें। प्रो. पुष्पा सिंह ने विद्यार्थियों से साहित्य के गंभीर अध्ययन के माध्यम से संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिक बनने का आह्वान किया। डॉ. वंदना सिंह ने कहा कि हिंदी की वास्तविक शक्ति उसकी सहजता, व्यापकता और जनसामान्य से निकटता में है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से हिंदी साहित्य पढ़ने, लेखन करने और अपनी अभिव्यक्ति को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित किया। संगोष्ठी में विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

पर्यावरण ज्ञान क्विज प्रतियोगिता आयोजित

जौनपुर।, तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं विषयगत ज्ञान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ह्य अपने पर्यावरण को जाने क्विज प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम आसरे सिंह ने की। मुख्य वक्ता प्रो. शम्भू राम चैहान प्राचार्य द्वारा ओजोन दिवस के अवसर पर विषय केंद्रित बहुआयामी व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। क्विज प्रतियोगिता का संचालन एवं कार्यवाही डॉ. विजय लक्ष्मी द्वारा कराई गई। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर मनोज कुमार सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राम आसरे सिंह ने पर्यावरण संरक्षण एवं ओजोन परत की सुरक्षा के प्रति जागरूकता को समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया। उन्होंने पर्यावरण बचाओ भविष्य बचाओ का नारा दिया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को पर्यावरणीय चुनौतियों को समझने तथा प्रकृति के प्रति जिम्मेदार एवं संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित किया गय मुख्य अथिति ने बच्चों को ओजोन के निर्माण, उसकी महत्ता और ओजोन के नष्ट होने पर होने वाले प्रभावों का उल्लेख किया। बच्चों को पर्यावरणीय समस्याओं की रोकथाम की जिम्मेदारी स्वयं लेने के लिए प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक बढ़-चढ़कर सहभागिता के साथ प्रतिभाग किए प्रतियोगिता में पर्यावरण, ओजोन परत, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, प्राकृतिक संसाधन, प्रदूषण, सतत विकास तथा भूगोल से संबंधित प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों के ज्ञान एवं त्वरित निर्णय क्षमता का परीक्षण किया गया। प्रतियोगिता में लिखित प्रश्नोत्तरी तथा पीपीटी आधारित रैपिड फायर क्विज में कई चरणों के साथ साथ व्याख्यान आयोजित किया गया। लिखित चरण के प्रदर्शन के आधार पर चयनित विद्यार्थियों को यमुना, गंगा, ब्रह्मपुत्र एवं गोमती नामक चार टीमों में विभाजित कर अंतिम चरण में प्रतिभाग कराया गया। इस तरह विभिन्न टीम प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने टीम भावना, विषयगत दक्षता एवं उत्साह का प्रभावी प्रदर्शन किया।

ब्लॉक स्तरीय हुआ शिक्षक प्रशिक्षण समापन

जौनपुर। ब्लाक संसाधन केन्द्र करंजाकला पर निपुण भारत मिशन के तहत 1 अगस्त से आयोजित पाच दिवसीय बुनियादी भाषा एवं संख्या ज्ञान तथा एन.सी.ई.आर.टी .की पाठ्यपुस्तकों पर आधारित शिक्षक प्रशिक्षण का 18सितम्बर को समापन हुआ। प्रशिक्षण के दौरान गतिविधि आधारित बाल केन्द्रित अधिगम, अनुभवात्मक शिक्षण, सतत - मूल्यांकन, कक्षा शिक्षण में नवीन शिक्षक संदर्शिका की प्रभावी उपयोगिता के साथ- साथ. कक्षा वार विभाग द्वारा प्राप्त एन.सी.ई.आर.टी .की नवीन पाठ्य पुस्तकों में किए गए परिवर्तन प्रिंट रिच मटेरियल, शैक्षिक कैलेंडर, स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम, कैच-अप शिक्षण के प्रभावी उपभोग, समग्र प्रगति पत्र ,प्रथम संस्था द्वारा उपलब्ध कराये गए सैम्पल पेपर के आधार पर भाषा व गणित में बेस लाइन, मिड लाइन व इंडलाइन आकलन प्रपत्र भरने के साथ-साथ निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं के अनुपालन आदि के संदर्भ में विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की गई। खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार यादव ने बताया कि प्रशिक्षण सात बैचों में चला और ब्लॉक के 702 शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और निर्देशित किया कि प्रशिक्षण में सीखी गई शिक्षण तकनीक को अपनी कक्षाओं में अनिवार्य रूप से लागू करें ताकि ब्लॉक के सभी विद्यालय निपुण विद्यालय बन सके। ए.आर.पी .डॉक्टर सुरेश चंद्र मौर्य ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुसार कक्षा में लर्निंग बाय डूइंग विधि का प्रयोग करें। , डी.सी. प्रशिक्षण विशाल उपाध्याय , एस.आर.जी .डॉक्टर कमलेश यादव एवं अजय मौर्य का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण अवधि में कार्यालय के समस्त स्टाफ एवं शिक्षकों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से शुक्रवार को नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारतह एवं विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद अंतर्गत मिशन मोड अभियान के तहत क्विज प्रतियोगिता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

युवा अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और रचनात्मक सोच का सकारात्मक दिशा में उपयोग करें तो देश के विकास को नई गति मिल सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों से विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद में सक्रिय भागीदारी करने तथा अपने नवोन्मेषी विचारों और प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का आह्वान किया। डॉ. शशिकांत यादव ने युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार कर सकते हैं। बताया कि माई भारत पोर्टल के माध्यम से क्विज प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण किया जा सकता है। पंजीकरण के बाद युवा इस राष्ट्रीय स्तर की पहल में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित

भारत युवा नेतृत्व संवाद युवाओं को अपनी प्रतिभा, नवाचार, रचनात्मक सोच और विचारों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करता है। संचालन आंची वर्मा एवं सिद्धार्थ कुमार सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सुमित सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. अजय कुमार मौर्य, डॉ. पी.सी. यादव, अभिषेक कुमार गर्ग, माय भारत के स्वयंसेवक सुमित सिंह, विपिन यादव, स्नेहा मिश्रा, आर्ची वर्मा, उत्कर्ष तिवारी, प्रभात तिवारी सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

चोरों ने दो लाख का माल उड़ाया

जौनपुर। नगर क्षेत्र में सिपाह पुलिस चैकी के भौंराजीपुर में आटा चक्की की दीवार में सेंध लगाकर करीब दो लाख रुपये चोरी किए जाने की घटना ने प्रकाश में आई है। इलाके में पुलिस गश्त को लेकर सुरक्षा व्यवस्था हेतु सवाल खड़े हो रहे हैं। मुख्य मार्ग के किनारे हुई इस वारदात के बाद स्थानीय लोगों में भय के साथ चिंता का माहौल बना हुआ है। मोहल्ला भौंराजीपुर स्थित मैरिज हाल के बगल में वर्षों से संचालित हो रही आटा चक्की को हौसला बुलंद चोरों ने निशाना बनाया। संचालक राधेश्याम मौर्य के मुताबिक चोर दीवार की पटिया निकालकर चक्की के अंदर दाखिल हुए और रात में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। संचालक का यह भी दावा है कि सरसों की पेमेंट के लिए करीब डेढ़ लाख रुपये रखे थे, जबकि करीब 50 हजार रुपये पहले से चक्की में रखे हुए थे। उनके अनुसार हौसला बुलंद चोरो से लगभग दो लाख रुपये हाथ साफ कर दिया है। सुबह करीब 10 बजे पुलिस को घटना की सूचना दी गई। पुलिस चैकी प्रभारी मौके पर पहुंच कर चोरी की हुई घटना की जानकारी जुटाते हुए चक्की पर आने वाले ग्राहकों और सामान की आपूर्ति करने वालों की डिटेल भी ली है। चैकी प्रभारी का कहना है कि घटना के संबंध में प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है और मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों की माने तो इससे पूर्व भी कई चोरियां सिपाह पुलिस चैकी अंतर्गत हो चुकी जिसका आज तक खुलासा पुलिस नहीं कर पाई है जिसकी काफी चर्चा लोगों में आज भी हो रही है।

तहसील दिवस पर विशेष कैम्प 19 को

जौनपुर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारी को अवगत कराया है कि जनपद में 19 सितम्बर को आयोजित होने वाले तहसील दिवस पर ऐसे मतदाता जिनका नाम 10 अप्रैल 2026 को अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची में किन्हीं कारणों से सम्मिलित होने से छूट गया है। उन मतदाताओं से फार्म-6 भरवाने, मतदाता सूची में विद्यमान किसी प्रविष्टि में कोई संशोधन हो तो फार्म-8 भरवाने एवं मृतक, शिफ्टेड मतदाताओं के नाम विद्यमान निर्वाचक नामावली से अपमार्जन हेतु-7 भरवाने हेतु विशेष कैम्प आयोजित कराते हुए जनसामान्य में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना है एवं आयोजित कैम्प में प्राप्त होने फार्म-6, 7 एवं 8 का विवरण भी सायं 04.00 बजे तक उपलब्ध कराया जाना अपेक्षित है। यह भी अवगत कराया गया है कि प्रत्येक माह होने वाले तहसील दिवस पर मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में फार्म-6, 7 एवं 8 भरवाने हेतु कैम्प का आयोजन किया जाना है।

कुएं में आया मगरमच्छ, ग्राम प्रधान ने जाल में पकड़वाकर किया वन विभाग के हवाले

मड़िहान, मीरजापुर। जिले के मड़िहान थाना क्षेत्र के बिशुनपुर गांव के एक किसान के कुएं में मगरमच्छ आ गया। ग्राम प्रधान ने ग्रामीणों की सहायता से मगरमच्छ को पकड़वाकर वन विभाग के हवाले कर दिया। वन विभाग ने उसे ले जाकर अन्यत्र छोड़ दिया। शुक्रवार की भोर में एक मगरमच्छ घाघर नहर से निकलकर उक्त गांव निवासी पप्पू पटेल के कुएं में आ गया था। परिवार के लोग जब सुबह कुएं पर पानी लेने के लिए गए तो मगरमच्छ कुंए की जगत पर बैठा था लोगों को देखते ही वह कुएं में कूद गया और पानी में चला गया। कुएं में मगरमच्छ को देखकर परिवार के लोग काफी चिंतित हो गए। जब तक मगरमच्छ पकड़ा नहीं गया तब तक परिवार के लोग एवं अन्य ग्रामीण कुएं पर पहरा देते रहे। ग्राम प्रधान सूरज सोनकर ने वन विभाग को सूचित किया, लेकिन उन्होंने कुएं में पानी अधिक होने के कारण पकड़ने में असमर्थता जाहिर की तब ग्राम प्रधान ने ग्रामीणों की सहायता से जाल को मंगवाकर कुएं में डलवाया और मगरमच्छ को जाल में फंसा कर बाहर निकलवाया और बाहर निकलवाने के बाद वन विभाग को बुलाकर उनके हवाले कर दिया। मगरमच्छ के पकड़े जाने पर परिवार के लोगों ने राहत की सांस ली। ग्राम प्रधान सूरज सोनकर ने कहा कि घाघर नहर में इस समय कई मगरमच्छ आ गए हैं जिससे लोगों के बीच में भय का माहौल उत्पन्न हो गया है। वन विभाग के मड़िहान के रेंज अधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि ग्रामीणों की सहायता से मगरमच्छ को पकड़ लिया गया है और उसे टीम ने ले जाकर अन्यत्र जलाशय में छोड़ दिया।

यात्रियों से वसूली करने वाली महिलाओं के खिलाफ आरपीएफ का एक्शन

मीरजापुर। रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न ट्रेनों में यात्रियों से वसूली करने वाली महिलाओं के गैंग के खिलाफ मिर्जापुर आरपीएफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए की को दबोचा है। आरपीएफ की इस कार्रवाई से हड़कंप मचा रहा है। बताते चलें कि ट्रेन में यात्रियों से अवैध वसूली करने वाली आधा दर्जन महिलाओं को आरपीएफ ने पकड़ा है। यह महिलाएं ट्रेनों में यात्रियों से पैसा ना मिलने पर विवाद करती है। ट्रेन में छापेमारी कर आरपीएफ ने पकड़ी महिलाएं के खिलाफ अब कार्रवाई में जुटी हुई है। बताते चलें कि प्रयागराज-चुनार, चोपन रेल रुट सहित छिवकी-चुनार, वाया वाराणसी रेल रुट से लगाए पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले रेल रुट पर इन महिलाओं का ज्यादा आतंक व्याप्त है, देखना अब यह है कि आरपीएफ ठोस कार्रवाई करते हुए इनके सिंडिकेट को तोड़ पाती है या महज कोरम पूरा करते हुए पूर्ववर्ती अपनी व्यवस्था को कायम रखने मात्र तक ही कार्रवाई करती है ?

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

मड़िहान, मीरजापुर। राजगढ़ थाना क्षेत्र के कूड़ी गांव निवासी 24 वर्षीय युवक की गुरुवार की रात 10 बजे के लगभग, ददरा बाजार में तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से मृत्यु हो गई। हादसे में बाइक पर सवार उसका मामा भी घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्वजन रोने बिलखने लगे। जानकारी के अनुसार कूड़ी गांव निवासी अंकित पुत्र रामदुलार का ननिहाल ग्राम ददरा के भैसाखास कस्बे में है। अंकित बाहर काम करता था और गुरुवार को ननिहाल आया था। रात में वह अपने मामा बलिराम यादव के साथ किसी कार्य से बाइक से ददरा बाजार गया था। लौटते समय ददरा बाजार में विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने अनियंत्रित होकर बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से अंकित और उसके मामा बलिराम यादव घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर 108 एंबुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद अंकित को मृत घोषित कर दिये। हादसे में मामा को हल्की चोटें आई है। मलहम पट्टी करके चिकित्सकों ने मामा को घर के लिए छोड़ दिया। बताया जाता है ट्रक चालक, ट्रक को छोड़कर फरार हो गया।मृतक दो भाईयों में बड़ा है। इसी वर्ष उसकी शादी हुई थी। सूचना पर पहुंची राजगढ़ पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और ट्रक चालक के संबंध में कार्रवाई शुरू कर दी। इस संबंध में राजगढ़ थाना प्रभारी बालमुकुंद मिश्रा ने बताया कि ट्रक की चपेट में आने से एक युवक की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

चार अंतर्जनपदीय शातिर चोर गिरफ्तार

आजमगढ़। बंद मकानों की रेकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले चार अंतरजनपदीय शातिर आरोपितों को पवई पुलिस, एसओजी और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से करीब 5.50 लाख रुपये कीमत के 14 सोने और 22 चांदी के आभूषण, 14 हजार रुपये नकद, एक तमंचा व कारतूस, चोरी में प्रयुक्त हरे रंग का टेंपो और दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में आरोपितों ने आजमगढ़ के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई चार चोरी की घटनाओं में शामिल होने की बात स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार 12 सितंबर को पवई थाना क्षेत्र के नाटी गांव निवासी उमाशंकर अपनी पत्नी के साथ अंत्येष्टि में शामिल होने गए थे, जबकि उनके बच्चे स्कूल गए थे। इसी दौरान चोरों ने सुनसान घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण, करीब 10 हजार रुपये नकद तथा जमीन संबंधी महत्वपूर्ण कागजात चोरी कर लिए थे। मामले में पवई थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देश पर घटना के अनावरण के लिए पवई पुलिस के साथ एसओजी और सर्विलांस की संयुक्त टीमें गठित की गई थीं। इसी क्रम में 18 सितंबर की सुबह करीब पांच बजे मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर टीम ने अंबारी रोड पर बाघबहरा पुलिया से करीब 100 मीटर आगे घेराबंदी की। इस दौरान हरे रंग के टेंपो और दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान मोहम्मद अब्दुल्ला निवासी सठियांव, अम्बेश कुमार निवासी कुकुड़ीपुर सठियांव, आकाश कुमार निवासी गजाड़ा सठियांव और विकास सोनी निवासी सरायमीर के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे ऐसे मकानों की रेकी करते थे, जिनके मालिक या परिजन घर से बाहर गए हों अथवा मकान बंद हो। मौका मिलते ही ताला तोड़कर घर में प्रवेश कर आभूषण और नकदी चोरी कर लेते थे। पुलिस के अनुसार आरोपितों ने 24 जुलाई को कोतवाली क्षेत्र के आराजीबाग ब्रह्मस्थान, चार अगस्त को रौनापार के सुदनीपुर, 26 अगस्त को अहरौला के पकड़ी और 12 सितंबर को पवई के नाटी में चोरी की घटनाओं में संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने बताया कि चोरी किए गए माल को अंबेडकरनगर में बेचने की योजना बनाई जा रही थी। गिरफ्तारी के समय भी आरोपित रेकी के उद्देश्य से घूम रहे थे। मोहम्मद अब्दुल्ला के कब्जे से .315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ। चारों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमे दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

किराना स्टोर में 60 हजार की चोरी

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के दुधौरा बाजार में बीती रात चोरों ने एक किराना स्टोर को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर छत काटकर दुकान में घुसे और बिक्री के 50 हजार रुपये नकद समेत करीब 60 हजार रुपये का सामान चोरी कर ले गए। पीड़ित रामजियावन यादव निवासी समोधीपुर, थाना गौराबादशाहपुर ने 16 सितंबर बुधवार की शाम थाने में तहरीर देकर बताया कि उनकी किराना एवं जनरल स्टोर की दुकान थाना क्षेत्र के दुधौरा बाजार में दुकान है। 15 सितंबर, मंगलवार की देर रात चोरों ने छत काटकर दुकान में प्रवेश कर लिया।चोर दुकान में रखी बिक्री की रकम लगभग 50 हजार रुपये नकद और करीब 60 हजार रुपये कीमत का किराना सामान उठा ले गए। बुधवार को दुकान खोलने पहुंचे तो छत कटी देखकर होश उड़ गए। तहरीर पर पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर लिया गया है।

ऐतिहासिक भादो छठ मेला की तैयारियां तेज

जौनपुर। सरायख्वाजा क्षेत्र के में हर वर्ष आयोजित होने वाला ऐतिहासिक भादो छठ मेला इस बार 20 सितंबर, रविवार को लगेगा। मेले को लेकर दूर-दराज से दुकान लगाने वाले दुकानदारों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। मेला स्थल पर झूले, खिलौने और लकड़ी से बने घर-गृहस्थी के सामान की दुकानें सजने लगी हैं। मेले को लेकर प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियां शुरू कर दी हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार, सरायख्वाजा गांव के प्राचीन सूरज कुंड तालाब के समीप लगने वाले इस मेले में श्रद्धालु तालाब में स्नान-ध्यान करने के बाद पास स्थित मंदिर में दर्शन-पूजन करते हैं। लोगों की मान्यता है कि ऐसा करने से चर्म रोग समेत विभिन्न बीमारियों से राहत मिलती है। इसी आस्था के चलते हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं। भादो छठ मेले को किसान मेला भी कहा जाता है। यहां किसानों की जरूरत की सामग्री से लेकर बच्चों के खिलौने और घरेलू उपयोग की वस्तुएं तक उपलब्ध रहती हैं। लकड़ी से बने घर-गृहस्थी के सामान मेले का प्रमुख आकर्षण होते हैं। बच्चों और परिवारों के लिए झूले समेत मनोरंजन के अन्य साधन भी लगाए जाते हैं। मेले में दुकान लगाने के लिए शाहगंज, गोंडा, फैजाबाद समेत विभिन्न स्थानों से दुकानदार पहुंचते हैं। शनिवार से ही मेला स्थल पर दुकानें सजने लगी हैं और कई दुकानदार वहीं डेरा जमाए हुए हैं। दुकानदारों को इस वर्ष भी अच्छी बिक्री की उम्मीद है। सरायख्वाजा से सटे मनवल, सिद्दीकपुर, मल्हनी समेत आसपास के दर्जनों गांवों से हजारों लोगों के मेले में पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए सरायख्वाजा थाना पुलिस ने भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं।

वार्ड की व्यवस्थाओं को मुकम्मल कराने को ईओ से मिले सभासद

आजमगढ़। नगर पालिका परिषद आजमगढ़ के वार्ड संख्या-07 गुरुटोला की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर सभासद एवं जिला योजना समिति के सदस्य मोहम्मद अफजल ने अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार सिंह से मुलाकात कर जनहित के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने वार्ड की व्यवस्थाओं को मुकम्मल कराने के लिए मांग-पत्र सौंपते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

सभासद मो.अफजल ने वार्ड के विभिन्न मोहल्लों में टूटी नालियों की पट्टियों, क्षतिग्रस्त सीसी रोड एवं इंटरलाकिंग की मरम्मत और निर्माण कार्य सहित प्रकाश की व्यवस्था शीघ्र कराने की मांग रखी। उन्होंने बताया कि अनन्तपुरा में विज्ञान साहू के दुकान के पास, सम्मो माता मन्दिर के पास, राजेश अस्थाना, मुनीश अस्थाना, लल्लू सोनकर, बादामी सोनकर, गुरुटोला में लाडले, दिनेश पेंटर, फरीद अहमद के घरों के आस पास और कटरा त्रिमोहानी छोटी की दुकान के आस पास पटिया, सीसी रोड, मन्दिर-मस्जिद-गुरुद्वारा के पास नाली निर्माण व इंटरलाकिंग के लिए स्थान चिह्नित किए गए है। इन स्थानों पर सड़क व नालियों की पट्टियां टूटने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं, वार्ड के अधिकांश पोल पर लगी लाइट खराब हो चुकी है जिससे वार्ड के कई गालियों और सड़क अंधेरा छाया हुआ है, आगामी विजयदशमी औरत दीपोत्सव पर्व के मद्देनजर इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने अनन्तपुरा एवं गुरुटोला के विभिन्न स्थानों पर नाली निर्माण, पटिया एवं इंटरलाकिंग कार्य कराने के लिए स्थल भी चिह्नित कराए। साथ ही वार्ड में खुलेआम घूम रहे सूअरों की समस्या का मुद्दा उठाते हुए उन्हें पकड़वाने, सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई तथा विशेष स्वच्छता अभियान चलाने की मांग की। सभासद मोहम्मद अफजल ने कहा कि वार्डवासियों को बेहतर सड़क, नाली, सफाई एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन से जनहित से जुड़े कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने का आग्रह किया। ईओ ने संबंधित समस्याओं पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बैंक कर्मचारी ने क्यूआर कोड-बॉक्स लगाने के नाम पर वसूले 1900 रुपये

जिला संवाददाता(vol)

सकरन/सीतापुर। स्टेट बैंक शाखा सांडा में क्यूआर कोड और बॉक्स उपलब्ध कराने के नाम पर खाता धारक से 1900 रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। सकरन कस्बा निवासी कपड़ा व्यापारी नितिन जायसवाल ने बैंक कर्मचारी जैकी मिश्रा पर अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए शाखा प्रबंधक को शिकायत दी है। नितिन के मुताबिक उनकी दुकान का सीसी खाता और बचत खाता शाखा में संचालित है।

सीसी खाते का क्यूआर कोड व बॉक्स लगवाने के लिए उन्होंने 25 जुलाई को शाखा प्रबंधक को पत्र दिया था। इसके बाद बैंक से कर्मचारी जैकी मिश्रा उनके पास पहुंचे। आरोप है कि कर्मचारी ने आने से पहले पेट्रोल के नाम पर 200 रुपये ऑनलाइन मंगवाए। इसके बाद सीसी खाते का क्यूआर देने के बजाय बचत खाते का क्यूआर बना दिया। नितिन ने जब सीसी खाते का क्यूआर मांगा तो आरोप है कि कर्मचारी ने दोबारा बॉक्स और क्यूआर के नाम पर 1700 रुपये ऑनलाइन ले लिए। शिकायतकर्ता का कहना है कि बैंक की ओर से क्यूआर और बॉक्स निशुल्क उपलब्ध कराया जाता है, जबकि बॉक्स का 99 रुपये मासिक शुल्क खाते से कटता है। ऐसे में बॉक्स-क्यूआर के नाम पर रकम वसूलने को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। नितिन ने कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई और रकम वापस कराने की मांग की है। शाखा प्रबंधक सुरेंद्र कुशवाहा ने बताया कि शिकायत मिली है और उसे विभागीय अधिकारियों को भेजा गया है। अनुमति मिलने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जिला कार्यालय-यू.पी. को आपरेटिव फेडरेशन लि., जौनपुर

पत्रांक: पी.सी.एफ./धान खरीद 2026-27 एवं गेहूं खरीद 2027-28 हैण्डलिंग टेण्डर/1218-19 दिनॉक:-18.09.2026

निविदा ई-टेण्डरिंग की सूचना

मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान खरीद वर्ष 2026-27 एवं गेहूँ खरीद वर्ष 2027-28 में पी.सी.एफ. द्वारा जौनपुर में स्थापित धान/गेहूं क्रय केन्द्रो पर हैण्डलिंग कार्य हेतु हैण्डलिंग ठेकेदारो की नियुक्ति के सम्बन्ध में निविदायें यू.पी. ई-टेण्डर बेवसाईट **http://etender.up.nic.in** से डाऊनलोड कर दिनांक 18.09.2026 की अपराहन 01:30 बजे से अपलोड की जायेगी। निविदा प्रपत्र एवं समस्त जानकारी नियम व शर्ते उपरोक्त बेवसाईट पर उपलब्ध है। निविदाओं को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार टेण्डर कमेटी के पास सुरक्षित रहेगा।

(कृष्ण शिव देव सिंह)
जिला प्रबन्धक
पी.सी.एफ.-जौनपुर

मो.नं.- 8765984600 - jaunpurpcf@gmail.com

संक्षेप

बंटवारा व ईडब्लूएस का आवेदन अब हुआ ऑनलाइन

सोहावल-अयोध्या। आर्थिक आधार पर सवर्ण कैटिगरी के लिए सरकार ने 10 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की है। इसके लिए प्रमाण पत्र तहसील स्तर से जारी होता है। अब तक इसका आवेदन मैन्युअल दस्तावेजी फाइल के आधार पर राजस्व विभाग के अधिकारी और कर्मचारी करते आए हैं। इसी तरह राजस्व विभाग में भूमि बंटवारे की फाइल भी मैन्युअल तैयार कर धारा 116 के तहत उप जिलाधिकारी के यहां आवेदन किया जाता था। अब इन दोनों आवेदन को शासन के निर्देश पर आनलाइन कर दिया गया है। आवेदक को अपने सारे डाक्यूमेंट्स जन सेवा केंद्र के माध्यम से निर्धारित पोर्टल पर आवेदन के रूप में डालना होगा। जो पोर्टल के माध्यम से क्षेत्रीय लेखपाल के पास रिपोर्ट के लिए जाएगा। लेखपाल की रिपोर्ट संबंधित विभाग के अधिकारियों से होते हुए उप जिलाधिकारी कार्यालय तक पहुंचेगी। सारे हस्ताक्षर और रिपोर्ट डिजिटल होंगे। आवेदक को प्रमाण पत्र की कापी उसी जन सेवा केंद्र से निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध कराई जायेगी। तहसीलदार प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि शासन के निर्देश पर दोनों आवेदन अब आनलाइन लिए जाएंगे।

वन्यजीव संरक्षण के लिए वाइल्डलाइफ एसओएस को सौंपी दो एम्बुलेंस

जिला संवाददाता

मथुरा। इंडियनऑयल की मथुरा रिफाइनरी ने वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए शुक्रवार को संस्था वाइल्डलाइफ एसओएस (एलिफेंट कंजर्वेशन एंड केयर सेंटर, फरह, मथुरा) को दो विशेष रूप से डिजाइन की गई एम्बुलेंस प्रदान की हैं। ये एम्बुलेंस संकट में फंसे, घायल एवं अस्वस्थ वन्यजीवों के सुरक्षित व त्वरित रेस्क्यू तथा परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। वाइल्डलाइफ एसओएस विगत कई वर्षों से वन्यजीवों के रेस्क्यू, उपचार और पुनर्वास के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। संस्था हाथियों के अलावा भालू, तेंदुए, मगरमच्छ, सांप और अन्य वन्यजीवों को बचाने तथा उनके स्वास्थ्य सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है। मथुरा रिफाइनरी द्वारा प्रदान की गई इन विशेष एम्बुलेंस में रेस्क्यू किए गए वन्यजीवों को सुरक्षित रूप से उपचार एवं पुनर्वास केंद्र तक पहुंचाने के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन वाहनों में

मथुरा रिफाइनरी की पहल

प्राथमिक चिकित्सा उपकरण, पशुओं की सुरक्षित हैंडलिंग, परिवहन के दौरान आवश्यक चिकित्सा सहायता तथा उपयुक्त तापमान बनाए रखने जैसी व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। यह वाहन सड़क दुर्घटनाओं या मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति में घायल वन्यजीवों को समय पर रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे।

बुधवार उक्त कार्यक्रम के दौरान कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख, मथुरा रिफाइनरी मुकुल अग्रवाल ने कहा, मथुरा रिफाइनरी समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वन्यजीव हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनका संरक्षण पर्यावरणीय संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है। वाइल्डलाइफ एसओएस द्वारा घायल एवं संकटग्रस्त जीवों के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। हमारी ओर से प्रदान की गई ये एम्बुलेंस वन्यजीवों को समय पर चिकित्सा सहायता और सुरक्षित परिवहन उपलब्ध कराने में सहायक होंगी। यह पहल हमारे सतत भविष्य और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प का ही हिस्सा है मथुरा रिफाइनरी इससे पहले भी वाइल्डलाइफ एसओएस के शेल्टर विकास और अन्य पशु-देखभाल सुविधाओं के लिए सहयोग प्रदान करती रही है। रिफाइनरी और वाइल्डलाइफ एसओएस के बीच यह दीर्घकालिक साझेदारी पर्यावरण संरक्षण एवं वन्यजीव कल्याण के प्रति इंडियनऑयल की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उल्लास में डूबा बरसाना, श्रीजी के दर्शन को उमड़ने लगी भक्तों की भीड़; सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मथुरा। राधाष्टमी के महापर्व को लेकर बरसाना पूरी तरह सज चुका है और श्रीजी के प्राकट्य उत्सव की पूर्व संध्या शुक्रवार से ही बरसाना में बधाइयों के स्वर गूंजने लगे हैं। मंदिर और आसपास के क्षेत्रों में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगातार बढ़ने लगी है।

राधाष्टमी के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने शुक्रवार सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पूरे क्षेत्र को जोन और सेक्टर में बांटा गया है, जहां मजिस्ट्रेट और पुलिस बल मुस्तैद रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था में सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम की अहम भूमिका रहेगी, जिससे मंदिर परिसर, प्रमुख बाजारों और प्रवेश मार्गों पर पैनी नजर रखी जाएगी। प्रमुख स्थानों पर बैरियर लगाए गए हैं और श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से मंदिर तक पहुंचाने व वापस भेजने के लिए निर्धारित मार्गों का पालन कराया जा रहा है।

डीएम चंद्रप्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने अधिकारियों के साथ बैठककर और पैदल निरीक्षण करते हुए पार्किंग और होल्डिंग एरिया में वाहनों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित मार्गों का ही प्रयोग करें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करें।

कड़ी मेहनत लगन और सही दिशा से ही मिलती है सफलता: राजेश गुनावत

फिरोजाबाद। सफलता का मार्ग अधिकारियों के संग श्रृंखला के अंतर्गत ट्रैनी आईपीएस राजेश गुनावत ने महावीर दिगम्बर जैन इंटर कॉलेज, सिरसागंज पहुंचकर छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में करीब 100 छात्र-छात्राएं प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए, जबकि 3000 से अधिक विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए ट्रैनी आईपीएस राजेश गुनावत ने कहा कि जीवन में किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए निरंतर और कठोर परिश्रम के साथ समर्पण जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से विद्यालय में पढ़ाए जाने वाले सभी विषयों को पूरी जिज्ञासा ध्यान और लगन के साथ समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सिविल सर्विसेज में करियर बनाने का सपना देखने वाले युवाओं को अपने आसपास के वातावरण को समझना भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को सामान्य जागरूकता एवं समसामयिक विषयों की जानकारी बेहद महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ने की आदत डालने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि एक सफल नागरिक बनने के लिए समाज और अपने आसपास के वातावरण को समझना भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत लगन और सही दिशा से ही किए गए प्रयासों से ही मनचाही मंजिल हासिल की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक मुदिता पाण्डे सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

गांजा बरामद, अभियुक्त गिरफ्तार

टूंडला। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद आदित्य लांग्हे के निर्देशन में वांछित एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना टूंडला पुलिस ने एक आरोपी को 1 किलो 221 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर थाना टूंडला पुलिस टीम ने जरौली कला बंबा से जरौली कट की ओर जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी कर भीमा उर्फ भीमसैन पुत्र कालीचरन निवासी ग्राम दिनौली थाना टूंडला को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1 किलो 221 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बरामदगी के संबंध में आरोपी के खिलाफ थाना टूंडला में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध टूंडला,शिकोहाबाद,नारखी तथा आगरा के ट्रांस यमुना थाने में चोरी, बरामदगी,आर्म्स एक्ट गैंगस्टर एक्ट एवं अन्य धाराओं से संबंधित पूर्व के कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उसके आपराधिक इतिहास की जांच जारी रखने की बात कही है।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की 110वीं बोर्ड बैठक संपन्न

मथुरा। गीता शोध संस्थान, वृंदावन स्थित यीडा के क्षेत्रीय कार्यालय के सभागार में मंडल आयुक्त नगेंद्र प्रताप की अध्यक्षता में मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की 110वीं बोर्ड बैठक संपन्न हुई। बैठक में जनपद के विकास और सुव्यवस्थित शहरीकरण से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

स्वीकृत प्रस्तावों में मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण / नए शहर प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत तहसील छाता के ग्राम छाता में लगभग 116 हेक्टेयर भूमि पर प्रस्तावित आवासीय योजना के लिए भूमि का उपयोग कृषि से आवासीय में परिवर्तित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई।

इस योजना के लिए प्राधिकरण द्वारा अब तक लगभग 98 हेक्टेयर भूमि अर्जित की जा चुकी है। वहीं छाता में प्रस्तावित टाउनशिप के ड्राफ्ट ले-आउट का मल्टीमीडिया प्रस्तुतीकरण किया गया। ले-आउट में मानकों के अनुरूप भूखंड, ग्रुप हाउसिंग, कमर्शियल, सामुदायिक उपयोग, मास्टर प्लान रोड और हरित क्षेत्र का प्रावधान किया गया है। मंडल आयुक्त ने इसमें एक बड़े सेक्टर पार्क का प्रावधान करने के भी निर्देश दिए।

इन सबके अलावा विकास क्षेत्र में निरंतरता और नियोजन में एकरूपता लाने के उद्देश्य से कुल 93 नए गांवों को मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की सीमा में शामिल किए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदन दिया गया। इस संबंध में शासन स्तर से स्वीकृति के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।बैठक में प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी नागप्पन, नगर आयुक्त ओजस्वी राज, सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा, सचिव आशीष सिंह, सह नगर नियोजक श्रीमती स्मिता निगम, अधिशासी अभियंता प्रशांत गौतम, तथा बोर्ड सदस्य के रूप में डॉ. डी.एस. गौतम, नवीन मित्तल और भुवन कमल आदि उपस्थित रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया रक्तदान, समाज को दिया प्रेरणादायक संदेश

मथुरा। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं के.एम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चैधरी ने शुक्रवार केएम अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान कर मानव सेवा और सामाजिक सरोकार की एक अनूठी और प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। उनके इस सराहनीय कदम की चहुंओर प्रशंसा हो रही है।संदेश देते हुए उन्होंनें कहा कि रक्तदान महादान है, जो किसी के जीवन में नई उम्मीद जगा सकता है। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं और नागरिकों से अपील की कि वे इस नेक कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और जरूरतमंदों की जिंदगी बचाने में अपना योगदान दें। जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज को जागरूक किया गया। उन्होंने संदेश दिया कि आपका एक कदम किसी जरूरतमंद के जीवन में नई उम्मीद जगा सकता है। उन्होंने जनता से अपील कि जनता से रक्तदान शिविरों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर केएम विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉक्टर एनसी प्रजापति प्रो वाइस चांसलर एवं मेडिकल डीन डॉक्टर शरद अग्रवाल सहित केएम अस्पताल की जनरल मैनेजर स्वाति शर्मा मौजूद रही।

स्वच्छता से गांधी के सपनों का भारत निर्माण करें

अयोध्या। शुक्रवार को स्वच्छता माह के अवसर पर मण्डल के अधीक्षक डाकघर मनोज कुमार श्रीवास्तव ने प्रधान डाकघर व मण्डल कार्यालय के अधिकारियों कर्मचारियों को हरी झण्डी दिखाकर जागरूकता रैली निकाली सफाई इस दौरान अधीक्षक डाकघर मनोज कुमार ने कहा कि आज अपने आसपास तथा कार्यालय में प्रतिदिन सफाई किया जाना आवश्यक है अपने आसपास की स्वच्छता से ही स्वच्छ भारत का संकल्प पूरा किया जा सकेगा। इस अवसर पर मनोज कुमार ने कार्यालय की सुंदरता को सवारने के लिए एक एक कर्मचारी को मार्ग दर्शित करते हुए कहा कि भारत को स्वच्छ रखकर महात्मा गांधी के सपनों के भारत का निर्माण होगा। हम सब को खुद को स्वच्छ रखते वालों तथा बीमारी से लड़ने के लिए जागरूक करने की आवश्यकता है।

अपर निदेशक ने पोस्टमार्टम हाउस व सीएमओ कार्यालय का किया निरीक्षण

फिरोजाबाद। अपर निदेशक चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आगरा मंडल आगरा डॉ.मंजू सचान ने शुक्रवार को जिला चिकित्सालय स्थित पोस्टमार्टम हाउस तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों स्थानों पर स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। पोस्टमार्टम हाउस के निरीक्षण के दौरान समस्त व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

निरीक्षण में यह भी पाया गया कि मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम निर्धारित समय सीमा के भीतर एवं नियमानुसार किया जा रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम हाउस के बाहर कूड़ा पड़ा मिलने पर अपर निदेशक ने नाराजगी व्यक्त करते हुए उसकी तत्काल साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं एसएनएम चिकित्सालय डॉ.नवीन जैन को परिसर के बाहर साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद अपर निदेशक ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया।

यहां कार्यालय की व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलने के साथ ही साफ-सफाई व्यवस्था भी गुणवत्तापूर्ण पाई गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोल्ड चेन का भी जायजा लिया तथा वैक्सीन के रख-रखाव की स्थिति देखी। सभी वैक्सीन निर्धारित मानकों के अनुरूप फ्रिज में सुरक्षित रखी मिलीं।निरीक्षण के दौरान डॉ.मंजू सचान ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए सभी कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन समयबद्ध एवं नियमानुसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ-सफाई स्वास्थ्य सेवाओं और वैक्सीन के सुरक्षित रख-रखाव सहित सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने पर जोर दिया।

भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं का प्राथमिकता से होगा समाधान: संजय मिश्रा

ललितपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को जिला सैनिक बंधु की बैठक अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) संजय मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में भूतपूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों एवं वीर नारियों की समस्याओं को सुना गया। संबंधित विभागों के अधिकारियों को लंबित समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। बैठक के प्रारंभ में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल आशीष अहलूवालिया (अ.प्रा.) ने अपर जिलाधिकारी संजय मिश्रा का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा भूतपूर्व सैनिकों, दिवंगत सैनिकों की पत्नियों तथा उनके आश्रितों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया से भी अवगत कराया। बैठक में पूर्व में आयोजित सैनिक बंधु की बैठक में उठाई गई समस्याओं एवं उनके क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान कुछ प्रकरणों का निस्तारण हो चुका पाया गया, जबकि कुछ मामले अभी लंबित मिले। इस पर अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित मामलों का अतिशीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और सैनिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। अपर जिलाधिकारी संजय मिश्रा ने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों एवं वीर नारियों की समस्याओं के समाधान को प्रशासन प्राथमिकता देता है। उन्होंने उपस्थित सैनिकों से कहा कि वे जिला सैनिक बंधु की बैठक में अपनी समस्याओं को बेझिझक रखें। प्रशासन की ओर से उनके प्रकरणों का नियमानुसार एवं न्यायसंगत समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सैनिकों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करते हुए लंबित प्रकरणों को समयबद्ध ढंग से निस्तारित किया जाए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक, उनके आश्रित एवं वीर नारियां उपस्थित रहीं।

विद्यालय में पौध रोपण कर डीएम ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

फिरोजाबाद। सेवा मेरा योगदान अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय वजीरपुर जेहलपुर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य ने अधिकारियों और विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस दौरान जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों को वृक्षों के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रकृति के संरक्षण के साथ सकारात्मक एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से सेवा मेरा योगदान अभियान से जुड़कर अपनी पसंद की किसी एक सेवा गतिविधि में सहभागी बनने तथा कम से कम 25 मिनट श्रमदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से सेवा की भावना को मजबूत करते हुए समाज और राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक अपनी भूमिका निभा सकता है।कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य ने विद्यालय का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने छात्रावास का जायजा लेते हुए विद्यार्थियों के रहने, स्वच्छता, पेयजल, भोजन सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को विद्यार्थियों के लिए छात्रावास में स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों की सुविधाओं तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर बनाए रखने और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के भोजनालय कक्ष में विद्यार्थियों को परोसे जा रहे दोपहर के भोजन की गुणवत्ता भी परखी। भोजन में मिक्स सब्जी मिक्स दाल रोटी और चावल शामिल थे,जिसकी गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई।इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी राजमती, रविन्द्र सिंह भदौरिया एसडीओ वन विभाग अविनाश सिंह क्षेत्रीय वन अधिकारी फिरोजाबाद मोहित कुमार उप क्षेत्रीय वन अधिकारी फिरोजाबाद प्रधानाचार्य उमेश कुमार सहित विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

पुलिस ने शटर चोरी करने वाले आरोपित को किया गिरफ्तार, सामान व बाइक बरामद

जिला संवाददाता

मथुरा। थाना मगोर्रा पुलिस टीम ने दुकान का शटर तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम देने वाले एक शातिर अभियुक्त को चोरी के माल और बिना नंबर की बाइक सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

थानाध्यक्ष अजय कुमार सिंह (थाना मगोर्रा), उपनिरीक्षक अवन कुमार (चैकी प्रभारी जाजनपट्टी) आगरा कैनाल बंधपुरा पुल, मथुरा-भरतपुर रोड पर चैकिंग अभियान चलाए हुए थे कि इसी दौरान बिना नम्बर की बाइक आती दिखाई दी। पुलिस ने संदिग्ध मानते हुए कपिल उर्फ गूंगा (पुत्र ज्ञान सिंह) है, जो मूल रूप से नगला चंदन, थाना ढोलना, जिला कासगंज का रहने वाला है तथा वर्तमान में ट्रांसपोर्ट नगर मंडी चैराहा, थाना हाईवे, मथुरा में निवास कर रहा है। आरोपित की जब तलाशी ली गई तो पुलिस ने उसके कब्जे से 1 पैकेट गोल्ड फ्लैक सिगरेट, 1 पैकेट कैपस्टन सिगरेट और घटना में प्रयुक्त एक बिना नंबर की बाइक बरामद की है।

थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध थाना मगोर्रा में मु.अ.सं. 272/2026, धारा 305, 331(4), 317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आरोपित में शटर तोड़कर कर चोरी करने की घटनाओं को स्वीकार किया है। इस सराहनीय कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में

थानाध्यक्ष अजय कुमार सिंह (थाना मगोर्रा), उपनिरीक्षक अवन कुमार (चैकी प्रभारी जाजनपट्टी), हेड कांस्टेबल 858 गिरीश चंद और आरक्षी 374 विशाल कुमार शामिल रहे।

एआई प्लेटफॉर्म लिटिलिलिंगोस ने जीता प्रथम पुरस्कार

मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा में शुक्रवार को यूपी राइज 2026 कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 800 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। युवाओं को नौकरी ढूंढने वाले की बजाय जॉब क्रिएटर (स्वरोजगार/उद्यमी) बनाने के लिए प्रेरित करना और स्टार्टअप फंड व सरकारी योजनाओं की जानकारी देना। प्रस्तुत 25 आइडिया में से 8 शॉर्टलिस्ट हुए। एआई आधारित इंग्लिश लर्निंग प्लेटफॉर्म लिटिलिलिंगोस ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 25,000 रुपये का पुरस्कार जीता।

वहीं, फिटेड और धृतम (कवच एक्स) संयुक्त रूप से उपविजेता रहे। खदानों और सुरंगों के लिए दक्ष डायनामिक्स द्वारा बनाया गया स्वदेशी रोबोडॉग और नमस्ते एआई जैसे इन्नोवेशन छाए रहे। यह अभियान उत्तर प्रदेश के 25 शहरों के 30 प्रमुख कॉलेजों तक पहुंचेगा, जिसका अगला कार्यक्रम 21 सितंबर 2026 को बरेली के इनवर्टिस विश्वविद्यालय में होगा।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

मथुरा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में राष्ट्रीय एड्स एवं यौन संचारित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एक जिला स्तरीय प्रशिक्षण-सह-संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

चिकित्सा अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों को एचआईवी की रोकथाम, जांच, उपचार, टीबी-एचआईवी समन्वय और 95-95-99 के निर्धारित लक्ष्यों की विस्तृत जानकारी व व्यावहारिक प्रशिक्षण देना। कार्यशाला के दौरान एचआईवी-एड्स के प्रबंधन, सिफलिस रोकथाम, एंटी रेट्रोवायरल उपचार, वायरल लोड की निगरानी और मां से बच्चे में संक्रमण रोकने पर विशेष चर्चा हुई। एचआईवी एवं एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के तहत प्रभावित लोगों के अधिकारों के संरक्षण और उनके साथ होने वाले भेदभाव को रोकने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा बल्लभ, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव सहित कई स्वास्थ्य अधिकारी और विभिन्न विभागों के समन्वयक उपस्थित रहे।

फ्री की मानसिकता

देश में आर्थिक सुधारों का सूत्रपात 1991 में तब हुआ था जब समाजवादी टाइप वाली व्यवस्था के कारण देश दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गया था। समाजवाद की फ्री वाली सियासत ने देश को गरीबी, भ्रष्टाचार और भुखमरी की हद तक आर्थिक असमानता दी थी। दरअसल गरीबी में समाजवाद मीठे और गुलाबी सपनों के जैसा होता है, लेकिन हकीकत इसके सौ फीसद उलट होती है। बहरहाल समाजवाद पर चर्चा करना यहां विषयांतर होगा इसलिए मुद्दे पर लौटते हैं। आर्थिक सुधारों ने देश को गरीबी से निकाला, करोड़ों-करोड़ नौकरियां दी, गांवों तक समृद्धि पहुंची, लेकिन आर्थिक सुधारों के तीन दशक बाद भी देश में ऐसे लोगों की संख्या बहुत अधिक है, जो फ्री की मोहमाया से नहीं निकल पाये। सवाल है कोई चीज फ्री कैसे हो सकती है? यूपीआई के मामूली चार्ज पर खूब समाधन मचा है। लेकिन अगर यूपीआई चार्ज नहीं लेगा तो कैसे चलेगा? इसको चलाने वाले इंजीनियर, प्लेटफॉर्म मेंटीनेंस आदि का खर्चा कैसे निकलेगा? अगर फ्री रहेगा तो सरकार अपने बजट से पैसा देगी, जो पैसा सरकार देगी वह भी तो अंततः जनता का ही पैसा है। ऐसे में अगर मामूली चार्ज लगाकर यूपीआई की लागत निकाला जाता है, तो इसमें गलत क्या है? लेकिन देश में ऐसे नेताओं की कमी नहीं है जो यूपीआई चार्ज पर सियासी रोटियां सेंक रहे हैं। यही तथाकथित जनहितैषी ऑनलाइन भुगतान का विरोध करते थे। यह दरअसल ऐसी विध्वंसक सियासत है, जो देश को गर्त में ले जाती है। कांग्रेस आर्थिक सुधारों की सूत्रपात रही है, वही कांग्रेस आज यूपीआई चार्ज का विरोध कर रही है। यूपीआई एवं सेवा संचालन समिति ने 2,000 रुपये से अधिक के पर्सन-टु-मर्चेंट यानी किसी ग्राहक द्वारा दुकानदार या कारोबारी को यूपीआई से भुगतान पर 0.4 फीसदी मर्चेंट

डिस्काउंट रेट (एमडीआर) निर्धारित कर दी है। 75,000 रुपये और उससे अधिक के लेनदेन के लिए एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 रुपये तय की गई है। हालांकि, ग्राहकों को एमडीआर नहीं देना है और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को (पर्सन-टु-पर्सन) भुगतान पर शुल्क नहीं देना होगा। समिति ने मंगलवार को ये दरें तय की हैं। यह निर्णय केंद्र सरकार की तरफ से जारी उस अधिसूचना के बाद लिया गया है जिसमें बैंकों और दूसरे व्यवस्था प्रदाताओं को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भुगतान करने या लेने वाले व्यक्ति पर सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी शुल्क लगाने से रोक दिया गया है। यह रोक खास तौर पर रुपे सक्षम डेबिट कार्ड और 2,000 रुपये तक के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन के लिए है। इसका आशय यह है कि बैंक और दूसरे सेवा प्रदाता अब इस निर्धारित सीमा से अधिक के यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगा सकेंगे। सरकार ने यह अधिसूचना कराधान एवं अन्य कानून (संशोधन) विधेयक बिल, 2026 के पारित होने के बाद जारी की है। इस विधेयक ने भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम 2007 में बदलाव कर इसे मुमकिन बनाया है। विधेयक के पारित होने के बाद इस बात पर बहस छिड़ गई कि क्या यूपीआई से लेनदेन पर शुल्क लगाया जाना चाहिए। सच तो यह है कि यूपीआई पिछले दशक में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक है। इसने भुगतान प्रणाली में क्रांति ला दी है, खासकर ग्रामीण इलाकों में तो काफी मदद मिली है। वर्ष 2016-17 और वर्ष 2025-26 के बीच सालाना लेनदेन की मात्रा 188 फीसद की दर से बढ़ी है। इसी दौरान औसत लेनदेन मूल्य में 155 फीसदी की दर से बढ़ोत्तरी हुई है। यह प्रणाली रोजाना औसतन 66 करोड़ लेनदेन संभालती है। वर्ष 2025 में दुनिया भर में वास्तविक समय में भुगतान से जुड़े लेनदेन की मात्रा में यूपीआई की हिस्सेदारी लगभग 49 फीसदी थी। क्या इतनी बड़ी व्यवस्था को हमेशा फ्री में चलाया जाना ठीक है? इससे तो यूपीआई व्यवस्था कमजोर होगी। इसलिए यह सुरक्षित और मजबूत विकल्प बना रहे इसके लिए जरूरी है कि यूपीआई आर्थिक रूप से भी मजबूत रहे ताकि यूपीआई तकनीक में जरूरी सुधार होते रहें।

विचार

किसी भी प्रकार की गरीबी हमारा ईश्वर से उचित संबंध जोड़ देती है। जबकि मन या धन की अमीरी हमारा सबसे विच्छेद कर देती है।

-फ्रैंक कासले.

किसी से घृणा मत करो। सबको हृदय से लगाओ। घृणित वह नहीं है जिससे घृणा की जाती है किन्तु घृणित वह है जो घृणा करते हैं, क्योंकि उसके ही हृदय में घृणा भरी है।

-भगवान महावीर.

चिता मृत मनुष्य को एक ही बार जलाती है, परन्तु चिंता जीवित मनुष्य को रह रहकर जलाती है।

-वैनिंग.

संयम और परिश्रम मनुष्य के दो सर्वोत्तम चिकित्सक हैं। परिश्रम से भूख तेज होती और संयम अति भोग से रोकता है।

-रूसो.

जब तक मन नहीं जीता जाता और राग-द्वेष शांत नहीं होते, तब तक मनुष्य इन्द्रियों का गुलाम बना रहता है।

-विनोबा भावे.

समान नागरिक संहिता का इतना विरोध क्यों?

अरविन्द जयतिलक

सामयिक

> एक ओर संविधान की रक्षा की बात करते हैं, संविधान को हाथ में लेकर चलते हैं, बाबा साहब आंबेडकर की दुहाई देते हैं और दूसरी ओर संविधान के प्रावधानों को लागू होने के खिलाफ हैं। जबकि वे अच्छी तरह जानते हैं कि समान नागरिक संहिता एक पंथनिरपेक्ष विधि है जो सभी धर्मों के लोगों के लिए समान रूप से लागू होता है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए शासित सभी 21 राज्यों में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कर दिया जाएगा। गृहमंत्री के इस ऐलान के बाद न सिर्फ विपक्षी दलों बल्कि एनडीए के सहयोगी दलों के बीच से भी ऐतराज के स्वर फूटने लगे हैं। किस्म-कस्म के कुतर्क और प्रतिवाद गढ़े जाने लगे हैं। वैसे पहली बार नहीं है जब यूनिफॉर्म सिविल कोड के खिलाफ वितंडा खड़ा किए जाने की कोशिश हो रही है। याद होगा कि स्वाधीनता दिवस के 78 वीं सालगिरह पर जब लाल किले के प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लिए सेक्युलर सिविल कोड की जरुरत पर बल दिया था उस दरम्यान भी विरोध के बोल ऊंचे हुए थे। यह प्रवृत्ति देशहित में नहीं है। सबके लिए समान कानून होना चाहिए।

मौजूदा समय में देश में विवाह, तलाक, गोद लेने, उत्तराधिकार और संपत्ति के मामले में हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध के पर्सनल मामले हिंदू विवाह अधिनियम से चलते हैं। लेकिन मुसलमानों, ईसाइयों और पारसियों के लिए अलग पर्सनल लॉ हैं। एक सेकुलर देश में इस तरह के कानून कहीं से भी एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के स्वरुप को रेखांकित नहीं करते हैं। ऐसे में अगर देश के गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूनिफार्म सिविल कोड की जरुरत पर बल देते हैं तो यह उचित ही है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि तुष्टीकरण में जुटे तमाम सियासी दलों को यह भावना रास नहीं आ रही है। वे किस्म-किस्म के कुतर्कों के जरिए देश में यूनिफार्म सिविल कोड का विरोध कर रहे हैं। मजेदार बात यह कि एक ओर संविधान की रक्षा की बात करते हैं, संविधान को हाथ में लेकर चलते हैं, बाबा साहब आंबेडकर की दुहाई देते हैं और दूसरी ओर संविधान के प्रावधानों को लागू होने के खिलाफ हैं। जबकि वे अच्छी तरह जानते हैं कि समान नाग७रिक संहिता एक पंथनिरपेक्ष विधि है जो सभी धर्मों के लोगों के लिए समान रुप से लागू होता है। वे यह भी जानते हैं कि 23 नवंबर, 1948 को इस मसले पर संविधान सभा में बहस हुई और भारत के पहले कानून मंत्री और संविधान निमार्ता बाबा साहब आंबेडकर ने बहस करते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की वकालत की। डा0 आंबेडकर ने तर्क दिया कि समान नागरिक

संहिता की अनुपस्थिति सामाजिक सुधारों में सरकार के प्रयासों में बाधा उत्पन करेगी। डा0 आंबेडकर के अलावा के एम मुंशी और अल्लादि कृष्णास्वामी अय्यर जैसे अनेक संविधानविद् भी चाहते थे कि देश में समान नागरिक संहिता लागू हो। के एम मुंशी ने कहा कि ह्यपूरे देश के लिए एक समान संहिता क्यों न हो। 'अल्लादि कृष्णास्वामी अय्यर ने समान नागरिक संहिता पर बल देते हुए कहा कि ह्यजब अंग्रेजों ने इस देश पर अधिकार किया और कहा कि वे संपूर्ण देश के लिए एक ही आपराधिक कानून बना रहे हैं तब उसका विरोध क्यों नहीं किया गया।' भारत का संविधान राज्य के नीति निर्देशक तत्व में सभी नागरिकों को समान नागरिकता कानून सुनिश्चित करने के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करता है। संविधान का अनुच्छेद 44 इस धारणा पर आधारित है कि सभ्य समाज में धर्म व वैयक्तिक विधि में कोई संबंध नहीं होता है।

अतः समान नागरिक संहिता बनाने से किसी समुदाय के सदस्यों के अनुच्छेद 25, 26 व 27 के अधीन प्रतिभूत मूल अधिकारों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। विवाह, उत्तराधिकार और इस प्रकार की सामाजिक प्रकृति की बातें धार्मिक स्वतंत्रता से बाहर हैं और उन्हें विधि बनाकर विनियमित किया जा सकता है। ध्यान देने वाली बात यह कि विवाह एवं उत्तराधिकार संबंधी हिंदू विधि भी इस्लाम व ईसाइयों की भांति ही धर्मसम्मत है। फिर जब हिंदू समाज संविधान की भावना का सम्मान करते हुए एवं देश की एकता व अखंडता को बनाए रखने के लिए अपनी धार्मिक मान्यताओं का परित्याग कर दिया और उनका संहिताबद्ध किया गया तो अन्य धर्मावलंबियों एवं मतावलबियों को इस तरह के आचरण का पालन क्यों नहीं करना चाहिए। 1956 में हिंदू विवाह कानून, उत्तराधिकार कानून, नाबालिग व अभिभावक कानून और गोद लेने व गुजारा भत्ता कानून लागू कर दिया गया लेकिन अल्पसंख्यक समुदायों को इस परिधि में नहीं लाया गया। समान नागरिक संहिता का विरोध करने वाले लोगों को विचार करना चाहिए कि जब दुनिया के सभी आधुनिक देश जिनमें मुस्लिम देश भी शामिल हैं और वहां समान नागरिक संहिता लागू है तो फिर भारत में भी ऐसा कानून क्यों नहीं बनना चाहिए। सीरिया, ट्यूनिशिया, मोरक्को, पाकिस्तान, ईरान, बांग्लादेश तथा मध्य एशियाई गणतंत्र समेत अन्य कई और मुस्लिम देशों में वैयक्तिक विधि का संहिताकरण करके समान नागरिक संहिता को लागू किया गया है। मजेदार बात यह कि समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए देश की अदालतें भी अपनी सहमति की मुहर लगा चुकी हैं। सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस दीपक गुप्ता और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की पीठ कह चुकी है कि संविधान निमार्ताओं ने राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के तहत अनुच्छेद 44 के जरिए यह उम्मीद जतायी थी कि राज्य पूरे देश में समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करे। सरला मुद्गल बनाम भारत संघ मामले में भी सर्वोच्च अदालत कह चुका है कि संविधान के अनुच्छेद 44 पर नया दृष्टिकोण अपनाएं जिसमें सभी नागरिकों के लिए एक 'समान नागरिक संहिता' हो। जानवलामत्तम बनाम भारत संघ के ममाले में भी उच्चतम न्यायालय समान नागरिक संहिता के न बनाने को लेकर अपना दुख जता चुका है। न्यायमूर्ति कह चुके हैं कि संविधान को लागू हुए वर्षों गुजर गए और कई सरकारें आईं व गई फिर भी अनुच्छेद 44 में निहित संविधान के उक्त निदेश को कार्यान्वित करने के कर्तव्य का पालन किसी के द्वारा नहीं किया गया। दिल्ली उच्च न्यायालय भी समान नागरिक संहिता लागू करने की बात कह चुका है। न्यायमूर्ति प्रतिमा एम सिंह की पीठ ने दो टूक कहा कि विवाह, तलाक और संपत्ति के बंटवारे के संबंध में वैकल्पिक व्यवस्थाओं की मौजूदगी न्यायिक ढांचे के लिए चुनौती के साथ-साथ संविधान के प्रावधानों को लागू करने की राह में बाधा है। समान नागरिक संहिता के इतिहास में जाएं तो 1840 में ब्रिटिश राज में गठित समिति ने समान नागरिक कानून बनाने की वकालत की थी। 1985 में जब शाह बानो का सामने आया तो इसकी आवश्यकता महसूस की गयी।

शाह बानो एक 62 वर्षीय मुसलमान महिला और 5 बच्चों की मां थी जिन्हें 1978 में उनके पति ने तलाक दे दिया था। शाह बानों अपनी और अपने बच्चों की जीविका का कोई साधन न होने के कारण पति से गुजारा लेने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटायी। अदालत ने निर्देश दिया कि शाह बानो का निर्वाह-व्यय के समान जीविका दी जाए। लेकिन तत्कालीन राजीव गांधी की सरकार ने इस फैसले का पालन करने के बजाए संसद के जरिए फैसले को ही पलट दिया। मुस्लिम नेताओं ने 'ऑल इंडिया पर्सनल बोर्ड' नाम की एक संस्था बना ली और देश के सभी भागों में आंदोलन की धमकी दी। उस समय की सरकार कट्टरपंथियों के आगे झुक गई और अदालत की भावना का सम्मान करने के बजाए कट्टरपंथियों की मांग मानते हुए इसे धर्मनिरपेक्षता के उदाहरण के रूप में पेश की। यह रेखांकित करता है कि तत्कालीन सरकार ने तुष्टिकरण की सारी सीमाएं लांघ गयी। गौर करें तो शाह बानो ही नहीं बल्कि नूर शाबा खातून बनाम मोहम्मद कासिम के मामले में भी उच्चतम न्यायालय कह चुका है कि एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला को अपने बच्चों के लिए जब तक कि वे बालिग नहीं हो जाते है, पति से भरण-पोषण पाने का अधिकार है। क्या ऐसे में आवश्यक नहीं हो जाता है कि देश को एक यूनिफॉर्म सिविल कोड की जरुरत है।

सोशल मीडिया

मैं अपने भाई व यूएई के प्रेसिडेंट एचएच शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का उनके फोन काल और जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए शुक्र गुजार हूं।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री.

चिंतनशील मस्तिष्क

मानव मस्तिष्क अति चिंतनशील है। मस्तिष्क हमेशा चिंतन-मनन में लगा रहता है। महापुरुष ईसा ने कहा है- कल की चिंता मत करो। पर इसका वास्तविक मर्म बहुत कम लोग समझते हैं। आप कहेंगे काल की चिंता कैसे न करें? हमारा परिवार है, हमारे बच्चों की शिक्षा, वस्त्र, भोजन, मकान की विषम समस्याएं हैं। कल हमें उनके विवाह करने हैं? क्या रुपया एकत्रित किए बिना काम चलेगा? हमें बीमा पालिसी में रुपया जोड़ना चाहिए? हमारी आज नौकरी लगी है कल छूट भी सकती है, आज हम स्वस्थ हैं कल बीमार पड़ेंगे तो कैसे काम चलेगा? वृद्धावस्था में हमारा क्या होगा? इस प्रकार की बातें ठीक हैं। एक विचारशील मस्तिष्क में ये विचार आने चाहिए। हमारा सुझाव है कि आप कल के लिए अपने आपको शक्तिशाली बनाने के लिए, योग्यतर, स्वस्थ आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न होने के लिए नयी योजनाओं को कार्यान्वित करें। भावी जीवन के लिए जितना संभव हो तैयारी कीजिए। परिश्रम उद्योग मिलनसारी द्वारा समाज में अपना स्थान बनाइये। पर चिंता न कीजिए। योजना बनाकर दूरदर्शिता पूर्ण कार्य करना एक बात है, चिंता करना दूसरी बात है। चिंता से क्या हाथ आवेगा। जो रही सही शक्ति और मानसिक संतुलन है, वह भी नष्ट हो जायेगा। चिंता तो आपको उत्साह, शक्ति और प्रसन्नता से पंगु कर देगी। जिस कठिनाई या प्रतिरोध को आप अपनी वयक्तिगत शक्तियों से बखूबी जीत सकते थे। पर्वत सदृश कठिन प्रतीत होगी। चिंता आपके सामने एक ऐसा अंधकार उत्पन्न करेगी कि आपको उस महान शक्ति केन्द्र का ज्ञान न रह जायेगा। जो आदिकर्ता परमेश्वर ने आपके अंग-प्रत्यंग में छुपा रख है। युद्ध बीमारी दिवाला य दुखद मृत्यु के अंधकार पूर्ण रुदन में, शुभ चिंतन और अशुभ चिंतन में केवल यह अंतर है। अच्छा विस्तार वह है जो कार्य करण के फल को तर्क की कसौटी पर परखता है। दूर की देखता है और किस कार्य में भविष्य में क्या फल होगा, इसका संबंध देखकर भावी उन्नति की योनजाएं निर्माण करता है। सृजनात्मक विचार भवी निर्माण में पुरानी गलतियों की सजा के अनुभवों और संसार की कठोरताओं को देखभाल कर अपनी उन्नति के लिए योजना प्रदान करता है। अच्छे चिंतन में संग्रहित सांसारिक अनुभवों के बल उत्साह और आशा का शुभ आलोक है। कार्यनिष्ठा और साहस का बल है, शक्ति और कुशलता का पावन योग है। कार्य से भागकर नहीं, वरन गुत्थियों को सुलझाकर अपूर्व सहनशक्ति का परिचय देने का विधान है। बुरी विचारधारा का प्रारम्भ ही डर और घबराहट से होता है। कठिनाइयां आ रही हैं। हमें वह कार्य करना ही पड़ेगा, जो साधारणतः हमने नहीं किया है।

अंतर्दृष्टि

टैरिफ से कब तक डरायेगा अमेरिका

वीना गौतम

आखिरकार अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव ने भी 262-159 मतों से रूस के खिलाफ सेंशन बिल जिसका औपचारिक नाम 'लिंडसे ओ ग्राहम सैंशनिंग रसिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' है, पास कर दिया। अपर सदन ने इसे पहले ही 86-11 वोट से मंजूरी दे चुकी है। अब इसे ट्रंप के हस्ताक्षर के लिए व्हाइट हाउस भेज दिया गया है, ट्रंप के हस्ताक्षर होते ही यह कानून बन जायेगा। इसके बाद वह उन देशों पर रूस के साथ व्यापार करते हैं 500 फीसदी तक टैरिफ लगा सकते हैं। फिलहाल भारत तथा और कई देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाए जाने की धमकी चर्चा में है। हालांकि भारत ने अभी तक इस धमकी पर कोई पलटवार नहीं किया, लगातार चुप्पी बनाये रखी है, लेकिन धीमे से यह स्पष्ट भी कर दिया है कि हम अपनी ऊर्जा सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं करेंगे जहां हमें सस्ता तेल मिलेगा, हम खरीदेंगे। भारत को बेधडक अपने इस स्टैंड पर अड़े रहना चाहिए। हम पर तथाकथित अमेरिकी प्रतिबंध लग भी गया तो क्या हो जायेगा? हम कोई नमक की डली नहीं हैं कि अमेरकी टैरिफ की बूंदों से घुल जायेंगे। आखिर रूस और ईरान वर्षों से अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच जी रहे हैं न, तो भारत क्यों घबराए? वास्तव में असली सवाल टैरिफ से ज्यादा उस कूटनीतिक खेल का है, जिसमें व्यापार, तेल और भू-राजनीति एक ही शतरंज की बिसात पर आ गए हैं।

100 फीसदी टैरिफ का असली भयः अमेरिका ने भारत पर अभी 100 फीसदी टैरिफ लगा नहीं दिया है, अभी अमेरिकी कांग्रेस ने ऐसा कानून पारित किया है जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की शक्ति देता है। वास्तव में इस टैरिफ हंटर के पीछे छिपा संदेश कुछ और है। वॉशिंगटन केवल यह नहीं चाहता कि 'रूस से तेल मत खरीदिए', अमेरिका यह तय करने की कोशिश भी कर रहा है कि रूस के साथ किसी भी तरह के संबंध रखने की कीमत दुनिया के दूसरे देशों को भी चुकानी पड़े। भारत इस दबाव की सीधी जद में इसलिए आया है, क्योंकि हम रूसी कच्चे तेल के बड़े खरीदार हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों ने वैश्विक तेल व्यापार का नक्शा बदल दिया और भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों तथा बाजार की परिस्थितियों के आधार पर रूसी तेल खरीदना बढ़ाया। अमेरिका का तर्क है कि रूसी ऊर्जा खरीद से मॉस्को को राजस्व मिलता है और उस राजस्व का इस्तेमाल युद्ध के लिए किया जा सकता है। भारत का तर्क अलग है- भारत को अपने 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है और वह तेल खरीद को बाजार की परिस्थितियों तथा अलग-अलग स्रोतों के आधार पर तय करेगा।

लेकिन सवाल है भारत अमेरिका के इस रवैय्ये पर खुलकर पलटवार क्यों नहीं करता? क्या हममें अमेरिका को जवाब देने की क्षमता नहीं? ऐसा नहीं है अब भारत ने चुप्पी तोड़ दी है। हमारे विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी विधेयक पर प्रतिक्रिया देते हुए साफ कहा है कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, विविध स्रोतों से खरीद जारी रखेगा और अपने व्यापार तथा आर्थिक हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम

100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का कानून

उठाएगा। भारत ने यह भी कहा है कि उसने पिछले महीनों में अमेरिकी अधिकारियों के सामने इस मुद्दे के द्विपक्षीय रिश्तों और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर संभावित प्रभाव स्पष्ट रूप से रखे हैं। लेकिन दिल्ली ने वॉशिंगटन पर उसी भाषा में हमला नहीं किया, जिस भाषा में अमेरिकी राजनीति में टैरिफ की धमकी दी जा रही है। क्यों? क्योंकि कूटनीति में हर लड़ाई प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं लड़ी जाती। भारत के सामने एक साथ कई बिसातें हैं- अमेरिका के साथ व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी संबंध; रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा संबंध; पश्चिम एशिया की अस्थिरता, चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा

और अपनी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए ऊर्जा की जरूरत। ऐसे में दिल्ली शायद सार्वजनिक टकराव के बजाय बातचीत, विकल्प और प्रतिरोध- तीनों को एक साथ चलाने की रणनीति पर काम कर रही है। मगर सवाल है आखिर 100 फीसदी टैरिफ से कितना बड़ा पहाड़ टूटेगा? यदि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर वास्तव में 100 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाता है तो अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान की कीमत बढ़ सकती है। इससे निर्यातकों के मार्जिन पर दबाव आ सकता है, कुछ उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता घट सकती है और अमेरिकी आयातक वैकल्पिक आपूर्तिकताओं की तलाश कर सकते हैं। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। टैरिफ का भुगतान केवल भारत नहीं करता। अमेरिकी आयातक भी ऊंची कीमत चुकाता है। अमेरिकी उपभोक्ता तक उसका असर पहुंच सकता है। जिन उद्योगों को भारतीय उत्पादों की जरूरत है, उनके लिए आपूर्ति श्रृंखला महंगी हो सकती है। कहने का मतलब 100 फीसदी टैरिफ कोई ऐसा हथियार नहीं है जिसे चलाने पर केवल निशाना घायल होता है। यही वजह है कि कानून में शक्ति होना और उसका वास्तविक इस्तेमाल होना- दो अलग-अलग बातें हैं।

रूस और ईरानः रूस वर्षों से अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच अपनी अर्थव्यवस्था चला रहा है। ईरान भी लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करता आया है। लेकिन भारत की स्थिति अलग है। भारत पर प्रतिबंध ज्यादा असर डालेंगे कृये हमारे वित्तीय लेन-देन कठिन कर देंगे, बाजार सीमित कर देंगे, तकनीक और निवेश तक पहुंच प्रभावित हो सकती है और व्यापार की लागत बढ़ सकती है। लेकिन रूस और ईरान का अनुभव एक दूसरा सबक भी देता है, बड़े देश वैकल्पिक बाजार, वैकल्पिक भुगतान व्यवस्था और वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित करके दबाव को पूरी तरह खत्म न सही, लेकिन उसके प्रभाव को कम करने की कोशिश कर सकते हैं। भारत की स्थिति इसलिए थोड़ी अलग है क्योंकि भारत अमेरिकी बाजार से गहराई से जुड़ा है। इसलिए रूस या ईरान के अनुभव को हूबहू भारत पर लागू नहीं किया जा सकता। क्योंकि असली लड़ाई तेल की नहीं, विकल्पों की है। भारत के लिए सबसे बड़ा रणनीतिक सवाल यह नहीं है कि रूसी तेल खरीदा जाए या नहीं। असली सवाल यह है कि अगर किसी एक स्रोत पर दबाव आए तो क्या भारत के पास दूसरे स्रोत पर्याप्त मात्रा और स्वीकार्य कीमत पर उपलब्ध हैं? यही कारण है कि विदेश मंत्रालय ने विविध स्रोतों से ऊर्जा खरीद पर जोर दिया है। भारत यदि रूस, खाड़ी देशों, अमेरिका और अन्य उत्पादकों के बीच अपने ऊर्जा स्रोतों को संतुलित करता है तो किसी एक देश के दबाव की क्षमता स्वाभाविक रूप से कम होती है।

भारत की ताकतः अमेरिका भारत को केवल एक निर्यातक देश के रूप में नहीं देखता। भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में है और अमेरिकी कंपनियों के लिए भी उसका बाजार महत्वपूर्ण है। इसलिए संबंधों को केवल 'अमेरिका बनाम भारत' की कहानी बनाना दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों की जटिलता को कम करके देखना होगा। इसलिए सवाल है क्या ट्रंप इस हथियार को सचमुच चलाएंगे? वास्तव में यह इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा प्रश्न है। कानून राष्ट्रपति को अधिकार देता है; वह अपने आप भारत पर 100 फीसदी शुल्क नहीं लगा देता। असली कूटनीतिक खेल यहीं से शुरू होगा। वॉशिंगटन के पास दबाव का हथियार है। जबकि नई दिल्ली के पास बातचीत की मेज, विशाल बाजार, ऊर्जा खरीद के विकल्प और अपनी व्यापारिक शक्ति है। अमेरिका चाहेगा कि इस कानून का भय भारत को रूसी ऊर्जा खरीद पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करे।

भारत की कोशिश स्वाभाविक रूप से यह होगी कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों और अमेरिका के साथ अपने व्यापक रणनीतिक रिश्ते के बीच कोई ऐसा रास्ता निकाले जिसमें किसी एक पक्ष को पूरी तरह पीछे हटना न पड़े। यही कारण है कि भारत की भाषा फिलहाल धमकी की नहीं, दृढ़ता के साथ बातचीत की है। भारत का ह्यकम बोलो, ज्यादा विकल्प रखो वाला दांव कारगर भी हो सकता है क्योंकि कूटनीति में कभी-कभी सबसे तेज जवाब वह होता है जो अखबार की सुर्खी नहीं बनता। भारत के सामने विकल्प हैं- रूसी तेल पर निर्भरता का अनुपात बदलना, अन्य स्रोतों से खरीद बढ़ाना, अमेरिकी कंपनियों के साथ व्यापारिक रिश्तों को मजबूत करना, द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत जारी रखना और जरूरत पड़ने पर अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के उपाय तलाशना।

आप की बात

सामाजिक बदलाव

शिक्षा आर्थिक प्रगति और सामाजिक बदलाव का सबसे बड़ा माध्यम है। शिक्षा होगी वैसा ही समाज भविष्य में बनेगा। इसलिए शिक्षा पर समाज को फोकस बढ़ाना चाहिए। भारत के साथ आजाद होने वाले अधिकांश देश आर्थिक प्रगति, नागरिकों की सुख-सुविधा, सुरक्षा, स्वास्थ्य रक्षा, रोजगार और समग्र प्रगति के मामले में बहुत आगे निकल चुके हैं। समावेशी विकास, महिला अधिकारिता, शिक्षा और बाल विकास जैसे तमाम मुद्दों पर छोटे-छोटे देश भी भारत से बहुत आगे हैं। भले ही हम आज दुनिया में महाशक्ति बनकर उभर रहे हों लेकिन फिर भी गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी आदि के मामले में भारत की स्थिति ठीक नहीं है। आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर जब हम यह सोचते हैं कि आखिर कहां ऐसी कमी रही, कौन से कारण रहे जिनके चलते भारत मानव विकास, नागरिकों की समृद्धि आदि के मामले में विश्व रैंकिंग में कहीं नहीं ठहरता। जिस भी खराब मुद्दे को लेते हैं चाहे वह गरीबी हो, कुपोषण हो, खराब शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा हो, वैश्विक स्तर पर जब इनके आंकड़ों का अध्ययन करते हैं, तो यह पाते हैं कि भारत अधिकांश में नंबर एक पर है। यह भारत और उसके हरेक नागरिकरों के लिए चिंता का, चिंतन का और शर्म का भी विषय है। ऐसा क्यों है कि भारत में बहुत कुछ होते हुए भी हम अपने नागरिकों को बेहतर मानवीय सुविधाएं नहीं दे पाये हैं, तो इसके पीछे एक जो सबसे ठोस कारण नजर आता है वह है शिक्षा। अच्छी शिक्षा हरेक समाज की, हरेक नागरिक की जरूरत है। शिक्षा के बिना कोई भी समाज या देश प्रगति नहीं कर सकेगा। इसलिए यह जरूरी है कि सरकार हरेक बच्चे को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराये।

प्रेम प्रकाश शुक्ल, लखनऊ.

रोजगार के आंकड़े

रोजगार को लेकर आरबीआई ने जो डाटा पेश किया है उस पर तमाम तरह के सवाल हैं। आर बी आई की हालिया रिपोर्ट जिसमें कहा गया है कि बीते तीन-चार सालों में आठ करोड़ नौकरियां पैदा हुई हैं, इसके आने के बाद से ही बीजेपी विपक्ष पर हमलावर है। प्रधानमंत्री ने भी इस रिपोर्ट का हवाला देकर मुंबई में विपक्ष पर हमला बोला। पीएम ने कहा है कि बीते 3-4 साल में करीब आठ करोड़ रोजगार दिए गए हैं। उनके मुताबिक, बुनियादी ढांचे की प्रत्येक परियोजना के साथ-साथ रोजगार भी बढ़ता है। इस मुद्दे पर फर्जी आंकड़े और बयान देने वालों की जुबान अब बंद हो जानी चाहिए, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे अब भी प्रधानमंत्री के दावे को झूठ करार दे रहे हैं।

अनिल कुमार श्रीवास्तव, लखनऊ.

संक्षेप

25 खिलाड़ियों को मिली नयी बेल्ट

अयोध्या। फैजाबाद प्राचीन भारतीय क्योंकुशिन कराटे के तत्वावधान में राजकरण इंटर कॉलेज के मैदान में कलर बेल्ट टेस्ट का आयोजन किया गया। इस टेस्ट में क्योंकुशिन कराटे के दर्जनों खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। टेस्ट के दौरान खिलाड़ियों ने ऑरेंज बेल्ट, येलो बेल्ट, ब्लू बेल्ट, ग्रीन बेल्ट और ब्राउन बेल्ट के लिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह कलर बेल्ट टेस्ट मुख्य प्रशिक्षक दिलदार सिंह, सेकेंड डान ब्लैक बेल्ट, जापान ब्रांच चीफ यूपी के नेतृत्व में कराया गया। इस अवसर पर ब्लैक बेल्ट कुंवर अभय सिंह जापान, आनंद सिंह, दृष्टि सिंह, दिलीप सिंह गौतम सहित अन्य सभी ब्लैक बेल्ट प्रशिक्षकों की मौजूदगी में खिलाड़ियों का बेल्ट टेस्ट लिया गया। काता, कुमिते और फिजिकल फिटनेस के आधार पर सभी खिलाड़ियों का मूल्यांकन किया गया। बेल्ट टेस्ट में सफल होने वाले खिलाड़ियों में खनक कालरा ब्राउन क्यू, निशंक श्रीवास्तव ब्राउन क्यू, अंशिका वर्मा ब्राउन क्यू, अनुश्री कौशल ब्राउन बेल्ट, हर्षिता साहू ब्राउन बेल्ट, अंकित कुमार यादव ब्राउन बेल्ट आदि है।

नोडल अधिकारी ने किया एफएलसी कार्य का स्थलीय निरीक्षण

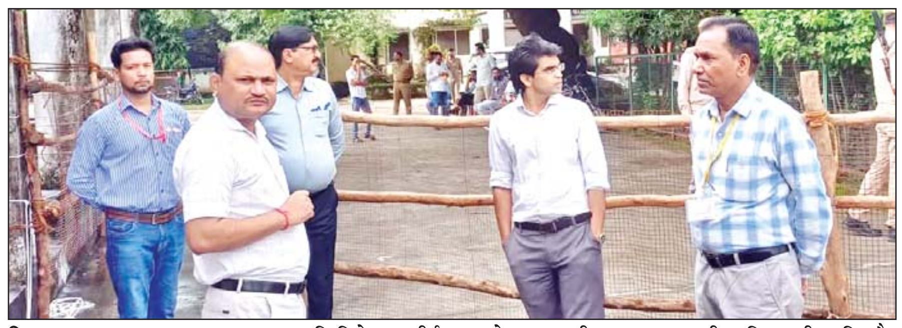

जिला संवाददाता

ललितपुर। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिहीन ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ईवीएम की एफएलसी हेतु नामित नोडल अधिकारी (सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान) नरेन्द्र कुमार मीणा ने जनपद में ई०वी०एम० एवं वी०वी०पैट मशीनों की चल रही फर्स्ट लेबिल चैकिंग (एफएलसी) कार्य का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ निर्वाचन अधिकारी ललितपुर श्री सत्य प्रकाश भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के अनुभवी इंजीनियर्स द्वारा एम-3 मॉडल की ई०वी०एम० और वी०वी०पैट मशीनों की तकनीकी व गुणवत्ता जांच (एफएलसी) का कार्य किया जा रहा है। नोडल अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार मीणा ने एफ०एल०सी० हॉल का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता, मशीनों के रखरखाव और भंडारण (स्टोरेज) की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित बीईएल (बीईएल) इंजीनियर्स और तकनीकी स्टाफ को पूर्ण सतर्कता और शुद्धता के साथ जांच कार्य संपन्न करने के कड़े निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी के साथ मौजूद निर्वाचन अधिकारी सत्य प्रकाश ने एफ०एल०सी० प्रक्रिया की प्रगति और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के तहत की गई प्रशासनिक व सुरक्षा तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। नोडल अधिकारी ने जनपद में की गई व्यवस्थाओं और तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी, अपर जिलाधिकारी दिनेश कुमार, सहायक प्रभारी अधिकारी (ई०वी०एम०/वी०वी०पैट) और संबंधित राजनैतिक दलों में समाजवादी पार्टी से नेपाल सिंह, आम आदमी पार्टी से हरदयाल सिंह व अन्य पार्टियों के प्रतिनिधि एवं निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एसपी ने किया पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल

- 12 निरीक्षक व उपनिरीक्षकों के कार्य क्षेत्र बदले

ललितपुर। जनहित, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा जनपद में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के आदेश पर विभाग में बड़ा फेरबदल किया गया है। पुलिस विभाग द्वारा कई निरीक्षकों एवं उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए उन्हें नई तैनाती दी गई है। संबंधित पुलिस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। स्थानांतरण के तहत निरीक्षक मानवेन्द्र सिंह को थाना मड़ावारा से हटाकर अतिरिक्त निरीक्षक थाना कोतवाली बनाया गया है। वहीं उपनिरीक्षक सुधाकर पांडेय को थानाध्यक्ष सौजना के पद से स्थानांतरित कर थानाध्यक्ष बार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में उपनिरीक्षक दीपक डांगुर को चौकी प्रभारी डोंगराकला, थाना नाराहट से स्थानांतरित कर थानाध्यक्ष सौजना नियुक्त किया गया है। उपनिरीक्षक संजय कुमार दुबे को जेल चौकी प्रभारी के पद से हटाकर थानाध्यक्ष गिरार बनाया गया है। उपनिरीक्षक रामकुमार सरोज को थाना बानपुर से स्थानांतरित कर थानाध्यक्ष एचटीयू की जिम्मेदारी दी गई है। उपनिरीक्षक राहुल कुमार को चौकी प्रभारी विरधा से स्थानांतरित कर चौकी प्रभारी अमझरा घाटी बनाया गया है। वहीं उपनिरीक्षक कमलेश को थाना तालबेहट से स्थानांतरित कर चौकी प्रभारी विरधा नियुक्त किया गया है। इसके अलावा उपनिरीक्षक रज्जन बाबू को चौकी प्रभारी मसौराकलां से स्थानांतरित कर चौकी प्रभारी कस्बा नाराहट बनाया गया है। उपनिरीक्षक तरुण सिंह भदौरिया को चौकी प्रभारी चिकलौआ के पद से हटाकर पुलिस लाइन भेजा गया है। उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार को थाना मड़ावारा से स्थानांतरित कर चौकी प्रभारी जेल बनाया गया है। उपनिरीक्षक विवेक धामा को थाना जखौरा से स्थानांतरित कर चौकी प्रभारी मसौराकलां की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं उपनिरीक्षक ओमबाबू तिवारी को प्रभारी फील्ड यूनिट से स्थानांतरित कर चौकी प्रभारी चिकलौआ बनाया गया है। पुलिस विभाग में के बाद संबंधित अधिकारियों से अपनी नवीन तैनाती वाले स्थानों पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने को कहा गया है।

तेज रफ्तार ट्रक-कंटेनर ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर, मौत

जिला संवाददाता

ललितपुर। जखौरा थाना क्षेत्र में ललितपुर-झांसी मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक-कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा ग्राम नदनवारा के पास फौजी ढाबे के निकट देर रात हुआ। गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के चाचा की तहरीर पर अज्ञात ट्रक-कंटेनर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अयोध्या जिले के थाना इनायतनगर क्षेत्र के ग्राम रेवना निवासी जगदीश प्रसाद दुबे पुत्र स्व. रामकरन दुबे ने पुलिस को तहरीर दी। उन्होंने बताया कि उनका भतीजा धन्नजय दुबे पुत्र स्व. हरिनारायण दुबे ललितपुर में रहकर ग्राम वस्त्रावन, थाना बार निवासी लाखन सिंह बुन्देला के यहां निजी काम करता था। बताया गया कि 16 और 17 सितंबर 2026 की दरमियानी रात करीब दो बजे धन्नजय दुबे अपनी टीवीएस स्टार मोटरसाइकिल संख्या यू.पी. 94 ई 6107 से ललितपुर से बांसी की ओर जा रहा था। वह जैसे ही ललितपुर-झांसी मार्ग पर ग्राम नदनवारा स्थित फौजी ढाबे के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रहे ट्रक-कंटेनर संख्या यू.पी. 93 सी.टी.0714 के अज्ञात चालक ने तेज गति एवं लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि धन्नजय दुबे गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल ललितपुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सांसद ने मरीजों को फल बांटकर की स्वास्थ्य लाभ की कामना

ललितपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (एएसएमसी), ललितपुर के 300 बेड अस्पताल एवं अमरपुर मेडिकल कॉलेज परिसर में 17 सितंबर की शाम आशीर्वाद का दिया, कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सांसद अनुराग शर्मा की उपस्थिति रही। इस अवसर पर सांसद द्वारा अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। अपने संबोधन में सांसद अनुराग शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में किए गए विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री निरंतर दिन-रात देशवासियों की सेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है तथा वैश्विक मंच पर भारत और भारतीयों का सम्मान एवं गौरव बढ़ा है। कार्यक्रम में माननीय जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत, भारतीय जनता पार्टी के अन्य पदाधिकारीगण, प्राचार्य डॉ. मयंक शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. गजेंद्र सिंह, चिकित्सकगण, फैकल्टी सदस्य, मेडिकल छात्र-छात्राएं, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की तथा जनसेवा एवं राष्ट्रहित में समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. मयंक शुक्ला द्वारा सांसद, जनप्रतिनिधिगण एवं सभी उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का समापन सेवा, संवेदना एवं जनकल्याण की भावना को सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ हुआ।

101 दीपों से सजा कमल, मोदी के जन्मदिवस पर हुआ दीप प्रज्ज्वलन

- अमोली कीरतपुर निवासी रूबी व रोली ने कमल फूल रंगोली बनाकर सजाये चारों ओर दीपक
- रामबाबू द्विवेदी ने प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन पर रखे विचार

रामनगर, बाराबंकी। रामनगर विधानसभा क्षेत्र स्थित कटियारा फार्म हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन्मदिवस पर दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रामबाबू द्विवेदी के नेतृत्व में 101 दीप जलाकर किया गया।

कार्यक्रम स्थल पर कमल फूल की रंगोली अमोली कीरतपुर निवासी रूबी और रोली ने बनाकर चारों ओर दीपक सजाये गये।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री रामबाबू द्विवेदी ने प्रधानमंत्री को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुये कार्यकताओं से सेवा और जनकल्याण से जुड़े कार्यों में सक्रिय रहने का आह्वान किया।

इस अवसर पर संतोष बाजपेई, अमित सिंह, अशोक शुक्ल, नागेंद्र प्रताप सिंह, दीपक पांडे, धर्मेंद्र वर्मा, दारा सिंह यादव, धर्मेंद्र मिश्र, मोनू भास्कर, आशुतोष मिश्रा, शेषनारायण, मुकेश त्रिवेदी, अरविंद राज, सुधीर पटेल आदि मौजूद रहे।

दो दिवसीय कार्यशाला में सुरक्षा पर दिया प्रशिक्षण

जिला संवाददाता

ललितपुर। जनपद में प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से होने वाली जन-धन की क्षति को कम करने और आपदा के समय त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 16 एवं 17 सितंबर को कल्याण सिंह सभागार में जनपद स्तरीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण संवर्धन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, आपदामित्र, होमगार्ड, स्वयं सहायता समूहों की सदस्याएं, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा अन्य स्टेकहोल्डर्स को आपदा से बचाव, रोकथाम, पूर्व तैयारी और जन-जागरूकता के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी दिनेश कुमार ने की। मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की सदस्य अर्चना पटेल रहीं। विशिष्ट अतिथि उप जिलाधिकारी हेमंत पटेल, तहसीलदार महरौनी जगत मोहन जोशी तथा तहसीलदार पाली सी. अर्सलान उपस्थित रहे। जिला आपदा विशेषज्ञ आरती सिंह ने कहा कि आपदा प्रबंधन केवल आपदा आने के बाद राहत एवं बचाव तक सीमित नहीं है।

इसके तहत आपदा से पहले तैयारी, जोखिम न्यूनीकरण, पूर्व चेतावनी, जन-जागरूकता, प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल के साथ आपदा के बाद राहत, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण भी शामिल हैं।

उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों की जानकारी, विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय और समुदाय की सक्रिय भागीदारी को आपदा के दौरान नुकसान कम करने के लिए महत्वपूर्ण बताया। प्रशिक्षण के दौरान भूकंप की स्थिति में घबराने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रहने, मजबूत मेज अथवा फर्नीचर के नीचे शरण लेने तथा सिर और गर्दन को सुरक्षित रखने की जानकारी दी गई। झटके समाप्त होने के बाद ही सावधानीपूर्वक सुरक्षित स्थान पर जाने और भवनों में आपातकालीन निकासी मार्ग पहले से चिन्हित रखने पर जोर दिया गया। बाढ़ एवं अतिवृष्टि के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचने, बिजली के तारों एवं उपकरणों से दूरी रखने और प्रशासन की चेतावनियों का पालन करने की सलाह दी मास्टर ट्रेनर डा.देशराज सिंह ने संबोधित किया। कार्यशाला में लू एवं हीटवेव से बचाव के लिए पर्याप्त पानी पीने, अत्यधिक गर्मी में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई।

वहीं शीतलहर के दौरान गर्म कपड़ों के उपयोग और संवेदनशील लोगों की विशेष देखभाल पर जोर दिया गया। मुख्य अतिथि अर्चना पटेल, उप जिलाधिकारी हेमंत पटेल, तहसीलदार जगत मोहन जोशी और तहसीलदार सी. अर्सलान ने स्थानीय स्तर पर विभागीय समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया। अध्यक्षता कर रहे अपर जिलाधिकारी दिनेश कुमार ने कहा कि आपदा प्रबंधन केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। नियमित प्रशिक्षण, मॉक ड्रिल, पूर्व तैयारी, जन-जागरूकता और विभागीय समन्वय को मजबूत कर आपदा से होने वाली क्षति को कम किया जा सकता है।

शिक्षा, संस्कार, कौशल विकास, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक एकता प्रगति के प्रमुख आधारः कुलरिया

जिला संवाददाता

- विश्वकर्मा पूजन महोत्सव में 21 लाख रुपये के सहयोग की घोषणा

ललितपुर। पंचरत्न विश्वकर्मा समाज के तत्वावधान में भगवान विश्वकर्मा पूजन महोत्सव श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकता के वातावरण में भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वकर्मा समाज के गौरव, सफल उद्यमी, मार्गदर्शक एवं समाजहितैषी नरसी ग्रुप मुंबई के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर नरसी कुलरिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनकी गरिमामयी उपस्थिति से समाजबंधुओं और विशेष रूप से युवाओं में उत्साह देखने को मिला। उन्होंने भगवान विश्वकमार्जी के चरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित कर समाज की उन्नति, एकता और युवा पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्य अतिथि नरसी कुलरिया ने कहा कि शिक्षा, संस्कार, कौशल विकास, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक एकता समाज की प्रगति के प्रमुख आधार हैं।

उन्होंने युवाओं से आधुनिक शिक्षा और तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ अपने पारंपरिक कौशल, संस्कृति और मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। समाज में शिक्षा एवं युवा विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उन्होंने 21 लाख रुपये के सहयोग की घोषणा/सहयोग किया। इसे समाज में शिक्षा, युवा विकास और रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना गया। महोत्सव के अंतर्गत सुबह मांगलिक कार्यक्रमों की शुरूआत सुन्दरकाण्ड पाठ से हुई।

इसके बाद भगवान विश्वकर्मा जी का विधिवत हवन-पूजन, चालीसा पाठ, आरती एवं भजन-कीर्तन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज की एकता, शिक्षा, रोजगार, युवा सशक्तीकरण, उद्यमिता, नवाचार और संगठनात्मक मजबूती सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। दोपहर करीब एक बजे विशाल शोभायात्रा निकाली गई।

कार्यक्रम में वरिष्ठ अतिथि कुलदीप विश्वकर्मा, पिछड़ा वर्ग आयोग, इंजीनियर कुसुम विश्वकर्मा लंदन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुप ताम्रकार, पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत तालबेहट मुक्ता सोनी, विभा ताम्रकार, मनोज विश्वकर्मा ग्वालियर सहित ललितपुर के दस हजार से अधिक समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में एड.रूपनारायण, कैलाश झा अध्यक्ष, रमेश सोनी जिला संघ चालक, प्रीतम विश्वकर्मा बाबू, लखनलाल झा, जिला पंचायत सदस्य अमर घुटारी, मनमोहन जडि ?ा एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन महेश झा, प्राचार्य ने किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत रक्तदान शिविर एवं फल वितरण आयोजित

ललितपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (एएसएमसी), ललितपुर में रक्तदान शिविर एवं फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक राम रतन कुशवाहा, राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ, जिलाध्यक्ष भाजपा हरिश्चंद्र रावत सहित भारतीय जनता पार्टी के अन्य पदाधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। शिविर में कुल 17 यूनिट रक्तदान किया गया। चिकित्सकों, मेडिकल छात्र-छात्राओं, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ समाज में रक्तदान, सेवा एवं जनकल्याण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. मयंक शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. गजेंद्र सिंह, चिकित्सकगण, फैकल्टी सदस्य, मेडिकल छात्र-छात्राएं, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से सेवा, समर्पण एवं जनकल्याण की भावना को सुदृढ़ करते हुए जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

17 पुलिसकर्मी सम्मानित, एसपी ने पहनाये उत्कृष्ट व अति उत्कृष्ट सेवा पदक

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने पुलिस कर्मियो को आज गृह मंत्रालय भारत सरकार से स्वीकृत उत्कृष्ट सेवा पदक व अति उत्कृष्ट सेवा पदक देकर सम्मानित किया। तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। आज पुलिस कार्यालय पर पुलिस अधीक्षक ने उत्कृष्ट सेवा पदक थाना रामनगर में नियुक्त निरीक्षक सुभाषचन्द्र, वाचक कार्यालय में नियुक्त हे0का0 दीनानाथ शुक्ला, सेवानिवृत उ0नि0 हरीलाल यादव, थाना कोतवाली नगर में नियुक्त उ0नि0 अमरनाथ राय, थाना घुंघटेर में नियुक्त उ0नि0 गुलाम मसऊद, थाना असन्द्रा में नियुक्त उ0नि0 अवधेश प्रताप सिंह, डॉयल 112 में नियुक्त उ0नि0 एजाज अहमद, डॉयल 112 में नियुक्त उ0नि0 सुदन राम, मानीटरिंग शाखा में नियुक्त उ0नि0 अमर बहादुर यादव, वॉचक कार्यलय में नियुक्त उ0नि0 विजय वर्मा, प्रभारी यातायात उ0नि0 रामवतन, पुलिस लाइन में नियुक्त हे0का0 परिवहन अखिलेश विश्वकर्मा, हे0का0 चालक हौसिला प्रसाद, हे0का0 आरमोर हरि कुमार सिंह, हे0का0 चालक शिवराम पाल, हे0का0 चालक मुहम्मद अली खां, हे0का0 चालक अर्जुन राम को अति उत्कृष्ट सेवा पदक से देकर सम्मानित किया।

यूपीआई टैक्स के खिलाफ कांग्रेस जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने सौंपा ज्ञापन

बाराबंकी। केन्द्र सरकार के नये प्राविधान 2000 रुपये से अधिक के लेन-देन 0.4 प्रतिशत यूपीआई टैक्स के विरोध उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर जिलाध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन के नेतृत्व मे कार्यकर्ताओ ने महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रशासनिक अधिकारी शिव कुमार वर्मा को सौपा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष श्री मोहसिन ने कहा कि वर्तमान सरकार आम जनमानस को गुमराह कर रही है और छोटा व्यापारी वा किसान यूपीआई टैक्स से काफी भयभीत वा परेशान नजर आ रहा है। धीरे-धीरे यह यूपीआई टैक्स पूरे आमजनमानस पर प्रभाव डालेगा। ग्राहकों सहित व्यापारियों किसानों पर इसका अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। कांग्रेसियो ने यूपीआई भुगतान पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ को वापस लेने, छोटे व्यापारियों व किसानों को राहत दी जाये एवं मर्चेन्ट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) की व्यवस्था पूर्ण रूप से लागू करने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में सरजू शर्मा, मोहम्मद इरफान कुरैशी, वीरेन्द्र यादव, के0सी0 श्रीवास्तव, अजीत वर्मा, विजयपाल गौतम, सिकन्दर अब्बास रिजवी मौजूद रहे।

हरिशंकरी पौधे लगवाये जाने को लेकर ईओ मोहिनी केसरवानी ने की सभासदों के साथ बैठक

बंकीएबाराबंकी। नगर पंचायत बंकी कार्यालय में अधिशासी अधिकारी मोहिनी केसरवानी एंव लोक भारती संगठन प्रतिनिधि द्वारा नगर में ‧हरिशंकरी पेड‧;पीपलए बरगद एंव पाकड़‧ लगाये जाने हेतु सभासदों के साथ बैठक कीद्य बैठक में अधिशासी अधिकारी श्रीमती केसरवानी ने पर्यावरणीय और व्यवहारिक लाभ के बारे मे बताते हुए कहा कि पीपल और बरगद दिन.रात भारी मात्र में आक्सीजन उत्सर्जित करने और वायु को शुद्ध करने के लिए जाने जाते हैं। जल संरक्षण के दृष्टिकोण से भी इनकी गहरी और मजबूत जड़े मिट्टी के कटाव को रोकती है और भूजल स्तर में सहायक हैद्य मुख्यतः इन पेड़ो को मंदिर परिसरोए तालाब किनारे या सार्वजनिक स्थलों पर रोपा जाये ताकि आने वाली कई पीढियों को निरंतर छायाए स्वच्छ वायुए अध्यात्मिक शांति मिल सके। इसके उपरान्त गोसाईपुरवा पार्क में वृक्षारोपण किया गयाद्य अधिशासी अधिकारी ने आगे बताया कि दिनाँक 24 सितंबर 2026 को नगर पंचायत बंकी में वृहद स्तर पर हरिशंकरी पेड लगाये जायेंगेद्य

जमीन के पुराने विवाद में युवक पर जानलेवा हमला, सिर में लगे 35 टांके

ललितपुर। कोतवाली ललितपुर क्षेत्र की राजघाट चैकी अंतर्गत जमीन के पुराने विवाद को लेकर एक युवक पर लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उसके सिर में 35 टांके लगाए गए, जबकि हाथ में फ्रैक्चर होने की बात सामने आई। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे झांसी रेफर कर दिया। उसकी पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम रानीपुरा निवासी प्रीति पत्नी तुलसीराम अहिरवार ने बताया कि 17 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 12 बजे वह अपने खेत पर फसल काट रही थीं। इसी दौरान गांव का एक व्यक्ति उनके पास पहुंचा और बताया कि उनके पति तुलसीराम पुत्र छिप्या अहिरवार के साथ पेट्रोल पंप के पास कुछ लोग मारपीट कर रहे हैं। सूचना मिलते ही प्रीति मौके पर पहुंचीं। तहरीर के मुताबिक वहां उन्होंने गनपत व भजन पुत्रगण कल्ले अहिरवार, संजू पुत्र भजन अहिरवार तथा विजय पुत्र गनपत अहिरवार को तुलसीराम के साथ मारपीट करते देखा। प्रीति का आरोप है कि जमीन के पुराने विवाद और रंजिश के चलते चारों आरोपियों ने तुलसीराम को अकेला पाकर उसके साथ लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से मारपीट की। हमले में तुलसीराम के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आईं। घायल तुलसीराम को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसके सिर में 35 टांके लगाए और हाथ में फ्रैक्चर होने की जानकारी दी। हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर उपचार के लिए झांसी रेफर कर दिया गया। घटना के बाद परिवार को फंसाने के उद्देश्य से विपक्षी पक्ष द्वारा कथित रूप से झोपडी ?ं में आग लगाए जाने का आरोप भी लगाया है। इसके साथ ही आरोप लगाया गया है कि गनपत द्वारा तुलसीराम के पिता को दूसरे बेटे को भी जान से मारने की धमकी दी जा रही है। तहरीर के आधार पर कोतवाली ललितपुर पुलिस ने गनपत, भजन, संजू और विजय के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2) एवं 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

अयोध्या। इसी कड़ी में भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती के अवसर पर गुरुवार को सर्किट हाउस के सभागार में आयोजित किट वितरण समारोह के दौरान विधायक सदर अयोध्या वेद प्रकाश गुप्ता, विधायक रुदौली रामचंद्र यादव महापौर अयोध्या नगर निगम महंत गिरीशपति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, प्रथम महापौर अयोध्या ऋषिकेश उपाध्याय ब्लॉक प्रमुख संघ के जिला अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह क्षेत्रीय,जिला अध्यक्ष भाजपा अयोध्या राधेश्याम त्यागी एवं मुख्य विकास अधिकारी आधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षेप

भारत का वेल्थ मैनेजमेंट बाजार 2034 तक 436 अरब डॉलर तक पहुंचने का है तैयार

नई दिल्ली। एमके वेल्थ मैनेजमेंट के अनुसार, भारत का वेल्थ-मैनेजमेंट बाजार एक महत्वपूर्ण बदलाव की ओर अग्रसर है। 2025 में उद्योग/इंडस्ट्री के लगभग 171 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2034 तक 436 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो लगभग 10.6प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। इस वृद्धि का कारण बढ़ती आय, घरेलू बचत का वित्तीयकरण और पूंजी बाजारों में बढ़ती भागीदारी है, जो पेशेवर/प्रोफेशनल वेल्थ मैनेजमेंट की मांग को बढ़ावा दे रही है। भारत एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जहाँ संपत्ति बनाने के साथ-साथ अब पेशेवर संपत्ति प्रबंधन की भी आवश्यकता बढ़ रही है। जैसे-जैसे वित्तीय संपत्ति परिवारों की कुल संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा बनती जा रही है।

सैमसंग ने लॉन्च की 2026 बेस्पोक एआई अप्लायंसेज रेंज

नई दिल्ली। सैमसंग इंडिया ने आज अपनी 2026 बेस्पोक एआई अप्लायंसेज रेंज लॉन्च की, जिसे उपभोक्ताओं की जिंदगी आसान और बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है क्लाइमेट कंट्रोल, लॉन्ड्री, लिविंग रूम और किचन जैसी कैटेगरी अब स्मार्टथिंग्स प्लेटफॉर्म के जरिए एक इकोसिस्टम में जुड़ जाएंगी, जो आदतें सीख सकता है, काम अपने आप कर सकता है और ऊर्जा खपत को बेहतर बना सकता है। 2026 बेस्पोक एआई रेंज में सहज टचस्क्रीन, एडवांस्ड वॉयस इंटेलिजेंस और समावेशी डिज़ाइन दिया गया है। हमारी 2026 बेस्पोक एआई रेंज अलग-अलग तरह की लाइफस्टाइल को समझने के लिए बनाई गई है, ताकि यह आपके घर की एआई साथी बनकर असल जिंदगी में आपके काम आ सके। हमारा मकसद एक ऐसा एआई होम बनाना है जहां टेक्नोलॉजी आपके जीने के तरीके के हिसाब से ढले, न कि आपको टेक्नोलॉजी के हिसाब से ढलना पड़े। हमारे बेस्पोक एआई अप्लायंसेस में एआई विजन, सैमसंग नॉक्स सॉल्यूशन और समावेशी डिजाइन दिया गया है, ताकि घर ज्यादा स्मार्ट, सुरक्षित और इंसानों की जरूरतों के हिसाब से बन सकें। गूगल जेमिनी से संचालित फैमिली हब रेफ्रिजरेटर एआई विजन के साथ*: 32-इंच का यह फैमिली हब नोट्स, शेड्यूल और एंटरटेनमेंट के लिए एक सेंट्रल स्पेस की तरह काम करता है।

हिंदी जी5 ने बकैती सीजन 2 का ट्रेलर किया जारी

नई दिल्ली। हिंदी जी5 ने लोकप्रिय 'बकैती' सीजन 2 का ट्रेलर जारी किया है। यह सीरीज 25 सितंबर 2026 को विशेष रूप से प्लेटफॉर्म पर प्रीमियर होगी। मध्यमवर्गीय परिवार और उसकी रोजमर्रा की परेशानियों को अपनेपन और नए अंदाज में दिखाने वाली इस सीरीज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। अब दर्शकों का पसंदीदा कटारिया परिवार लौट आया है—इस बार और भी ज्यादा हंसी, टकराव, अपनापन और दिल को छू लेने वाले पलों के साथ। पुराने गाजियाबाद की जानी-पहचानी गलियों की पृष्ठभूमि में, सीजन 2 में कटारिया परिवार एक बार फिर साथ नजर आएगा। इस बार वे नई चुनौतियों, बदलते पारिवारिक रिश्तों और परिवार के साथ जुड़े उन खूबसूरत, लेकिन उलझे हुए पलों का सामना करेंगे, जो हर घर की कहानी का हिस्सा होते हैं। डाइस मीडिया द्वारा निर्मित और समर चित्रा द्वारा निर्देशित बकैती सीजन 2 में राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, तान्या शर्मा और आदित्य शुक्ला एक बार फिर कटारिया परिवार के मुख्य सदस्यों के रूप में नजर आएंगे। उनके साथ देविशी मदान, ऋत्विक नाबियार और अशोक चौहान भी शामिल हैं।

मैकडॉवेल्स सोडा का नया कैंपेन लॉन्च

नई दिल्ली। हाउस ऑफ मैकडॉवेल्स सोडा ने अपना नया कैंपेन यारी की नई वाइब पेश किया है, जिसमें लंबे समय से ब्रांड के साथ जुड़े ब्रांड एंबेसडर कार्तिक आर्यन नजर आ रहे हैं। दोस्ती के साथ ब्रांड के लंबे जुड़ाव को आगे बढ़ाते हुए यह कैंपेन इस बात को दर्शाता है कि नई पीढ़ी आज यारी को किस तरह जीती है। अब बात सिर्फ दोस्तों के साथ समय बिताने तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसे अनुभव बनाने की है, जो हर मिलना-जुलना और भी यादगार बना दें। हाउस ऑफ मैकडॉवेल्स सोडा के लिए यारी हमेशा से दोस्तों के बीच के उस सहज और स्वाभाविक जुड़ाव का नाम रही है। यारी की नई वाइब के साथ ब्रांड इसी परिचित भावना को एक कदम आगे ले जाता है।

निफ्टी 76 अंक चढ़ा, सेंसेक्स टूटा

मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद आईटी कंपनियों और टाटा समूह की कंपनियों के शेयरों में कमजोर रुख के कारण मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 19.63 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,294.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 413.85 अंक यानी 0.55 प्रतिशत बढ़कर 74,728.44 अंक तक पहुंच गया था। सेंसेक्स ने कारोबार के दौरान हासिल बढ़त को समापन नीलामी सत्र में गंवा दिया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी लगातार तीसरे सत्र में बढ़त में रहा और 75.80 अंक यानी 0.33 प्रतिशत चढ़कर 23,346.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का शेयर 4.33 प्रतिशत, टाइटन का 2.11 प्रतिशत, एशियन पेंट्स का दो प्रतिशत, मारुति का 1.98 प्रतिशत, टेक महिंद्रा का 1.82 प्रतिशत और टाटा स्टील का 1.73 प्रतिशत टूटा। वहीं लाभ में रहने वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल शामिल हैं। छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 1.56 प्रतिशत और मझोली कंपनियों का मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.79 प्रतिशत चढ़ा।

साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 486.8 अंक यानी 0.65 प्रतिशत और निफ्टी 51.7 अंक यानी 0.22 प्रतिशत टूटा। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और एशियाई बाजारों से मिले समर्थन से चुनिंदा शेयरों में लिवाली को बढ़ावा मिला। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत करीब 103.3 डॉलर प्रति बैरल तक आने से मुद्रास्फीति, रुपये और भारत की आयात लागत को लेकर चिंता कुछ कम हुई। आईटी कंपनियों और टाटा समूह की कुछ कंपनियों के शेयर में कमजोर रुख के साथ-साथ कई बड़े आईपीओ में नकदी जाने से बाजार में व्यापक सुधार सीमित रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया के 22,569 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को शुक्रवार को बोली के दूसरे दिन पूर्ण अभिदान मिला। कच्चे तेल की कीमत और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल में नरमी से जोखिम लेने की धारणा बेहतर होने के कारण भारतीय शेयर बाजारों में तेजी रही। हालांकि, वैश्विक अनिश्चितता बनी हुई है। प्रमुख केंद्रीय बैंकों के अपेक्षित नीतिगत फैसलों से बाद वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों ने भी निवेशकों के रुख को मजबूती दी। सभी क्षेत्रों में तेजी रही, हालांकि मुनाफावसूली के कारण आईटी कंपनियों के शेयर में गिरावट आई।

रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.89 प्रति डॉलर पर स्थिर

मुंबई। रुपया शुरुआती बढ़त गंवाकर शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.89 (अस्थायी) के स्तर पर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख ने हालांकि भारतीय मुद्रा को समर्थन दिया।

उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की कीमत 104 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल में नरमी से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.75 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.71 के उच्च स्तर तक गया और अंत में 95.89 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा, जो पिछले बंद स्तर के बराबर है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले दो पैसे

मजबूत होकर 95.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले चार सितंबर को 94.43 के स्तर पर बंद होने के बाद पिछले लगातार आठ कारोबारी सत्रों में इसमें 150 पैसे यानी करीब 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। घरेलू बाजारों में मजबूती और कच्चे तेल में नरमी के कारण रुपया बढ़त के साथ खुला। हालांकि, डॉलर में मजबूती के कारण शुरुआती बढ़त थम गई। कारोबारी अमेरिका के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों से संकेत ले सकते हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर 95.65 से 96.15 रुपये के दायरे में रहने का अनुमान है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.97 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल वायदा कारोबार में 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.85 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 19.63 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,294.96 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 75.80 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,346.40 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को शुद्ध आधार पर 3,208.76 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने के आरोप में लोहा-इस्पात कंपनी का मालिक गिरफ्तार

नयी दिल्ली। केंद्रीय जीएसटी अधिकारियों ने फर्जी बिल जारी करके धोखाधड़ी से 25.22 करोड़ रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) लेने के आरोप में लोहा और इस्पात उत्पादों के व्यापार में लगी एक कंपनी के मालिक को गिरफ्तार किया है।

केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी), दक्षिण दिल्ली आयुक्त कार्यालय की कर-चोरी रोधी शाखा के अधिकारियों की जांच से पता चला कि फर्म ने कई कंपनियों द्वारा जारी बिलों के आधार पर गलत ढंग से आईटीसी का लाभ उठाया था। इनमें से कुछ कंपनियों का अस्तित्व ही नहीं था, कुछ काम नहीं कर रही थीं, कुछ निलंबित या रद्द पाई गईं। मौके पर जाकर किए गए सत्यापन में यह भी स्थापित हुआ कि कुछ आपूर्तिकर्ताओं के घोषित व्यावसायिक पते पर कोई वास्तविक व्यावसायिक गतिविधि नहीं चल रही थी। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इसके बाद दक्षिण दिल्ली आयुक्त कार्यालय के सीजीएसटी अधिकारियों ने लगभग 140.14 करोड़ रुपये के फर्जी बिलों के जरिये 25.22 करोड़ रुपये से अधिक के अमान्य आईटीसी से लाभ उठाने, उपयोग करने और आगे हस्तांतरित करने से जुड़े मामले में लोहा एवं इस्पात उत्पादों के व्यापार में शामिल कंपनी के मालिक को गिरफ्तार कर लिया।

सोना 1600 और चांदी 5000 रुपये चमकी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोने की कीमत 1600 रुपये बढ़कर 1.56 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से मुद्रास्फीति की चिंताएं कम होने और हाल की बिकवाली के बाद निवेशकों के सर्राफा बाजार में लौटने से सोने के दाम चढ़े।

स्थानीय कारोबारियों के अनुसार 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना बृहस्पतिवार के बंद भाव 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम की तुलना में 1,600 रुपये चढ़कर 1,56,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गया। चांदी में भी जोरदार उछाल देखा गया और यह 5,000 रुपये बढ़कर 2.47 लाख रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी

सत्र में यह धातु 2.42 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर बंद हुई थी। डॉलर और अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिफल में नरमी आने से हाल की बिकवाली के बाद सोने में तेज सुधार हुआ। इसका कारण फेडरल रिजर्व की ब्याज दर वृद्धि के बाद निवेशकों ने अपने सौदों का फिर से मूल्यांकन किया। चांदी का प्रदर्शन सोने से बेहतर रहा, जबकि तेल की कीमतें लगातार तीसरे सत्र में टूटकर 101 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। सऊदी अरब से आपूर्ति बहाल होने की उम्मीदों और वैकल्पिक शिपिंग मार्गों ने आपूर्ति व्यवधान की आशंकाओं को दूर किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव अभी भी एक जोखिम बना हुआ है। वैश्विक सर्राफा बाजारों में हाजिर सोना 50.96 डॉलर यानी 1.17 प्रतिशत चढ़कर 4,392.78 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं चांदी 3.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 67.21 डॉलर पर रही। हाजिर बाजार में सोने ने लगातार दूसरे दिन अप्रत्याशित तेजी दिखाई, क्योंकि तेल की कीमतों में गिरावट ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त मौद्रिक नीति रुख के असर को कुछ हद तक बेअसर कर दिया है।

आरबीआई ने 2.23 लाख करोड़ की नकदी जुटायी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने परिवर्तनीय दर वाली रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी के जरिये बैंकिंग प्रणाली से शुक्रवार को 2.23 लाख करोड़ रुपये की नकदी जुटाई। आरबीआई की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्रीय बैंक को 2.25 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले 2,22,629 करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं। यह राशि 5.24 प्रतिशत की भारित औसत दर पर स्वीकार की गई आरबीआई पिछले महीने से बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त नकदी को कम करने और एक दिन की मुद्रा बाजार दरों को रेपो दर के अनुरूप करने के लिए विभिन्न वीआरआरआर नीलामियां कर रहा है। बैंकिंग प्रणाली में 17 सितंबर तक करीब 6.94 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी होने का अनुमान है। नकदी समायोजन रणनीति के तहत केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) के जरिये 50,000 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियां बेचीं। सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री की शेष 25,000-25,000 करोड़ रुपये की दो किस्तें 21 सितंबर और 28 सितंबर को पेश की जाएंगी।

टीसीआई ने मनाया ड्राइवर डिग्निटी डे 2026

नई दिल्ली। ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई) ने ड्राइवरों के योगदान को सम्मान देते हुए और उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए ड्राइवर डिग्निटी डे 2026 मनाया। भारत की आपूर्ति श्रृंखलाओं (सप्लाई चेन) को सुचारू रूप से बनाए रखने में ड्राइवरों की भूमिका बेहद अहम है। ड्राइवर डिग्निटी डे उनके योगदान को सम्मान देने और उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने का अवसर है। स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच पहलों, ड्राइवर सम्मान और टीसीआई सेफ सफर के माध्यम से हमारा लक्ष्य अपने ड्राइवरों को सहयोग देना और एक अधिक सुरक्षित लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है।

सैमसंग ने शुरू किया वन यूआई 9 का आधिकारिक रोलआउट

नई दिल्ली। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज वन यूआई 9 को ज्यादा गैलेक्सी डिवाइसों तक पहुंचाने का ऐलान किया। इसका रोलआउट आज से शुरू हो रहा है और सबसे पहले गैलेक्सी एस26, एस26+ और एस26 अल्ट्रा को मिलेगा। गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, फोल्ड8 और फ्लिप8 में डेब्यू करने के बाद अब वन यूआई 9 अलग-अलग फॉर्म फैक्टर में ज्यादा आसान और सहज मोबाइल अनुभव लेकर आ रहा है। इसमें गैलेक्सी एआई भी बेहतर हुआ है, जो अब पहले से ज्यादा समृद्ध, पर्सनल और मददगार बन गया है। नए फीचर यूजर्स को कैप्चर, पर्सनलाइज और मैनेज करने में मदद करेंगे वन यूआई 9 में लोगों पर फोकस बनाए रखने, हर दिन दिखने वाली जानकारी को अपने हिसाब से तय करने और डिवाइस केयर को आसान बनाने के नए तरीके दिए गए हैं।

एलजीई इंडिया को टॉप ऑर्गनाइजेशन विद इनोवेटिव एचआर प्रैक्टिसेज के रूप में किया गया सम्मानित

नई दिल्ली। बेंगलुरु में आयोजित 25वें एशिया पैसिफिक एचआरएम कांग्रेस अवाड्र्स 2026 में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया को दो पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया को टॉप ऑर्गनाइजेशन विद इनोवेटिव एचआर प्रैक्टिसेज के रूप में मान्यता दी गई है। इस पुरस्कार के साथ ही, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के सीएचओ, ज्वा नाम किम को एचआर ट्रांसफॉर्मेशन को आगे बढ़ाने और बिजनेस ग्रोथ में कर्मचारियों को एक रणनीतिक आधार के रूप में स्थापित करने में उनके नेतृत्व के लिए मोस्ट इम्पैक्टफुल एचआर लीडर अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।

नयी बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज रेंज लॉन्च

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने देश में लंबे समय से इंतजार की जा रही नई बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज रेंज लॉन्च की। इसके साथ, बीएमडब्ल्यू की यह फ्लैगशिप सेडान पेट्रोल और ऑल-इलेक्ट्रिक पावरट्रेन में उपलब्ध है। ऑल-इलेक्ट्रिक परफॉर्मेंस मॉडल, बीएमडब्ल्यू आई7 एम70 भी भारत में ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगी, जो इसे अब तक की सबसे पावरफुल बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज बनाती है नई बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज हमारी फ्लैगशिप सेडान से कहीं बढ़कर है – यह बीएमडब्ल्यू की आधुनिक लग्जरी की संपूर्ण अभिव्यक्ति है। आज के दौर में भारत के समझदार ग्राहकों के लिए, लग्जरी बेहद व्यक्तिगत होती है। उनकी इसी सोच को ध्यान में रखते हुए यह नई रेंज उन्हें एक विशेष पहचान के साथ आत्मविश्वास देती है।

टाटा संस की सूचीबद्धता को लेकर टाटा ट्रस्ट और एसपी समूह आये आमने-सामने

नयी दिल्ली। टाटा समूह की प्रमुख कंपनी टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किए जाने की योजना और चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने से जुड़े घटनाक्रम से कंपनी के प्रमुख शेयरधारकों के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं।

टाटा संस में सर्वाधिक हिस्सेदारी रखने वाला टाटा ट्रस्ट जहां कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किए जाने के खिलाफ है, वहीं दूसरे सबसे बड़े शेयरधारक शापूरजी पालोनजी समूह ने इसका समर्थन किया है। टाटा संस का निदेशक मंडल सूचीबद्धता की दिशा में आगे बढ़ने का फैसला कर चुका है। इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए टाटा संस के स्वामित्व ढांचे और प्रमुख शेयरधारकों के रुख को देखना जरूरी है। टाटा ट्रस्ट के पास करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शापूरजी पालोनजी समूह के पास 18.38 प्रतिशत और टाटा समूह की कंपनियों के पास 12.86 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शेष 2.87 प्रतिशत हिस्सेदारी सात व्यक्तियों और अन्य शेयरधारकों के पास है। हालांकि टाटा ट्रस्ट की करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी किसी एक इकाई के पास नहीं है। इसमें सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की 27.98 प्रतिशत और सर रतन टाटा ट्रस्ट की 23.56 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अन्य ट्रस्टों में जेआरडी टाटा ट्रस्ट, टाटा एजुकेशन ट्रस्ट, टाटा सोशल वेलफेयर ट्रस्ट, एमके टाटा ट्रस्ट और सार्वजनिक सेवा ट्रस्ट शामिल हैं। सूचीबद्धता के मुद्दे पर टाटा ट्रस्ट और शापूरजी पालोनजी (एसपी) समूह का रुख अलग-अलग है। टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल एन टाटा सूचीबद्धता के खिलाफ हैं। उनका तर्क है कि इससे टाटा संस की मौजूदा संरचना और टाटा मॉडल का मौलिक स्वरूप प्रभावित हो सकता है। ट्रस्ट का कहना है कि मार्च, 2024 में रतन टाटा के मार्गदर्शन में टाटा संस के निदेशक मंडल ने कंपनी को गैर-सूचीबद्ध बनाए रखने पर सर्वसम्मति से फैसला किया था। जुलाई, 2025 में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने भी इस रुख की पुष्टि की थी। इसके विपरीत, एसपी समूह के चेयरमैन शापूर मिस्त्री ने सूचीबद्धता का समर्थन किया है। उनका कहना है कि इससे टाटा संस में पारदर्शिता एवं सार्वजनिक जवाबदेही बढ़ेगी।

पेज एक का शेष

और मजबूत

का आदान-प्रदान किया। बयान में कहा गया है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने फोन किया। यूएई के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी बृहस्पतिवार को 76 वर्ष के हो गए। बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर चर्चा की तथा क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के प्रयासों में लगातार सहयोग एवं समन्वय बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यूएई के राष्ट्रपति ने भारत की सफल ब्रिक्स अध्यक्षता के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में यूएई के युवराज शेख खालिद की भागीदारी और भारत की अध्यक्षता में ठोस नतीजे हासिल करने में यूएई के सहयोग और साझेदारी की सराहना की।

युद्ध की

और हेलीकॉप्टर को सौंपे जाने के समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू की मौजूदगी में इनका प्रदर्शन किया गया और पूजा भी की गई।

अधिकारियों ने बताया कि समारोह स्थल पर प्रदर्शित ध्रुव हेलीकॉप्टर में बैठकर राजनाथ सिंह ने इसका निरीक्षण भी किया। यह एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित 5.5 टन वजनी, हल्का, दो इंजन वाला बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टर है। इसे देश की आत्मनिर्भरता की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है, क्योंकि इस कार्यक्रम में घरेलू एयरोस्पेस क्षेत्र को मजबूत करने में एचएएल और उसके उद्योग साझेदारों की भूमिका को रेखांकित किया गया।

एचएएल के अधिकारियों के अनुसार, कंपनी ने भारतीय वायुसेना को दो एलसीए एफओसी प्रशिक्षक विमान सौंपे हैं। इसके अलावा पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल) को चार ध्रुव नेक्स्ट जेनरेशन हेलीकॉप्टर सौंपे गए। एचटीटी-40 विमान, जिसे शुक्रवार को अंकुर नाम दिया गया, भी भारतीय वायुसेना को सौंपा गया। इसके साथ ही 70 विमानों के अनुबंध के तहत आपूर्ति की शुरुआत हो गई है। एचटीटी-40 (हिंदुस्तान टर्बो ट्रेनर-40) स्वदेश में डिजाइन और विकसित किया गया प्रशिक्षक विमान है, जिसे भारतीय रक्षा सेवाओं की शुरुआती प्रशिक्षण जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है।

एचएएल के एक बयान के अनुसार, एलसीए एफओसी प्रशिक्षु विमान एक हल्का, हर मौसम में काम करने वाला और कई तरह की भूमिकाएं निभाने वाला 4.5-जेनरेशन का विमान है, जिसे मुख्य रूप से वायुसेना की प्रशिक्षण ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। बयान के अनुसार इन तकनीकों ने भारत को एक उन्नत दो-सीट वाला लड़ाकू विमान क्षमता विकसित करने और उसे संचालित करने में सक्षम बनाया है।

एनसीआर की

मुख्यमंत्रियों के साथ भी बैठक कर प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को आगे बढ़ाया जाएगा। पराली प्रबंधन को लेकर राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ केंद्रीय कृषि मंत्रालय के स्तर पर भी समन्वय किया जा रहा है। एनसीआर में वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर पिछले दिसंबर से अब तक 30 से अधिक बैठकें हो चुकी हैं। 63 छोटे शहरों के स्थानीय निकायों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अभियान को सफल बनाने में जनता के सहयोग और मीडिया की जागरूकता की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस बैठक में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा तथा उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागीय उच्चाधिकारी भी मौजूद रहे।

भूजल स्रोतों

प्रदेश, देश के राज्यों की सूची में पहले स्थान पर है। यूपी जल निगम ग्रामीण प्रबंध निदेशक योगेश कुमार ने कहा कि भूजल स्रोतों का नियमित परीक्षण पेयजल की गुणवत्ता और जल स्रोतों की स्थिति की निगरानी के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार के स्तर पर भी जल स्रोतों की गुणवत्ता, सोर्स सस्टेनेबिलिटी और गहन निगरानी पर जोर दिया जा रहा है। इसमें उत्तर प्रदेश ने सबसे बेहतर परिणाम हासिल किए हैं और भविष्य में भी प्रदेश में सभी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का प्रयास जारी रहेगा।

पंजाब और आंध्र प्रदेश को पीछे छोड़ शीर्ष पर यूपी

भूजल स्रोतों के परीक्षण की राज्यवार रैंकिंग में उत्तर प्रदेश के बाद पंजाब दूसरे और आंध्र प्रदेश तीसरे स्थान पर है। पंजाब ने निर्धारित लक्ष्य का 83.46 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश ने भी 83.46 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है। वहीं उत्तराखंड 82.30 प्रतिशत उपलब्धि के साथ चौथे और केरल 81.13 प्रतिशत के साथ पांचवें स्थान पर है। यूपी जल निगम ग्रामीण अधीक्षण अभियंता एवं राज्य प्रयोगशाला प्रमुख ज्ञानेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि भूजल स्रोतों के परीक्षण में उत्तर प्रदेश की 94.39 प्रतिशत उपलब्धि राष्ट्रीय औसत 50.46 प्रतिशत से काफी अधिक है। यानि यूपी ने राष्ट्रीय औसत की तुलना में करीब 44 प्रतिशत अधिक उपलब्धि दर्ज की है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए उत्तर प्रदेश में कुल 48,055 भूजल स्रोतों के परीक्षण का लक्ष्य रखा गया था। इसके सापेक्ष 45,361 स्रोतों का परीक्षण पूरा हो चुका है। अब निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए 2,694 स्रोतों का परीक्षण शेष है। इस तरह प्रदेश ने पहली छमाही में ही निर्धारित लक्ष्य का बड़ा हिस्सा पूरा कर लिया है।

साइबर ठगी

टेलीकॉलर सहित 23 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। उनके मुताबिक, परिसर 27 लैपटॉप, 28 मोबाइल फोन, राउटर, हेडफोन और कॉल सेंटर के संचालन के लिए उपयोग किए जाने वाले अन्य तकनीकी उपकरण जब्त किए गए। उन्होंने बताया आरोपियों के पास से दो कारें और 79 हजार रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि उपकरणों की जांच करने पर उनमें विदेशी कॉल विवरण, विदेशी टेलीफोन नंबरों की सूची, पीड़ित से संबंधित जानकारी, भुगतान के स्क्रीनशॉट, व्हाट्सऐप पर बातचीत और अन्य आपत्तिजनक डिजिटल सामग्री मिली। उनके मुताबिक, जांच में पता चला कि व्हाट्सऐप बिजनेस अकाउंट और कई व्हाट्सऐप समूहों का इस्तेमाल कथित तौर पर समन्वय, टीएफएन (टैक्स फाइल नंबर) से जुड़ी जानकारी साझा करने और धोखाधड़ी से हासिल की गई रकम के प्रबंधन के लिए किया जा रहा था।

डीसीपी ने बताया कि आरोपी फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर खुद को एप्पल या आईओएस और माइक्रोसॉफ्ट के तकनीकी सहायता या ग्राहक सेवा कर्मी बताकर इंटरनेट कॉलिंग के जरिए अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों के लोगों को निशाना बनाते थे। उनके मुताबिक, अनधिकृत खरीदारी, सदस्यता या सुरक्षा संबंधी समस्याओं से जुड़े फर्जी पॉप-अप और संदेश भेजकर पीड़ितों को ऐसे टोल-फ्री नंबरों पर संपर्क करने के लिए प्रेरित किया जाता था, जिन्हें भारत में इंटरनेट आधारित कॉलिंग एप्लिकेशन के जरिए काम कर रहे टेलीकॉलर संभालते थे।

पाक की

ने विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को मस्जिद परिसर में घुसा दिया जिसके बाद हथियारबंद आतंकवादियों के साथ गोलीबारी हुई। प्रांतीय पुलिस प्रमुख जुल्फिकार हमीद ने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कोहाट पुलिस लाइन की मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान हुए आत्मघाती विस्फोट में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हमले में मारे गये लोगों में पांच पुलिसकर्मी और 11 आम नागरिक शामिल हैं। उन्होंने कहा गाड़ी को गेट से टकराया गया और फिर उसमें विस्फोट हो गया। इसके बाद गोलीबारी भी हुई। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के साथ गोलीबारी के दौरान विशेष शाखा की इमारत में एक और आत्मघाती विस्फोट हुआ। एक आतंकवादी संगठन इत्तेहाद-उल-मुजाहिदीन पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। यह संगठन हाफिज गुल बहादुर समूह, हरकत इंकलाब-ए-इस्लामी पाकिस्तान और लश्कर-ए-इस्लाम का गठबंधन है, जिसका गठन अप्रैल 2025 में किया गया था।

समाचार चैनल जियो न्यूज ने जिला मुख्यालय अस्पताल के एमएस ताहिर अली शाह के हवाले से अपनी खबर में बताया कि विस्फोट के बाद अस्पताल में 15 शव लाए गये जबकि 50 से अधिक घायलों को भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि घायलों में से ज्यादातर नमाजी थे। उसने बताया कि विस्फोट से मस्जिद के बाहर गड्ढा हो गया। रेस्क्यू 1122 खैबर पख्तूनख्वा के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी के अनुसार, सूचना मिलने के तुरंत बाद बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गए और उन्होंने राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

युवा शक्ति

स्वरोजगार, स्टार्टअप तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के अवसर बढ़ाने जैसे विषयों पर विद्यार्थियों ने अपनी प्राथमिकताएं बताईं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राजकीय विद्यालयों के कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए टैब उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि टैब की व्यवस्था के लिए विद्यार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से धनराशि उपलब्ध करायी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों के बीच विद्यार्थियों को डिजिटल संसाधनों से जोड़ना आवश्यक है। आधुनिक तकनीक तक विद्यार्थियों की पहुंच बढ़ने से उनके सीखने के अवसरों का विस्तार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार और युवाओं के बीच संवाद केवल औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। युवाओं की अपेक्षाओं, समस्याओं और सुझावों को समझने के लिए निरंतर संवाद जरूरी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन के क्रम में शासन के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों ने भी विद्यार्थियों के साथ विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच इस तरह का संवाद जमीनी अनुभवों को समझने और नीतियों में नई सोच को शामिल करने का माध्यम बन सकता है। मंथन के विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट विचार प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री के साथ संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े अनुभव और विकास संबंधी सुझाव साझा किए। उत्तरकाशी के अनमोल प्रमार, रुद्रपुर की वैष्णवी, कालसी की कसिस और अल्मोड़ा के भरत ने भी अपने विचार मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। इस अवसर पर सचिव डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, सचिव चन्द्रेश कुमार, अपर सचिव मुख्यमंत्री बंशीधर तिवारी, ज्योति यादव, सचिव धीराज गर्ब्याल, सचिव सी. सविशंकर, अपर सचिव आलोक कुमार पाण्डेय, अपर सचिव संदीप तिवारी, नमामि बंसल, अपर सचिव झरना कमठान, महानिदेशक शिक्षा आकांक्षा कोण्डे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत में धर्म

आगे बढ़े। आरएसएस प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि किसी व्यक्ति की आजीविका दूसरों के लिए कष्ट का कारण नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कहा सूरज को ही ले लीजिए, आप इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते। यदि आप इसमें विश्वास नहीं करते, तो भी कोई बात नहीं, फिर भी यह उगेगा और डूबेगा ही। भागवत ने कहा, एक व्यक्ति, अपने अहंकार के कारण, यह मानता है कि सब कुछ उसके अधिकार के अनुसार चलता है और वह सब कुछ नियंत्रित कर सकता है। इस वजह से, वह इस गलतफहमी को पाल लेता है कि ऐसी चीजें भी उसकी इच्छा के अनुसार ही चलनी चाहिए। लेकिन बात ऐसी नहीं है। उन्होंने कहा, हमारे यहां राज्य की परंपरा हमेशा समावेशी रही है। वह अपने लोगों में भेदभाव नहीं करता। हमारे लिए पंथ-निरपेक्षता का यही अर्थ है।

जापान को हराकर भारत सेमीफाइनल में

एशियाई खेल महिला क्रिकेट : रन आउट होने से जापान की मुश्किलें और बढ़ गयी

निशिन। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के हरफनमौला प्रदर्शन और बायें हाथ की स्पिनर श्री चरणी की शानदार गेंदबाजी के दम पर पिछली चैम्पियन भारतीय टीम ने अनुभवहीन जापान को शुक्रवार को आठ विकेट से हराकर एशियाई खेलों की महिला क्रिकेट स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। श्री चरणी ने 10 रन देकर चार विकेट लिये जो टी20 क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शेफाली वर्मा ने 13 रन देकर दो विकेट चटकाये। जापान की टीम 19.5 ओवर में 57 रन पर आउट हो गई। भारत ने यह लक्ष्य पांच ओवर में हासिल कर लिया।

अब भारत का सामना 20 सितंबर को बांग्लादेश से होगा। शेफाली ने 15 गेंद में नाबाद 40 रन बनाये जबकि रिचा घोष ने छह गेंद में 12 रन का योगदान दिया। जापान ने सलामी बल्लेबाज जी कमलिनी और तीसरे नंबर पर उतरी भारती फुलमाली को आउट किया। इससे पहले श्री चरणी की अगुवाई में भारत के अनुभवी स्पिनरों ने जापानी बल्लेबाजों की अनुभवहीनता का पूरा फायदा उठाते हुए उन्हें 57 रन पर आउट कर दिया।

पहले गेंदबाजी का फैसला करने वाली भारतीय टीम ने जापान के बल्लेबाजों को हाथ खोलने ही नहीं दिये और पूरी पारी में सिर्फ तीन चौके लगे। जापान के बल्लेबाजों को शीर्ष टीमों से खेलने या नियमित अभ्यास का मौका नहीं मिलता है और उनके लिये टर्न और उछाल लेती पिच पर भारत के गेंदबाजों का सामना कर पाना काफी मुश्किल था। पावरप्ले में 24 रन ही बने जिसमें दो चौके लगे। श्री चरणी ने सलामी बल्लेबाज हारूना इवासाकी (10) और कप्तान माइ यानागिडा को लगातार दो गेंदों पर पवेलियन भेजा। शेफाली ने 15वें ओवर में अयाका कातो और 17वें ओवर में

शिमाको कातो के विकेट लिये। कुछ बल्लेबाज रन आउट भी हुए जिससे जापान की मुश्किलें और बढ़ गई। श्री चरणी की अगुवाई में भारत के अनुभवी स्पिनरों ने जापानी बल्लेबाजों की अनुभवहीनता का पूरा फायदा उठाते हुए एशियाई खेलों की महिला क्रिकेट स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को मेजबान टीम को 57 रन पर आउट कर दिया। पहले गेंदबाजी का फैसला करने वाली भारतीय टीम ने जापान के बल्लेबाजों को हाथ खोलने ही नहीं दिये और पूरी पारी में सिर्फ तीन चौके लगे। जापान के बल्लेबाजों को शीर्ष टीमों से खेलने या नियमित अभ्यास का मौका नहीं मिलता है और उनके लिये टर्न और उछाल लेती पिच पर भारत के गेंदबाजों का सामना कर पाना काफी मुश्किल था। पावरप्ले में 24 रन ही बने जिसमें दो चौके लगे। भारत के लिये बायें हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 10 रन देकर चार विकेट लिये जो टी20 क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।उन्होंने सलामी बल्लेबाज हारूना इवासाकी (10) और कप्तान माइ यानागिडा को लगातार दो गेंदों पर पवेलियन भेजा। शेफाली वर्मा ने 13 रन देकर दो विकेट चटकाये। उन्होंने 15वें ओवर में अयाका कातो और 17वें ओवर में शिमाको कातो के विकेट लिये। कुछ बल्लेबाज रन आउट भी हुए जिससे जापान की मुश्किलें और बढ़ गई।

जापान महिला : हारूना इवासाकी का शेफाली बो श्रीचरणी 10, अयाका कातो स्टाफोर्ड का कमलिनी बो शेफाली 25, माइ यानागिडा का घोष बो श्रीचरणी 0, एरिका ओडा का पाटिल बो दीप्ति 5, शिमाको कातो का कौर बो शेफाली 3 अकारी निशिमूरा का फुलमाली बो श्रीचरणी 2 हिनासे गोतो रन आउट। अहिल्या चंदेल रन आउट 0, आयुमी फुजीकावा नाबाद 4, एरिका तोगुची किन का शेफाली बो श्रीचरणी 0, नोनोहा यासुमोतो बो पाटिल 0, अतिरिक्त : सात रन

योग : 19.5 ओवर में 57 रन

विकेट पतन : I-24, 2-24, 3-33, 4-46, 5-51, 6-52, 7-52, 8-56, 9-56

मनु भाकर और तूर एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक

नागोया। दो ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और शॉटपुट में गत चैम्पियन तेजिंदर पाल सिंह तूर को शुक्रवार को एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह के लिये भारत का ध्वजवाहक चुना गया।

समारोह शनिवार को होना है। भारत के अभियान प्रमुख सहदेव यादव ने कहा कि मनु भाकर एक ध्वजवाहक होंगी। बाद में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने पुष्टि की कि तूर दूसरे ध्वजवाहक होंगे। भाकर ने पेरिस ओलंपिक 2024 में दो पदक जीते और वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बन गई थी। तूर ने पिछले दो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। भाकर और तूर को भारतीय दल का ध्वजवाहक चुना जाना अपेक्षित था क्योंकि एशियाई खेलों में भारत के कुल पदकों में निशानेबाजी और एथलेटिक्स का बड़ा योगदान रहता है। चीन के हांगझोउ में हुए पिछले एशियाई खेलों (2023) में एथलेटिक्स ने भारत को 29 पदक (छह स्वर्ण, 14 रजत और नौ कांस्य) दिलाए थे, जबकि निशानेबाजी से भारत की झोली में 22 पदक (सात स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य) आए थे। भारत ने पिछले एशियाई खेलों में रिकॉर्ड 107 पदक जीते थे, जिनमें 28 स्वर्ण पदक शामिल थे। तूर तोक्यो के पास स्थित त्सुकुबा विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण ले रहे हैं। भारतीय एथलेटिक्स दल के 74 सदस्य परिस्थितियों के अनुकूल ढलने के लिए जापान में शिविर के लिए देश से जल्दी रवाना हो गए थे। भारतीय दल सोमवार को नागोया पहुंचेगा, लेकिन उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने के लिए तूर शनिवार को ही यहां पहुंच जाएंगे। तूर ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से जारी वीडियो संदेश में कहा, मुझे गर्व है कि मैं भारतीय दल के ध्वजवाहकों में से एक रहूंगा। हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह अपने देश का ध्वजवाहक बने। यह सम्मान देने के लिए मैं आईओए का धन्यवाद करता हूं।

उन्होंने कहा,"यह मेरे जीवन का बेहद खास पल है कि मैं ओलंपिक पदक विजेता (मनु भाकर) के साथ भारतीय दल का ध्वजवाहक बनने जा रहा हूं"।

संक्षेप

कमरों की कमी से 30.35 भारतीय खिलाड़ी रहे परेशान

नागोया। एशियाई खेलों में भारत के अभियान प्रमुख सहदेव यादव ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें यहां पहुंचकर ही पता चला कि आयोजकों ने 30 से 35 भारतीय खिलाड़ियों को आवास व्यवस्था की सूची से निकाल दिया है जिससे भारत को उनके लिये कमरों का इंतजाम करना पड़ा। कई भारतीय खिलाड़ियों को यहां पहुंचने पर रहने की व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ा और कमरों के लिसे घंटों इंतजार भी करना पड़ा। यादव ने यहां ध्वजारोहण समारोह से इतर कहा कि आयोजन समिति ने हमें बताया कि भारत से अपेक्षा से अधिक खिलाड़ी आ गए हैं लेकिन ऐसा नहीं है। हमने उतने ही खिलाड़ी भेजे हैं जितने तय हुए थे। लेकिन उन्होंने कुछ नाम हटा दिया जिनके लिये हमने होटल बुक किये। 30.35 खिलाड़ियों को लेकर परेशानी हुई है। हमारी टीम ने फुर्ती दिखाते हुए कमरे बुक किये। यादव ने कहा कि टीमों के आगमन पर व्यवस्था को लेकर कुप्रबंधन देखने को मिला है लेकिन कहा कि इस स्तर पर आयोजन में ऐसी दिक्कतें आती हैं। कुप्रबंधन तो है लेकिन यह बड़ा आयोजन है और ऐसा होता है। हमें इससे आगे देखना है। हमें अपने खिलाड़ियों की समस्याओं का हल करना है और उन्हें रहने के लिये अच्छी जगह देनी है ताकि वे मानसिक और शारीरिक तौर पर अच्छी स्थिति में रहें और पदक जीत सकें। यादव ने कहा कि सभी भारतीय खिलाड़ियों को अब कमरे मिल चुके हैं और कोई परेशानी नहीं है। कल रात हमारे दो अभियान उप प्रमुख अलकनंदा अशोक और अंजलि भागवत खिलाड़ियों को लेने हवाई अड्डा गए थे। हमने होटल के 18 कमरे बुक किये हैं और आज 10 और करेंगे जिसमें 30 खिलाड़ी आ सकें।

भारत के पेशेवर रवैये का अनुकरण करे

नागोया। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने शुक्रवार को पिछले कुछ साल में हॉकी में भारत के पेशेवर रवैये की तारीफ करते हुए दूसरे एशियाई देशों से भी वैश्विक स्तर पर उभरने के लिये भारत का अनुकरण करने का आग्रह किया। मॉस्को ओलंपिक में आठवां स्वर्ण जीतने के बाद भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने 2020 और 2024 ओलंपिक में कांस्य पदक जीते। इकराम ने यहां एशियाई खेलों से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस से इतर पीटीआई से कहा, एफआईएच अध्यक्ष होने के नाते सभी देश मेरे लिये समान हैं। सभी महाद्वीप अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन एशियाई हॉकी के लिये कुछ फोकस क्षेत्र हैं और मैं उन्हें इन उपायों को मजबूती से करने के लिये कहता हूं। पेशेवर रवैया अपनाने की जरूरत है।

बीसीसीआई एजीएमः अजीत अगरकर के भविष्य पर फैसला लेने के लिए पदाधिकारी अधिकृत

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में सदस्य इकाइयों ने चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर के कार्यकाल को विस्तार देने या उनके स्थान पर नया अध्यक्ष नियुक्त करने का फैसला बोर्ड के पदाधिकारियों पर छोड़ दिया।

मौजूदा चयन समिति के अध्यक्ष अगरकर का कार्यकाल चार अक्टूबर को समाप्त होने वाला है। ऐसे में बीसीसीआई उनके स्थान पर नए अध्यक्ष की तलाश कर सकता है। बैठक के बाद बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चयन समितियों से जुड़े मामलों पर फैसला लेने के लिए पदाधिकारियों को अधिकृत किया गया है। उन्होंने अगरकर के भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया। बीसीसीआई की 95वीं एजीएम में बोर्ड से संबद्ध राज्य क्रिकेट संघों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में बंगाल क्रिकेट संघ के प्रतिनिधि और भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली तथा कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के प्रतिनिधि और पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद भी मौजूद रहे। सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष के भविष्य के अलावा बीसीसीआई

जूनियर चयन समिति के सभी पांच पदों को भरने की प्रक्रिया पर भी विचार कर रहा है। इस बीच, मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड से अनुरोध किया है कि प्रमुख मुकाबलों के आवंटन में मुंबई को भी ध्यान में रखा जाए। राज्य क्रिकेट संघ के सचिव उन्मेष खानविलकर ने यह जानकारी दी। प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में टेस्ट मैच हुए करीब दो साल हो चुके हैं। यहां पिछला टेस्ट 2024 के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया था। शहर में होने वाले आगामी क्रिकेट मुकाबलों में अगले साल की शुरुआत में पहली बार आयोजित होने वाली महिला चैंपियंस लीग और महिला प्रीमियर लीग के कुछ मुकाबले भी शामिल हैं। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के सचिव और भारत के पूर्व क्रिकेटर सौरभ तिवारी ने भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट को रांची से स्थानांतरित किए जाने की जानकारी होने से इनकार किया। यह खबर मेरे लिए नयी है। इस संबंध में अगर बीसीसीआई को किसी को पत्र लिखना है तो वह मुझे ही लिखना होगा। मैंने ऐसा कोई पत्र नहीं लिखा है। एजीएम में इस बारे में बिल्कुल भी चर्चा नहीं हुई। बीसीसीआई की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में हालांकि ज्यादा जानकारी नहीं दी गई, लेकिन इसमें कहा गया कि "एजीएम ने 2028 में बीसीसीआई की शताब्दी समारोह के आयोजन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विज्ञप्ति के अनुसार, शताब्दी वर्ष दिसंबर 2027 से शुरू होकर पूरे 2028 तक साल भर चलने वाले कार्यक्रमों के जरिये मनाया जाएगा। यह भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा। एजीएम ने सर्वसम्मति से 2027 में होने वाले आईपीएल के 20वें सत्र को भी भव्य तरीके से मनाने का फैसला किया। बैठक के एजेंडे में शामिल अन्य मुद्दों पर भी फैसले लिए गए। वित्त वर्ष 2026-27 का वार्षिक बजट मंजूर किया गया और मौजूदा वित्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की गई।

एशियाई खेलः भारत की क्विम्सी डिसूजा टेकबॉल में ऐतिहासिक पदक के करीब

जापान। भारत की क्विम्सी जोआकिम डिसूजा ने शुक्रवार को यहां एशियाई खेलों की टेकबॉल प्रतियोगिता के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई और इस तरह से वह इस खेल में ऐतिहासिक पदक जीतने के करीब पहुंच गई।

एशियाई खेलों में पदार्पण करते हुए क्विम्सी ने नागोया सिटी हिगाशी स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए अपने ग्रुप ए के पहले मैच में जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त युइना सकामोटो को 2-। (10-12 12-11 13-11) से हराकर उलटफेर किया। यह मैच 43 मिनट तक चला।

इस युवा भारतीय खिलाड़ी ने ग्रुप के अपने दूसरे मैच में भी लय बरकरार रखते हुए कंबोडिया की कोएमयेन डीवाई को केवल 24 मिनट में 2-0 (12-9 12-7) से हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहने के कारण उन्हें बाइ मिल गई और उन्हें क्वार्टर फाइनल नहीं खेलना पड़ा। वह शनिवार को सेमीफाइनल में इंडोनेशिया की सुमाया से भिड़ेंगी और इस मैच में जीत हासिल करने पर टेकबॉल में भारत का पहला पदक पक्का हो जाएगा। यह 24 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी इस मैच में हार भी जाती है तो उन्हें प्लेऑफ के

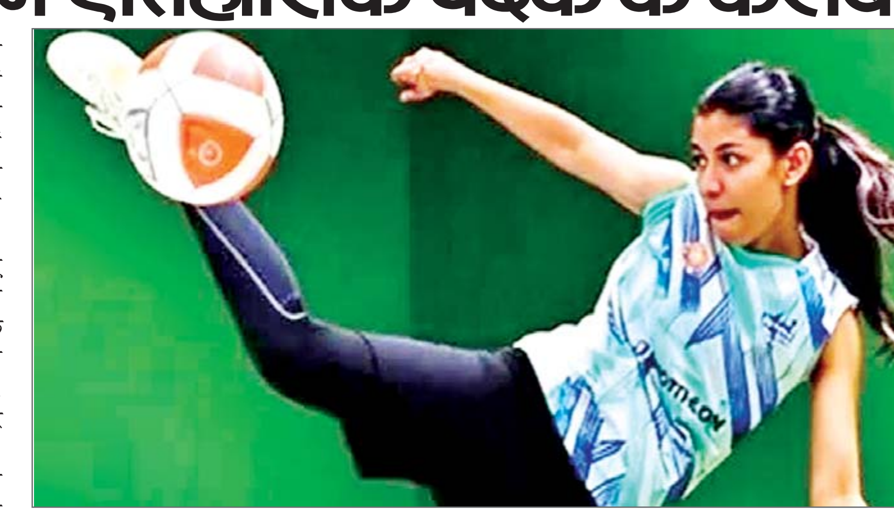

जरिए पदक हासिल करने का एक और मौका मिलेगा। हालांकि, क्विम्सी और मोहम्मद अनस इमरान बेग की भारतीय जोड़ी मिश्रित युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में वियतनाम के होआंग मिन्ह तान गुयेन और जिया नघी त्रिन्ह से 0-2 (7-12 10-12) से हार गई। भारतीय जोड़ी के पास अब भी पदक जीतने का मौका है क्योंकि उसने अपना रिपेचेज मुकाबला जीत लिया है। भारतीय जोड़ी ने ग्रुप ए के अपने पहले मुकाबले में फिलीपींस के जोहाना अबुलेंसिया और प्रिंस ऑगस्टिन को 2-0 (12-10 12-3) से हराकर सकारात्मक शुरुआत की। क्विम्सी और बेग अगले दो मुकाबलों में कंबोडिया के थुओनविरेक बुन और सोफोर्नराक्समे योर्न से 0-2 (3-12 8-12) से और थाईलैंड के फाकपोंग देजारोएन और सुफावादी वोंगखामचान की जोड़ी से 0-2 (3-12 8-12) से हार गए। लेकिन भारतीय जोड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए सलमान अलेब्राहीम और हेस्सा अलफैलाकवी पर 2-0 (12-। 12-6) से जीत दर्ज करके क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की की, जहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा। क्विम्सी और बेग ने रिपेचेज राउंड में अबुलेंसिया और ऑगस्टिन को 2-0 (12-3 12-6) से हराया। टेकबॉल को पहली बार एशियाई खेलों में शामिल किया गया है। टेकबॉल फुटबॉल और टेबल टेनिस का मिश्रण है। इस खेल का आविष्कार 2014 में हंगरी में फुटबॉल के शौकीन गैबोर बोरसानी, ज्ञोरगी गैटियन और विक्टर हुस्ज़ार ने किया था। पहली आधिकारिक टेकबॉल विश्व चैंपियनशिप 2017 में बुडापेस्ट में आयोजित की गई थी।

ऐसा कौन सा खेल आयोजन है जिसमें चुनौतियां नहीं होतीं? एशियाड की अव्यवस्थाओं पर ओसीए

नागोया। एशियाई खेलों की शुरुआत से पहले आयोजन संबंधी अव्यवस्थाओं को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने शुक्रवार को आयोजकों का बचाव करते हुए कहा कि हर बहु-खेल प्रतियोगिता में इस तरह की चुनौतियां आती हैं और सोशल मीडिया पर इन मुद्दों को राजनीतिक रंग देने या उनका फायदा उठाने की किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा।खेलों के उद्घाटन समारोह की पूर्व संध्या पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में 2026 एशियाई खेल समन्वय समिति के अध्यक्ष तैयब इकराम ने विवादों को अस्थायी समस्याएं बताते हुए उन्हें ज्यादा तवज्जो नहीं देने की कोशिश की।

खेलों में खिलाड़ियों के लिए आवास की कमी का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में है। पंजीकरण और कमरों के आवंटन की प्रक्रिया में लग रहा लंबा समय तथा अभ्यास स्थलों तक पहुंचने के लिए खिलाड़ियों को लंबी यात्रायें करनी पड़ रही है। ये मुद्दे जापान की छवि को भी प्रभावित कर रहे हैं। अलग-अलग मीडिया और विभिन्न माध्यमों से हमें कुछ बातें और प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हमारे खेल आयोजन खिलाड़ियों के लिए है, हम इन्हें राजनीतिक रंग देने की किसी भी कोशिश को रोकना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लोग हर चीज में समस्याएं तलाशने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसा कौन सा खेल आयोजन है जिसमें चुनौतियां नहीं होतीं? महत्वपूर्ण यह है कि उनका निपटारा किस तरह किया जाता है। आइची-नागोया एशियाई खेल आयोजन समिति (एएनएजीओसी) ने इस मामले में शानदार काम किया है, लेकिन ओसीए और एएनएजीओसी खेलों को राजनीतिक रंग देने की किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने देंगे। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष इकराम ने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ चिंताओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उनके अनुसार इन मुद्दों को राजनीतिक रंग देने के पीछे कौन है। आवास संबंधी समस्याओं से भारतीय खिलाड़ी भी प्रभावित हुए हैं और उन्होंने कम जगह वाले कमरों तथा लंबे इंतजार की शिकायत की है। चीन के विश्व चैंपियन जिम्नास्ट झांग ने शुक्रवार को कहा कि आवास के पंजीकरण की छह घंटे से अधिक लंबी प्रक्रिया के कारण वह पूरी तरह थक चुके हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 2024 पेरिस ओलंपिक में दो रजत पदक और विश्व चैंपियनशिप के दो खिताब जीत चुके झांग ने बाद में आराम करने के लिए एक होटल में कमरा बुक किया। नागोया स्थित चीनी महावाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों ने स्थानीय प्रवासी चीनी समुदाय के संपर्कों के जरिए चीनी बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए चार्टर्ड वाहनों की व्यवस्था करने में मदद की।

शतरंज ओलंपियाड : भारतीय पुरुष टीम के सामने इटली की चुनौती, लाइव रेटिंग में 2700 से नीचे गुकेश

समरकंद (उज्बेकिस्तान)। गत चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने 46वें शतरंज ओलंपियाड के शुरुआती दो दौर में निचली रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ जीत दर्ज की, लेकिन अब तीसरे दौर में उसके सामने मजबूत इटली की चुनौती है। इटली की टीम के पहले चार बोर्ड पर ग्रैंडमास्टर खिलाड़ी हैं। भारत ने पहले दौर में थाईलैंड को 3-। से हराया, जबकि दूसरे दौर में इंडोनेशिया के खिलाफ 2.5-1.5 से मामूली जीत दर्ज की। निचली रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ जीत हासिल करने के बावजूद भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन पूरी तरह प्रभावशाली नहीं रहा। विश्व चैंपियन डी. गुकेश दूसरे दौर में ड्रॉ खेलने के बाद लाइव रेटिंग में 2700 अंक से नीचे खिसक गए हैं।

गुकेश को दूसरे दौर में इंडोनेशिया के सत्रिया दुटा चहाया ने बराबरी पर रोक दिया। इसके बाद गुकेश की लाइव रेटिंग 2699.5 अंक हो गई है। अक्टूबर 2024 में वह 2794 की सर्वोच्च रेटिंग तक पहुंचे थे। सितंबर 2022 में महज 16 वर्ष की उम्र में गुकेश 2699 से छलांग लगाकर 2726 रेटिंग अंक पर पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और दिसंबर 2024 में 18 वर्ष की उम्र में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। ओलंपियाड में 2700 की विशिष्ट रेटिंग वाले खिलाड़ियों के क्लब से बाहर होना गुकेश के लिए विश्व चैंपियनशिप के मुकाबले से पहले किसी झटके की तरह है। वह हालांकि प्रतियोगिता के बाकी दौर में मजबूत वापसी कर इस स्तर को फिर हासिल करने की कोशिश करेंगे। इससे पहले 2022 और 2024 के पिछले दो ओलंपियाड में गुकेश ने भारत के लिए शीर्ष बोर्ड पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का स्वर्ण पदक जीता था। लेकिन इस बार टीम प्रबंधन ने मौजूदा फॉर्म को ध्यान में रखते हुए उन्हें चौथे बोर्ड पर उतारने का फैसला किया है। तीसरे दौर में भारत की ओर से आर. प्रज्ञानानंदा का मुकाबला लोरेंजो लोदिची से, अर्जुन एरिगैसी का लुका मोरोनी जूनियर से, निहाल सरीन का फ्रांसेस्को सोनिस से और डी. गुकेश का साबिनो ब्रुनेल्लो से होगा।

लखनऊ वुमन्स प्रीमियर लीग : खिलाड़ियों पर हुई धनवर्षा, रेटिंग वाली खिलाड़ियों के लिए लगी बड़ी बोली

लखनऊ। लखनऊ में पहली बार बेटियों को खेपने के लिए पैसे मिलेंगे। पहली बार हो रही लखनऊ विमेंस प्रीमियर लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी हुई। शुक्रवार को हुई इस नीलामी में करीब दो दर्जन रेटिंग खिलाड़ियों पर फ्रैंचाइजी ने 25-25 हजार रुपये बरसाये। सबसे अधिक बेस प्राइस 10 हजार रुपये रखा गया था और बोली की सीमा अधिकतम 25 हजार रुपये थी।

नीलामी की शुरूआत क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ के अध्यक्ष एवं लीग के चेयरमैन डॉ. नवनीत सहगल, सीएएल के सचिव के एम खान, लीग के कमिश्नर एस पी मिश्रा, डिप्टी कमिश्नर प्रियकनका शैली ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर प्रख्यात पत्रकार वंदना मिश्रा की महिला क्रिकेट पर लिखी गई किताब का विमोचन भी डॉ.

नवनीत सहगल ने किया। नीलामी में छह फ्रैंचाईजी टीमों के मलिक, कोच और एक्सपर्ट शकमिल हुए। सभी रेटिंग खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल करने के लिए बोली लगाने के कांटे की होड़ थी। इन खिलाड़ियों को खरीदने के लिए सभी टेकमों ने अधिकतम 25 हजार रुपये की बोली लगाई। ऐसे में टीमों ले लिए लॉटरी निकली गई। इसमें जिस टीम की लाटरी निकली उसे वह खिलाड़ी दिया गया।

सबसे ज्यादा रेटिंग खिलाड़ी लखनऊ चैलेंजर्स और लखनऊ नवाही क्वीन्स में

फ्रेंचाइजी के पर्स में पहले दो लाख रुपये रखे गए थे। बाद में चेयरमैन डा. नवनीत सहगल ने इसे बढ़ाकर 2.5 लाख कर दिए। इसके बाद फ्रेंचाइजी खिलाड़ी खरीदने में दिल खोलकर पैसे खर्च किए। करीब दो दर्जन रेटिंग खिलाड़ी 25-25 हजार रुपये में बिके। इनमें अरोमा त्यागी (24.5 हजार) को छोड़कर सभी खिलाड़ियों के लिए इतनी होड़ थी की लाटरी निकाली गई। लखनऊ नवाबी क्वीन्स और आरईपीएल लखनऊ चैलेंजर्स ने सबसे ज्यादा छह-छह रेटिंग वाले खिलाड़ी खरीदे। इसके बाद फोर स्क्वायर वारियर्स ने पांच, लखनऊ शेरनी ने चार, सेज फाल्कन ने तीन, रहीमाबाद रायल्स ने दो रेटिंग वाले खिलाड़ी खरीदे।

इसके अलावा बाकी सभी खिलाड़ियों का बेसप्राइस 3000 रुपये रखा गया है। इनकी अधिकतम बोली 5000 रुपये निर्धारित की गई है। इसमें फ्रेंचाइजी को छूट गई है कि वे अपनी मनपसंद के खिलाड़ी चुन सकते हैं। जिस खिलाड़ी को दो या उससे अधिक फ्रेंचाइजी चाहती होंगी उसके लिए बोली लगाई जाएगी।

पंजाब के हर कोने तक पहुंचे नशारोधी मुहिम

पठानकोट। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब को नशे के अभिशाप से मुक्त करना होगा और नशा विरोधी अभियान को राज्य के हर कोने तक पहुंचाया जाना चाहिए। पठानकोट में भाजपा अध्यक्ष ने एकता स्थल से राज्यव्यापी नशा विरोधी चार यात्राओं में से पहली यात्रा को रवाना किया। दूसरी यात्रा 19 सितंबर को फतेहगढ़ साहिब से शुरू होगी, जबकि तीसरी यात्रा 20 सितंबर को फाजिल्का और चौथी यात्रा 21 सितंबर को बठिंडा के तलवंडी साबो से शुरू होगी। भाजपा सूत्रों ने बताया कि 13 दिन चलने वाली ये चारों यात्राएं पंजाब के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों में करीब 4,000 किलोमीटर की दूरी तय करेंगी और खासकर युवाओं में नशे के खतरे के खिलाफ जागरूकता फैलाएंगी। चारों यात्राओं के समापन के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 30

सितंबर को जालंधर में एक रैली को संबोधित करेंगे। एक जनसभा को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा, मैं पटना से एक संदेश लेकर आया हूं-हमें इस नशा विरोधी अभियान को राज्य के हर कोने तक पहुंचाना है। हमें पंजाब को नशा मुक्त बनाना है। आज हम एक ऐसे दुश्मन का सामना कर रहे हैं, जो चुपचाप हमारे गांवों और घरों में प्रवेश करता है और धीरे-धीरे पूरे परिवार को अपनी चपेट में ले लेता है। यह दुश्मन नशा है और हमें इस अभिशाप को खत्म करना होगा। मैं यहां केवल यात्रा को रवाना करने नहीं आया हूं, बल्कि इस संकल्प के साथ नशे के खिलाफ लड़ाई शुरू करने आया हूं कि हम इस समस्या को जड़ से खत्म करेंगे। नवीन ने भगवंत मान सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह नशे की समस्या खत्म करने के लिए केवल तारीख पर तारीख देती है, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं होता।

इस अवसर पर पंजाब भाजपा के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, सतीश पूनिया, तरुण चुग, सुनील जाखड़, मनप्रीत सिंह बादल, सौदान सिंह, राघव चड्ढा और इकबाल सिंह लालपुरा समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। पंजाब में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा ने राज्य में नशे और बिगड़ती कानून-व्यवस्था के मुद्दों को अपने चुनावी अभियान का आधार बनाने की योजना बनाई है।

राष्ट्रपति ट्रंप प्रतिबंध संबंधी विधेयक पर हस्ताक्षर करने की बना रहे योजना

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने संबंधी अधिनियम पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रहे हैं।

यह बयान अमेरिकी प्रतिनिधि सभा द्वारा इस विधेयक को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद आया है, जिसमें मॉस्को के शीर्ष ऊर्जा खरीदारों पर भारी शुल्क लगाने का भी प्रावधान है। विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर कर इसे कानून में बदलने के बारे में पूछे जाने पर व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया, राष्ट्रपति इस विधेयक पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रहे हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने रूस पर प्रतिबंध संबंधी अमेरिकी विधेयक पारित होने पर प्रतिक्रिया देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अपने 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और विविध स्रोतों से ऊर्जा खरीद जारी रखेगा।

अमेरिका ने ईरान के शीर्ष नेताओं को संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक के लिए वीजा दिया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ईरान के राष्ट्रपति और विदेश मंत्री सहित शीर्ष अधिकारियों को अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्चस्तरीय बैठक में शामिल होने के लिए वीजा प्रदान कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब दोनों देशों के बीच युद्ध को लेकर गतिरोध बना हुआ है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने संयुक्त राष्ट्र की बैठकों में शामिल होने के लिए ईरान के मुख्य प्रतिनिधिमंडल और जरूरी कर्मचारियों को वीजा देने की मंजूरी दे दी है। अमेरिकी अधिकारियों ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि जिस ईरानी प्रतिनिधिमंडल को वीजा जारी करने की अनुमति दे दी गई है, उसमें राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी शामिल हैं।

संक्षेप

बैंक कर्मचारी से 11 लाख रुपये की लूट में वकील समेत चार लोग गिरफ्तार

चेन्नई। चेन्नई के टी नगर में एक फ्लाईओवर पर बैंक कर्मचारी से 11 लाख रुपये लूटने के मामले में पुलिस ने एक वकील समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना दो दिन पहले हुई थी। उसने बताया कि कुंद्राथुर निवासी बैंक कर्मचारी कार्तिकेयन दोपहिया वाहन से जा रहे थे, तभी मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। पुलिस ने बताया कि बदमाशों ने चाकू दिखा कर उन्हें धमकाया, 11 लाख रुपये लूट लिए और मौके से फरार हो गए। पोंडी बाजार पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। पुलिस ने निगरानी फुटेज के आधार पर आनंद सेल्वन, मोहम्मद फैसल, अरुणकुमार और पेशे से वकील बबलू को गिरफ्तार किया तथा आरोपियों के पास से 2.38 लाख रुपये नकद भी बरामद किए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कार्तिकेयन ने मलेशिया में रह रहे अपने चाचा से मिली जानकारी के बाद पेरिस कॉर्नर इलाके में एक व्यक्ति से बड़ी मात्रा में नकदी ली थी। आनंद सेल्वन और बबलू के खिलाफ पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं।

नंदीग्राम उपचुनाव: ममता बनर्जी खेमे की उम्मीदवार संचिता ने नामांकन वापस लिया

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की गुटीय लड़ाई के बीच नंदीग्राम उपचुनाव के लिए ममता बनर्जी खेमे की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने शुक्रवार को अपना नामांकन वापस ले लिया। नामांकन वापसी की अंतिम तारीख में एक दिन बाकी रहने के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है।

यह घटनाक्रम निर्वाचन आयोग द्वारा छह अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव के लिए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को नया पार्टी नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किए जाने के कुछ घंटे बाद हुआ। पेशे से शिक्षिक प्रधान डे को ममता खेमे ने नंदीग्राम से उम्मीदवार बनाया था। शुक्रवार दोपहर अपने पति सत्यजीत के साथ वह राज्य सचिवालय नबान्न पहुंचीं और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात की।

इसके बाद प्रधान डे ने अपना नामांकन वापस ले लिया, जिससे नंदीग्राम उपचुनाव में ममता खेमे वाली ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का कोई उम्मीदवार नहीं है।

नंदीग्राम उपचुनाव : ममता ने कांग्रेस को दिया समर्थन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस को अपनी पार्टी का समर्थन देने की शुक्रवार को घोषणा की। उन्होंने यह घोषणा अपनी पार्टी की उम्मीदवार के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाक़ात के बाद चुनाव से हटने के कुछ घंटों बाद की। कांग्रेस को तृणमूल की करीबी पार्टी बताते हुए बनर्जी ने कहा कि इस कदम का मकसद विपक्षी गठबंधन इंडिया को मज़बूत करना है।

ममता बनर्जी ने अपने कालीघाट स्थित आवास पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनके गुट ने पहले ही नंदीग्राम में कांग्रेस का समर्थन करने का फैसला किया था, और यह भविष्य की शुरुआत है। उनकी यह टिप्पणी तृणमूल कांग्रेस के लिए एक बड़ा राजनीतिक यू-टर्न है। राज्य में 15 वर्ष तक सत्तारूढ़ रहने के दौरान तृणमूल का यही रुख रहा है कि वह बंगाल में अकेले ही भाजपा का मुक़ाबला कर सकती है और उसने राज्य में चुनावी समझौते के लिए कांग्रेस के प्रस्तावों को बार-बार ठुकराया है।

ममता बनर्जी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया को मज़बूत करने का संदेश बंगाल से शुरू होने दें। यह घटनाक्रम संचिता प्रधान डे के मैदान से हटने के बाद हुआ, जिन्हें ममता गुट ने नंदीग्राम से मैदान में उतारा था। प्रधान डे ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री अधिकारी से मुलाक़ात की और बाद में अपना नामांकन वापस ले लिया, जिससे उपचुनाव वाले क्षेत्र में ममता बनर्जी खेमे का कोई उम्मीदवार नहीं बचा। कांग्रेस ने नंदीग्राम से मिलन प्रधान को मैदान में उतारा है और ममता की घोषणा का मतलब है कि उनका गुट अब कोई दूसरा उम्मीदवार नहीं खड़ा करेगा और कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन देगा। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ममता बनर्जी घोषणा करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन कांग्रेस ने उनसे समर्थन नहीं मांगा था। चौधरी ने कहा कि वह एक राजनीतिक नेता हैं। वह जो चाहें कह सकती हैं। लेकिन सच यह है कि उन्होंने एक उम्मीदवार खड़ा किया था और अब जब उम्मीदवार हट गयी हैं, तो वह हमें समर्थन दे रही हैं। हमने उनसे समर्थन नहीं मांगा है। ममता ने रेजीनगर सीट के बारे में फैसला बाद में लेने की बात कहकर उस पर स्थिति साफ नहीं की है। नंदीग्राम की घोषणा बनर्जी के लिए ख़ास राजनीतिक महत्व रखती है। 2007 में इस क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन उनके राजनीतिक सफर की अहम लड़ाइयों में से एक बन गया था और इसने वाम मोर्चा के ख़िलाफ तृणमूल कांग्रेस के अभियान को आगे बढ़ाने में मदद की। इसके बाद 2011 में पार्टी पश्चिम बंगाल में सत्ता में आयी। तृणमूल ने 2011 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस के साथ गठबंधन में लड़ा था और राज्य में वाम मोर्चा के 34 साल के शासन को खत्म किया था। ममता ने 15 साल बाद, नंदीग्राम में फिर से कांग्रेस को समर्थन दिया है। लेकिन इस बार विपक्ष की स्थिति बदली हुई है।

कांग्रेस का दावा, नंदीग्राम के उसके उम्मीदवार को गिरफ्तार किया गया

12 से अधिक मामलों में नामजद था प्रधान

एजेंसी

कोलकाता। नंदीग्राम विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए कांग्रेस के उम्मीदवार मिलन प्रधान को 2007 के भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में कथित संलिप्तता के मामले में शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने यह दावा किया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी के एक और नेता सुभाशीष भट्टाचार्य को भी प्रधान को गिरफ्तार करने से पुलिस को कथित तौर पर रोकने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। कांग्रेस नेता ने कहा कि नंदीग्राम भूमि आंदोलन से जुड़े 12 से अधिक मामलों में नामजद प्रधान को पूर्व मेदिनीपुर जिले के चांदीपुर स्थित एक होटल से हिरासत में लिया गया। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, यह भाजपा का गंदा खेल है। मिलन 2007 में नंदीग्राम आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। तब से उनके खिलाफ कम से कम 12 मामले दर्ज हैं। लेकिन आज, क्योंकि उन्होंने सफलतापूर्वक अपना नामांकन दाखिल कर दिया है, पुलिस के जरिए उन्हें गिरफ्तार करा दिया गया। इससे पहले, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नंदीग्राम सीट पर छह अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस को अपनी पार्टी का समर्थन देने की घोषणा की थी। यह घोषणा ममता बनर्जी खेमे की उम्मीदवार के चुनाव मैदान से हटने के कुछ घंटे बाद की गई।

ईरान में सबसे बड़े प्रदर्शन में हजारों नागरिक हुए जमा

ईरान। ईरान में शुक्रवार को हजारों नागरिकों ने फरवरी में अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद सरकार द्वारा आयोजित अपनी तरह के सबसे बड़े प्रदर्शन में संकल्प जताया कि वे हथियार उठाने को भी तैयार हैं।

ईरान की सरकार ने लोगों को एकजुट करने और राष्ट्रीय एकता पर जोर देने की कोशिश की है, जबकि अमेरिकी नौसेना द्वारा ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी और तेहरान की आर्थिक मुश्किलों को बढ़ाने के लिए लगाए गए नए अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण इस देश की अर्थव्यवस्था खराब हो रही है। सीमित सैन्य प्रशिक्षण लेने और देश की रक्षा करने के लिए स्वेच्छा से आगे आने

वाले लोगों की संख्या के बारे में अलग-अलग अनुमान सामने आए। इस प्रयास को जानफदाये-ए-ईरान या ईरान के लिए अपनी जान कुर्बान करना करार दिया जा रहा है। इसमें लोगों ने लड़ाकू बलों की वर्दी में झंडे लेकर तेहरान के शहर के बीचोंबीच मार्च निकाला और उपस्थित लोग उनका उत्साह बढ़ा रहे थे। कई दिनों से सरकारी मीडिया ईरान वासियों को इस अभियान में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है और कह रहा है कि हथियारों के साथ प्रशिक्षण जल्द ही शुरू होगा। ये कार्यकर्ता शक्तिशाली रिवोल्यूशनरी गार्ड अर्द्धसैनिक बल और उसकी शाखा बासिज के अतिरिक्त सुरक्षा कर्मी होंगे। तेहरान के गार्ड प्रमुख, जनरल हसन हसनजादेह ने सरकारी प्रसारणकर्ता को बताया कि छह लाख से अधिक लोगों ने इसमें भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया है, और 10 लाख से अधिक लोगों के प्रशिक्षण में भाग लेने की उम्मीद है। बासिज के नए प्रमुख, होसैन ताएब ने रैली की शुरुआत में एक भाषण में घोषणा की कि स्वयंसेवक पूर्ण रक्षा के लिए तैयार रहेंगे और जल्द ही अन्य शहरों में भी ऐसी ही रैलियां होंगी।

इंटरटेनमेंट...

मेरा आकर्षण बढ़ता जा रहा है, क्या करूं

नयी दिल्ली। वह भला कर भी क्या सकते हैं, उनके बालों की तरह ही उनका आकर्षण भी लगातार बढ़ता जा रहा है। शाहरुख खान ने मंगलवार को अचानक शुरू हुए एक हैशटैग आस्क एसआरके (एसआरके से पूछें) सत्र के दौरान मजाकिया लहजे में यह बात कही।

सोशल मीडिया पर आयोजित इस सवाल-जवाब के दौर में गंभीर से लेकर बेहद अजीबोगरीब सवाल-जवाब देखने को मिले। अभिनेता ने इस मौके पर अपने प्रशंसकों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं भी दीं और उनसे अपनी नयी फिल्म किंग की सफलता के लिए प्रार्थना करने का अनुरोध किया, जो 24 दिसंबर को प्रदर्शित होगी। शाहरुख ने सत्र की शुरुआत करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा,' सभी को गणपति की शुभकामनाएं। चारों ओर उत्सव और खुशी का माहौल है, बप्पा आपके जीवन में और खुशियां लाएं। खुशियों को और बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे दोस्तों के साथ साझा किया जाए इसलिए, थोड़ी खुशियां बांटने और हंसी-मजाक के लिए, आइए कुछ देर के लिए शाहरुख से पूछें का सवाल-जवाब सत्र शुरू करते हैं,

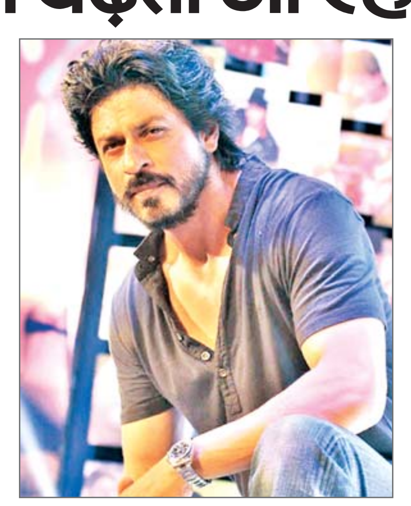

बशर्ते आप सभी के पास समय हो। आप सभी को प्यार सोशल मीडिया मंच एक्स पर चार करोड़ से अधिक फॉलोअर्स वाले अभिनेता विभिन्न विषयों पर लोगों से बातचीत करने के लिए इस मंच का उपयोग करते रहे हैं। इस सत्र में प्रशंसकों ने उनसे प्यार पर सलाह मांगी, फिल्म' धुरंधर' पर उनकी राय जानी और एक नए शादीशुदा व्यक्ति ने अपने रिश्ते में ग्रीन फ्लैग (अच्छा व वफादार साथी) बनने के तरीके पूछे। शाहरुख ने तुरंत जवाब दिया, एक दूसरे के रंग में रंग जाओ... थोड़े तालमेल बिठाओ ताकि आप दोनों एक-दूसरे को अधिक खुश रख सकें। एक अन्य प्रशंसक ने कहा कि वह अब कॉलेज के अंतिम वर्ष में है और अभी तक उसकी कोई प्रेमिका नहीं है। अभिनेता ने सलाह देते हुए कहा, चिंता मत करो, कॉलेज का आखिरी साल खत्म होने से पहले तुम्हें वह लड़की मिल जाएगी जिससे तुम प्यार करोगे। तब तक डटकर पढ़ाई करो ताकि जब वह तुम्हें आखिरकार मिल जाए, तो तुम्हारे पास उसके लिए पूरा खाली समय हो, इसके बाद एक प्रशंसक ने पूछा कि जब शाहरुख चकाचौंध से दूर हो जाते हैं और अकेले होते हैं, तो वह क्या करते हैं? इस पर अभिनेता ने पिछले कई वर्षों से लगातार मिल रहे प्रशंसकों के प्यार के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, ईमानदारी से कहूं तो भगवान बहुत कृपालु रहे हैं... मैं इस चकाचौंध से कभी दूर नहीं होता और न ही यह भीड़ कभी कहीं जाती है... इसलिए मेरा सपना हमेशा इस सब के बीच घिरे रहना और खुश रहना है।

अभिनेता दंपत्ति सूर्या और ज्योतिका ने अपने विवाह के वचन फिर से भरे

चेन्नई। अभिनेता दंपत्ति सूर्या और ज्योतिका ने विवाह के बंधन के 20 वर्ष पूरा होने के अवसर पर विवाह के वचनों को फिर से भरा। इस जोड़ी ने करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में एक निजी विवाह समारोह आयोजित कर अपनी शादी की 20वीं सालगिरह मनाई। दोनों ने 11 सितंबर 2006 को शादी की थी और उनके दो बच्चे दिया और देव हैं। वीडियो में ज्योतिका अपने बेटे के साथ समारोह में पहुंचती नजर आ रही हैं, जबकि उनकी बेटी सूर्या के साथ थीं। अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, द सीक्वल- 20 साल के प्यार और संघर्ष का जश्न मनाते हुए विवाह के वचनों का नवीनीकरण। अरे नहीं, यह एक आदर्श शादी का जश्न नहीं है। यह कमियों, एक-दूसरे के अनुसार ढलने, समझ, त्याग और निस्वार्थ प्रेम का जश्न है।

फ़िल्म उद्योग हमें अच्छा काम करने से रोकता है : तिग्मांशु

मुंबई। फिल्म निर्माता तिग्मांशु धूलिया का कहना है कि हर फिल्म एक संघर्ष है और उद्योग में परियोजनाओं को हरी झंडी देने वाले लोगों के पास कोई दृष्टि नहीं है, जिसकी वजह से फिल्मकारों को पर्दे पर अच्छा काम करने की कोशिश से रोक दिया जाता है।

हासिल, पान सिंह तोमर एवं साहेब बीवी और गैंगस्टर जैसी फिल्मों तथा क्रिमिनल जस्टिस, द ग्रेट इंडियन मर्डर और गर्मी जैसे ओटीटी शो से चर्चा में आए धूलिया ने एक जैसी कहानियों वाली फिल्मों को लेकर उद्योग के जुनून पर सवाल उठाया और कहा कि इनका प्रदर्शन भी लगातार एक जैसा नहीं रहा है। धूलिया ने पीटीआई-भाषा से कहा, हर फिल्म एक संघर्ष है। अगर आप किसी कहानी को अलग तरीके से कहना चाहते हैं तो यह उद्योग हमें अच्छा काम करने से रोकता है।

ॠतु आर्य ने शाहरुख खान को बताया ध्रुव तारा

नयी दिल्ली। रेड नोटिस, बार्बी और द अम्ब्रेला एकेडमी जैसी हॉलीवुड फिल्मों एवं सीरीज के लिए पहचानी जाने वाली ब्रिटिश-भारतीय अभिनेत्री ज्तु आर्य का कहना है कि वह हमेशा से बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की प्रशंसक रही हैं और उन्हें अपना ध्रुव तारा (मार्गदर्शक) मानती हैं। ॠतु आर्य (38) का जन्म इंग्लैंड के गिल्डफोर्ड शहर में हुआ था। उनके माता-पिता दोनों भारतीय मूल के हैं। आर्य अपोलो हैज फॉलन में एक बार फिर ब्रिटिश गुप्तचर एजेंसी एमआई-6 की एजेंट की अपनी भूमिका में नजर आएंगी। उन्होंने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में बताया कि ब्रिटेन में अपने बचपन के दिनों में उन्होंने कई बॉलीवुड

फिल्में देखीं।

आर्य ने कहा, मैं बॉलीवुड की बहुत सी फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं और शाहरुख खान मेरे ध्रुव तारा रहे हैं... मैं उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। और मुझे पता है कि यह बात लोगों को थोड़ी अटपटी लग सकती है, क्योंकि यह एक रूढ़िवादी धारणा जैसी लगती है, लेकिन मेरे लिए ऐसा नहीं है, क्योंकि यही मेरी जिंदगी थी। साक्षात्कार में शामिल अपोलो हैज फॉलन में ज्तु आर्य के सह-कलाकार तौफीक जल्लाब (जो इस सीरीज में विंसेंट तालेब की भूमिका निभा रहे हैं) ने याद किया कि कैसे ज्तु आर्य ने एक बार उनसे कहा था कि वह शाहरुख खान जैसे दिखते हैं। साक्षात्कार के दौरान मौजूद अपोलो हैज फॉलन में उनके सह-कलाकार तौफीक जल्लाब ने याद किया कि कैसे ज्तु ने एक बार उनसे कहा था कि वह शाहरुख खान जैसे दिखते हैं, वह इस शृंखला में विंसेंट तालेब की भूमिका निभा रहे हैं।

Viraj

आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com

C M Y K